हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, गुरुवार, 31 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 72 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

संयुक्त राष्ट्र ने माना- पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ जिम्मेदार:कहा- ... | ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा में किसी सवाल का जवाब नहीं? | आईटी सेक्टर में बड़ा बदलाव! एक तरफ टीसीएस में...

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

नड्डा बोले- यूपीए दौर में हर जगह धमाके, पाक को मिलती रही मिठाई

नई दिल्ली: संसद में मानसून सत्र का आज 8वां दिन है। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- हम पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाए। खून-पानी एक साथ नहीं चलेगा। गृह मंत्री अमित शाह संसद में समापन भाषण दे सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बहस मंगलवार को जबकि लोकसभा में शुरू हुई थी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जेडीयू सांसद संजय कुमार झा सहित कई सांसदों ने भाग लिया। खड़गे ने कहा- लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना। वे (मोदी) जवाब नहीं देंगे, वे अपने दोस्तों-मंत्रियों

से कहेंगे कि जाओ जो कहना है कहो। 11 साल में कभी बहस में शामिल नहीं होते। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो।

टीएमसी सांसद बोलीं- भारत अमेरिका का गुलाम बन गया

टीएमसी सांसद ममता ठाकुर ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा- दुनिया देख सकती है कि भारत किस तरह पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अमेरिका का गुलाम बन रहा है। युद्धविराम सफल नहीं रहा।

नड्डा बोले- पीएम मोदी ने जो कहा, उसे कर दिखाया

नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति देखिए। पहलगाम हमले के बाद मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान ने बहुत बड़ी गलती कर दी थी। उन्होंने पूरी दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवादियों को कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी। इपहलगाम हमले के 13 दिन में ही आतंकियों को करारा जवाब दिया। पहले ये होता था हम देखेंगे, हम जवाब देंगे। पहलगाम पर पीएम मोदी ने पाकिस्तान को करारा संदेश दिया। 300 किमी. अंदर जाकर पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किया। 22 मिनट में ही हमने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का जवाब दिया।

रांची से अपहृत बच्ची को पटना ले जाना चाहते थे अपहर्ता, एनकाउंटर के डर से छोड़कर भागे

सिरमटोली ओवरब्रिज के पास उठाया, पुलिस ने बढ़ाई दबिश तो सड़क पर उतारा भागे क्रिमिनल

रांची: राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र से बुधवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। सिरमटोली फ्लाईओवर के पास बिशप वेस्ट-कॉट स्कूल जा रही 11 साल के करीब की स्टूडेंट का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक बच्ची चर्च रोड की रहने वाली है। JH01FU6874 नंबर की गाड़ी में चार की संख्या में सवार अपराधियों ने पहले स्कूल बच्ची के वैन को टक्कर मार कर रोका और फिर बच्ची को उठा कर भाग निकले। इस बीच दहशत फैलाने के लिए तीन राउंड फायरिंग भी की।

परिजनों ने रामगढ़ पुलिस और थाना प्रभारी का जताया आभार

अपहृत बच्ची की सकुशल बरामदगी पर उसके पिता आफताब आलम और परिजनों ने रांची और रामगढ़ एसपी अजय कुमार के कुशल नेतृत्व की प्रशंसा की. साथ ही कहा कि मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार के इस सफल अभियान में महत्वपूर्ण योगदान रहा है. पुलिस की सक्रियता के कारण ही हमारी बच्ची सकुशल हमलोगों के बीच है. इसके लिए सभी पुलिस पदाधिकारी धन्यवाद के पात्र हैं.

रामगढ़ के कुजू से मिली बच्ची

किडनैपिंग की जानकारी मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई। रांची एसएसपी चंदन सिन्हा, रांची आईजी मनोज कौशिक की ओर से एक्शन लिया गया। जानकारी के मुताबिक 10 जिले के 90 से अधिक जगहों पर जांच अभियान चलाया गया। लगातार ट्रैकिंग के बाद अपराधियों का लोकेशन रामगढ़ में मिला। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस की बढ़ती दबिश की वजह से अपराधियों ने बच्ची को कुजू के पास सड़क किनारे छोड़ कर भाग निकले। इसके बाद बच्ची को रांची ले आया गया है। फिलहाल वह थाने में है। बच्ची की बरामदगी के बाद कुजू ओपी में रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही रामगढ़ जिले के थाने एक्टिव हुए। एनएच 33 से लेकर जितने भी ब्रांच रोड हैं, सब में सर्च अभियान शुरू किया। कई जगहों पर चेकनाका लगाया गया। इसी बीच मांडू थाना प्रभारी सदानंद एनएच 33 पर खड़े हो कर जांच कर रहे थे, तभी उन्हें JH01FU6874 गाड़ी आती दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने गाड़ी को रोकने का इशारा किया। लेकिन वे भाग निकले। इसके बाद थाना प्रभारी ने उनका पीछा किया। इसी बीच चार की संख्या में गाड़ी में बैठे अपराधियों ने लेन बदल ली। इसी दौरान थाना प्रभारी की गाड़ी के साथ टक्कर हो गई। थाना प्रभारी ने अपनी बंदूक निकाली और तान दी। इस पर अपराधी नहीं रूके। वे फिर भाग निकले। पुलिस की दबिश बढ़ती देख। कुजू के श्रीराम चौक के पास से रिहायशी इलाके में घुस गए। वहीं बच्ची को छोड़ भाग निकले।

पुलिस की रडार पर गाड़ी और अपराधी

रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि अपराधी बच्ची को दूसरे राज्य ले जाने की तैयारी में थे। वहीं उन्होंने कहा कि जिस सफेद वैन से छात्रा का अपहरण किया गया, उसका नंबर JH01FU6874 है। पुलिस इस वाहन को खोजने के लिए लगी हुई है। अभियान में रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, रामगढ़ एसपी अजय कुमार, हटिया डीएसपी पीके मिश्रा, रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी, चुटिया थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार, कुज्जू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, अवर निरीक्षक अख्तर अली, आशीष गौतम समेत रामगढ़ पुलिस के जवान शामिल थे.

राहुल बोले-मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो ट्रम्प सच्चाई बता देगा: ट्रेड डील पर इनको और दबाएगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा, 'अगर पीएम मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खुल के बोलेगा। उनकी सारी सच्चाई बता देगा।' राहुल ने कहा, 'ट्रम्प सीजफायर पर लगातार इसलिए बयान दे रहा है, क्योंकि वो अपनी ट्रेड डील चाहता है। ट्रम्प ट्रेड डील को लेकर इनको (भारत) दबाएगा। आप देखना कैसी ट्रेड डील बनी है।' इससे पहले, पीएम मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा था कि दुनिया के किसी देश और नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा था। पाकिस्तान के डीजीएमओ की गुहार लगाने के बाद सीजफायर हुआ। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब तक 26 बार कह चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया। इसपर राहुल ने लोकसभा में कहा था, 'अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान बिहार का ज़िक कर पीएम मोदी ने सेट कर दिया एजेंडा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद में बहस के दौरान बिहार का जिक्र होने और प्रधानमंत्री मोदी के 24 अप्रैल के भाषण के चर्चा के केंद्र में रहने के पीछे कई कारण हैं, जो मुख्यता बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से जुड़े हैं। दरअसल संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान बिहार का नाम बार-बार इसलिए आया क्योंकि कि बिहार 2025 के विधानसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। यह राज्य एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ 243 सीटों पर कड़ी टक्कर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने 24 अप्रैल को मधुबनी में अपने संबोधन में बिहार की सांस्कृतिक पहचान सिंदूर (जो सुहाग और शौर्य का प्रतीक है) को पहलगाम हमले के जवाब में सेना की कार्रवाई से जोड़ा। यह भावनात्मक जुड़ाव बिहार के लोगों के दिलों को छू गया। सांसदों ने इसी संदर्भ को अपनी बातों में शामिल किया, जिससे बिहार बहस का अहम हिस्सा बन गया। 24 अप्रैल को मधुबनी में पीएम मोदी का भाषण संसद में चर्चा का केंद्र बन गया। भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी के बयान को मजबूत भारत के संकल्प का उदाहरण बताया, जबकि विपक्ष ने बयान को चुनावी फायदे के लिए एक सियासी स्टंट करार दिया। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर कड़ा रुख दिखाकर कहा था कि पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। यह बयान मोदी सरकार की आतंकवाद विरोधी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसे संसद में विभिन्न दलों के सांसदों ने अपनी-अपनी राय के साथ उठाया।

रांची में राष्ट्रपति के दौरे को लेकर नो फ्लाइंग जोन घोषित

रांची: भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया के प्रस्तावित रांची दौरे को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है. इसी क्रम में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक और राजभवन तक के 200 मीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है. यह आदेश ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी उड़ने वाली सभी गतिविधियों पर लागू होगा. यानी इस क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति या

संस्था इनका इस्तेमाल नहीं कर सकेगी. अनुमंडल दंडाधिकारी (सदर), रांची ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है. यह व्यवस्था 31 जुलाई की सुबह 6 बजे से शुरू होकर 1 अगस्त की रात 10 बजे तक लागू रहेगी. काफिला गुजरने से ठीक 5 मिनट पहले बाइलेन को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा और काफिले के गुजरने के बाद वरीय अधिकारियों के आदेश पर ही इन्हें खोला जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि 31 जुलाई को शाम 4 से 7 बजे और 1 अगस्त को सुबह 7 से 10 बजे के बीच इस मार्ग का उपयोग कम से कम करें। इस संबंध में आदेश ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने जारी किया है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को भी ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट किया है। जिनकी फ्लाइट शाम 5 से 6:30 बजे के बीच है, उन्हें किसी भी हाल में 4:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंचने को कहा गया है। वहीं, 1 अगस्त को सुबह 8 से 10 बजे के बीच की फ्लाइट पकड़ने वालों को सुबह 7:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंचने की सलाह दी गई है।

झारखंड के 360 हाई स्कूलों को प्लस टू में बदलेगी सरकार

रांची: झारखंड सरकार राज्य में इंटरमीडिएट शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है. इसके तहत राज्य के 360 हाई स्कूलों को प्लस टू (इंटरमीडिएट) स्कूल में अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है. इस उद्देश्य से झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार से 3600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है. इस संबंध में झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को औपचारिक प्रस्ताव सौंपा है. प्रस्ताव के मुताबिक, हर जिले में 15 हाई स्कूलों को प्लस टू में बदला जाएगा. प्रत्येक स्कूल के अपग्रेडेशन पर औसतन 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, शौचालय और अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया जाएगा.

इंटर की पढ़ाई ठप, छात्रों को हो रही परेशानी

शिक्षा मंत्री ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद झारखंड के अधिकांश डिग्री कॉलेजों और अंगीभूत कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद कर दी गई है. इसका सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ा है. हर वर्ष झारखंड में लगभग पांच लाख छात्र मैट्रिक पास करते हैं, ऐसे में इंटरमीडिएट शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए प्लस टू स्कूलों की आवश्यकता महसूस की जा रही है.

अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के लिए भी मांगी गई सहायता

राज्य में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कुल 4440 करोड़ रुपये की सहायता केंद्र सरकार से मांगी गई है. इसमें आईसीटी लैब के लिए 160 स्कूलों में लैब स्थापित करने हेतु 10.24 करोड़ रुपये, 7488 मध्य विद्यालयों के लिए 479.23 करोड़ रुपये

स्मार्ट क्लास के लिए: 584 हाई और प्लस टू स्कूलों में 14 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट क्लास

व्यावसायिक शिक्षा (स्किल एजुकेशन): 1794 स्कूलों में कौशल आधारित शिक्षा प्रारंभ करने हेतु 336.37 करोड़ रुपये

अन्य बुनियादी सुविधाएं: विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शौचालय आदि के निर्माण हेतु प्रति स्कूल 30.97 लाख रुपये की दर से सहायता का अनुरोध

राज्य सरकार की शिक्षा में सुधार की प्रतिबद्धता

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि यह पहल राज्य के स्कूली शिक्षा ढांचे को व्यापक और समावेशी बनाने की दिशा में एक बड़ा और ठोस कदम होगा. इससे राज्य के हजारों छात्रों को उच्च माध्यमिक शिक्षा तक आसान पहुंच मिल सकेगी.

रूस में भूकंप से तबाही :हिलते ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर सर्जरी करते रहे; जापान के तट पर कई व्हेल बहकर आईं

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप, 8.8 तीव्रता:5 मीटर ऊंची सुनामी उठीं

टोक्यो: रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4:54 बजे आया। रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के NHK टेलीविजन के

मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें पहुंची हैं। जापान ने राजधानी टोक्यो में 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के बाद कामचटका के तटीय इलाकों में करीब 5 मीटर ऊंची सुनामी लहरें उठीं। इस भूकंप से कई इमारतों और घरों को नुकसान पहुंचा है। एक किंडरगार्टन स्कूल भी क्षतिग्रस्त हुआ है। कुछ घरों की छतें गिर गईं, जिसके चलते लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, कामचटका के एक अस्पताल में डॉक्टरों ने भूकंप के दौरान भी सर्जरी नहीं रोकी। भूकंप के बाद स्थिति को देखते हुए जापान, अमेरिका, चीन समेत 12 देशों (कनाडा, इक्वाडोर, पेरू, मेक्सिको, न्यूजीलैंड और प्रशांत द्वीप समूह, चीन, फिलीपींस, ताइवान, इंडोनेशिया) के कई तटीय इलाकों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

बिहार चुनाव 2025: महागठबंधन में सीट बंटवारे पर संग्राम, वीआईपी से लेकर वाम दलों तक ने ठोकी अपनी-अपनी दावेदारी

बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं और विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) के भीतर सीट बंटवारे को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है. हालांकि, सहयोगी दलों की बढ़ती राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और सीमित संसाधनों के बीच तालमेल बिठाना गठबंधन नेतृत्व के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है.

सभी दलों ने साझा कर दी है सूची

राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में अब तक महागठबंधन की पांच अहम बैठकें हो चुकी हैं, जिनमें सीटों के बंटवारे को लेकर प्राथमिक चर्चा हुई है. गठबंधन की समन्वय समिति के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने हालिया बैठक के बाद कहा कि सभी दलों ने उन सीटों की सूची साझा कर दी है, जिन पर वे चुनाव लड़ना चाहते हैं. उन्होंने भरोसा जताया कि यह मसला आपसी सहमति से जल्द सुलझा लिया जाएगा. हालांकि, अंदरखाने से जो खबरें आ रही हैं, वे किसी सहज समाधान की ओर इशारा नहीं कर रहीं.

मुकेश सहनी ने 60 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. उन्होंने लिखा, "विकासशील इंसान पार्टी 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. शेष सीटों पर हमारे गठबंधन सहयोगी चुनाव लड़ेंगे." सहनी ने उपमुख्यमंत्री पद की भी मांग ठोंक दी है. उन्होंने कहा कि एक मल्लाह का बेटा डिप्टी सीएम बने, यह पूरे समाज के लिए सम्मान की बात होगी. हालांकि, वीआईपी के पास इस समय बिहार विधानसभा में एक भी विधायक नहीं है, क्योंकि उनके चारों विधायक पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सहनी की यह मांग न केवल महागठबंधन के भीतर असंतुलन पैदा कर सकती है, बल्कि अन्य छोटे दलों को भी अतिरिक्त सीटों की मांग के लिए प्रोत्साहित कर सकती है.

राजद की सबसे मजबूत स्थिति, पुराने आंकड़े बनाएंगे दबाव

महागठबंधन में सबसे बड़ी साझेदार राजद की स्थिति अन्य दलों की तुलना में सबसे मजबूत है. 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 144 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 75 सीटों पर जीत दर्ज की थी. इस बार भी राजद इसी संख्या को बरकरार रखने या उससे ज्यादा सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी में है.

संक्षिप्त खबरें...

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति की उपायुक्त ने किया समीक्षा

हज़ारीबाग। कार्यालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न स्वच्छता योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संबंधित योजनाओं की अद्यतन प्रगति, जलापूर्ति की स्थिति एवं पेयजल समस्या के निराकरण से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेयजल आपूर्ति योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन एवं लंबित कार्यों के त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करते हुए पेयजल परियोजनाओं की बाधारहित आपूर्ति सुनिश्चित करें।बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर जलापूर्ति योजनाओं में आ रही समस्याओं की भौतिक जांच कर त्वरित समाधान करने तथा एफएचटीसी कवरेज एवं आरएस मैपिंग के भौतिक सत्यापन के माध्यम से लक्ष्यों की शीघ्र पूर्ति करने का निर्देश दिया। घर-घर जल योजना, सिंगल विलेज एवं मल्टी विलेज स्कीम की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त इस्तियाक अहमद, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

बुढ़वा महादेव में अंतिम सोमवारी को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आज

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।झारखंड में प्रसिद्ध महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में अंतिम सोमवारी में विधि व्यवस्था को लेकर शांति समिति की अहम बैठक बुलाई गई है। बैठक को लेकर बड़का गांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध जनों से गुरुवार शाम 3:00 थाना परिसर में होने वाली शांति समिति के बैठक में शामिल होने का अपील की है । ताकि शांतिपूर्वक लोग बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना कर सके।

ओरमांझी में यूनिसेफ और विक्रमशिला के सहयोग से एफएलएन बाल मेला का आयोजन, बच्चों में दिखा उत्साह

ओरमांझी(मोहसीन): उत्क्रमित मध्य विद्यालय खिराबेड़ा, ओरमांझी में यूनिसेफ एवं विक्रमशिला के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एफएलएन बाल मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में हिंदी और गणित विषयों पर आधारित टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) के माध्यम से बच्चों को रोचक गतिविधियों में शामिल किया गया। मौके पर कुल 12 स्टॉल लगाए गए थे, जहां शिक्षक, विक्रमशिला की टीम तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। चुटूपालू पंचायत के अंतर्गत खिरबेड़ा विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने इस मेले में हिस्सा लिया। बच्चों के साथ उनके अभिभावक और शिक्षक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।बाल मेला का संचालन विक्रमशिला टीम की रितु कुमारी, सुशीला और सुमित्रा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न शैक्षणिक खेलों और गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को प्रोत्साहित करना था। अभिभावकों और शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

डीसी ने की पर्यटन व डीएमएफटी के विकास कार्यों की समीक्षा

रामगढ़: रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने बुधवार को जिले में पर्यटन विकास व डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की. उन्होंने डीएमएफटी के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. सभी एजेंसियों को योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही सभी सहायक अभियंताओं को योजनाओं का समय-समय पर निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया. जिले में चल रहे पर्यटन विकास की समीक्षा के क्रम में डीसी ने पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली और उन्हें जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने अधिकारियों को जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग स्थलों पर ट्रेकिंग साइट व इको टूरिज्म साइट चिह्नित करने को कहा.

कीचड़मय सड़क स्कूल जाने वाली बच्चों के लिए बनी मुसीबत

सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि कीचड़ में फिसलकर गिर जाते है बच्चे

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजकीय कन्या प्लस टू उच्च विद्यालय बेलकप्पी में विद्यार्थियों के लिए बारिश के दिनों में विद्यालय पहुंचना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। विद्यालय में करीब 1600 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। जिन्हें स्कूल पहुंचने के लिए लगभग 50 मीटर लंबे कीचड़ भरे और जलजमाव वाले रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है।सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि अक्सर लोग कीचड़ में फिसलकर गिर जाते हैं। जिससे उनके स्कूल यूनिफार्म गंदी हो जाती है और कई बार वे विद्यालय भी नहीं पहुँच पाते है। लगातार बारिश होने से इस समस्या को और भी गंभीर बना देती है। प्रधानाध्यापक संजय कुमार दास ने बताया कि पहले यह मार्ग और भी बदतर स्थिति में था। ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंधन के सहयोग से अस्थायी रूप से मिट्टी और मोरम डालकर सुधार की कोशिश की गई वह भी नहीं टिक सका और रास्ता फिर से कीचड़ युक्त हो गया।इस संबंध में पंचायत की मुखिया ललिता देवी ने कहा कि पंचायत के पास पर्याप्त फंड नहीं है जिस कारण विकास कार्य बाधित है। सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों से 15वें वित्त आयोग मद की राशि नहीं दी गई है।विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय अभिभावकों ने संबंधित विभाग से इस मार्ग की स्थायी मरम्मत कराने की मांग किया है. जिससे छात्र-छात्राएं सुरक्षित तरीके से विद्यालय पहुंच सकें और उनकी पढ़ाई बाधित न हों।

हज़ारीबाग को जल्द मिल सकती है दो सड़कों के निर्माण की बड़ी सौगात

सांसद मनीष जायसवाल के पहल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिया सकारात्मक आश्वासन

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र के लिए दो अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। इन प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तत्काल सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन दो प्रमुख परियोजनाओं में हजारीबाग रिंग रोड (लगभग 20 किमी) शामिल है। इस पथ के संबंध में सांसद मनीष जायसवाल ने चतरा रोड से नगवां फ्लाईओवर और सिलवार एनएच-522 तक रिंग रोड के निर्माण का अनुरोध मंत्री नितिन गडकरी से किया, जिसकी अनुमानित लागत 450 करोड़ है। उन्होंने बताया कि इस रिंग रोड के बन जाने से शहर के भीतर यातायात जाम, प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से चतरा की ओर से आने वाले भारी वाहन, जिनमें कोयला ढुलाई करने वाले ट्रक भी शामिल हैं, शहर में प्रवेश किए बिना ही सीधे डायवर्ट हो सकेंगे। इससे शहर की आंतरिक सड़कों पर दबाव कम होगा और नागरिकों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगी।वहीं दूसरी परियोजना के बाबत सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि सुल्ताना-सिमरिया-चतरा मार्ग का चौड़ीकरण बेहद जरूरी है। यह मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके चौड़ीकरण होने से क्षेत्रीय आवागमन में अभूतपूर्व सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद मनीष जायसवाल के दोनों ही प्रस्तावों पर अपनी सकारात्मक सहमति व्यक्त की और तुरंत संबंधित अधिकारियों को इन परियोजनाओं पर काम शुरू करने के निर्देश दिए।

संसद में गूंजा सहारा इंडिया निवेशकों और अभिकर्ताओं का दर्द, सांसद मनीष जायसवाल ने उठाई आवाज

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और देश और अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। अब तक उन्होंने 14 प्रश्न संसद पटल पर रखे हैं। बुधवार को उन्होंने देश के एक गंभीर व ज्वलंत मुद्दे सहारा इंडिया के करोड़ों निवेशकों की लंबित भुगतान का मुद्दा प्रखरता से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सहारा इंडिया के पैसे जब्त करने की सकारात्मक पहल का स्वागत करते हुए सरकार से आग्रह किया कि लंबित राशि के निपटान प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि निवेशकों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।सांसद मनीष जायसवाल ने सदन पटल से सहारा इंडिया के निवेशकों और उनके अभिकर्ताओं के दर्द को बयां किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों निवेशक जिनमें गरीब, मजदूर और किसान वर्ग के लोग शामिल हैं, जिन्होंने अपनी छोटी-छोटी बचत सहारा इंडिया में निवेश की थी। उनका उद्देश्य था कि जरूरत पड़ने पर वे इस बचत का उपयोग कर सकें, चाहे वह बच्चों की शिक्षा हो, शादी-ब्याह हो या घर बनाने का सपना हो उसे साकार कर सकें ।

उन्होंने बताया कि करोड़ों निवेशकों के साथ लाखों अभिकर्ता भी हैं, जो अब भी लोगों को यह दिलासा दे रहे हैं कि वे उनका पैसा वापस दिलवाएंगे, जबकि लोग उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने सरकार से इस मामले में शीघ्र और प्रभावी कदम उठाते हुए लंबित राशि की भुगतान ने तेजी लाने का आग्रह किया।

नर्सों की लापरवाही से गर्भ में ही बच्चे की मौत, महिला की भी स्थिति गंभीर

परिजनों ने उपयुक्त व सिविलसर्जन को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत नर्सों की लापरवाही का एक और मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि नर्सों की लापरवाही से गर्भ में ही बच्चे की मौत हो गयी। वहीं महिला की भी स्थिति गंभीर बनी हुयी है। इस संबंध में महिला के परिजनों ने पलामू उपयुक्त समीरा एस व सिविलसर्जन अनिल श्रीवास्तव को आवेदन देकर दोषी नर्सों पर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार विश्रामपुर के नावाडीह कला निवासी रंजीत विश्वकर्मा की पत्नी माया देवी को प्रसव पीड़ा के बाद 25 जुलाई की शाम सात बजे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जांचोपरांत नर्सों ने माया देवी के परिजनों को आश्वस्त किया कि सब कुछ ठीक है,दो घंटे में सामान्य प्रसव हो जायेगा। माया देवी के ससुर श्याम बिहारी विश्वकर्मा का आरोप है कि प्रसव जल्द कराने के चक्कर में नर्से माया के पेट पर चढ़ गयी। दर्द से चीखने चिल्लाने पर उसे कई थप्पड़ भी मारा गया। उसकी चीखों पुकार सुनकर पीड़िता के साथ गयी महिलाएं प्रसव वार्ड में पहुंची और नर्सों की प्रताड़ना अपनी आंखों से देखी। बाहर निकलकर हम लोगों को इसकी जानकारी दी। तब तक माया देवी बेहोश हो गयी थी। आनन फानन में उसे एक निजी क्लिनिक में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांचोपरांत बताया कि नर्सों की लापरवाही से बच्चा गर्भ में ही मर गया है। जिसके बाद ऑपरेशन कर मृत बच्चे को बाहर निकाला गया। वहीं माया देवी की स्थित अभी भी गंभीर बनी हुयी है। श्याम बिहारी विश्वकर्मा ने यह भी बताया कि डॉक्टरों के अनुसार उनकी बहु का गर्भाशय भी फट गया है। उन्होंने बुधवार को पलामू उपयुक्त समीरा एस व सिविलसर्जन अनिल श्रीवास्तव को लिखित आवेदन देकर दोषी नर्सों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जांचोपरांत दोषियों पर होगी कार्रवाई : चिकित्सा प्रभारी

विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने कहा कि पीड़ित महिला के परिजनों द्वारा नर्सों पर गंभीर आरोप लगाया गया है। इसकी गहनता से जांच होगी। जांच में आरोप सही पाया गया तो नर्सों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पाँचवीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक प्रदीप प्रसाद

हज़ारीबाग। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ मेरु, हजारीबाग में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पाँचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसमें विधायक समेत विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं अतिथियों ने सम्मिलित होकर मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और राष्ट्रसेवा की भावना का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में जीवंतता भर दी। बच्चों ने गीत, नृत्य के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शिक्षा की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा सौर ऊर्जा आधारित नवाचारों पर केंद्रित विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक मॉडल को ध्यानपूर्वक देखा, बच्चों से संवाद किया और उनके वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता की खुले दिल से सराहना की। इस अवसर पर विधायक ने विद्यालय परिसर में पी एम श्री योजना के अंतर्गत बनाए गए शिलापाट का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को सशक्त, समावेशी और नवोन्मुखी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। अपने संबोधन में विधायक प्रदीप प्रसाद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत की शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। विधायक ने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी और विद्यार्थियों को अपने उज्जवल भविष्य की दिशा में प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

देवघर सड़क दुर्घटना में मृत कांवरियों को पांच पांच लाख मुआवजा राशि दे सरकार - अशोक साहू

बड़कागांव-(हज़ारीबाग)। बड़कागांव देवघर बासुकिनाथ मंदिर मार्ग में कावड़ यात्रा के दौरान दर्दनाक सड़क हादसा हुई जो अत्यंत दुखद और विभक्ति दुर्घटना है । इस दुर्घटना में कांवरियों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें 20 से अधिक कांवरियों की मौत हो गई मृतक परिवार को 5 - 5 लाख रुपए एवं घायलों को दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करें उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी बड़कागांव पूर्वी के मंडल उपाध्यक्ष अशोक साहू ने मांग की है । उन्होंने दिवंगत श्रद्धालुओं के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि मृत श्रद्धालुओं के परिवारों को इस दुख की घड़ी में ईश्वर उन्हें पीड़ा सहने की शक्ति दे। दुख व्यक्त करने वालों में मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो , महामंत्री सुमन गिरी ,दिनेश करमाली ,उपाध्यक्ष अशोक साहू , किशोर राणा, कृष्णा गुप्ता, विनोद महतो, बेचन साव ,नागेश्वर महतो, अशोक महतो एवं अन्य लोग शामिल हैं।

जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने किया बैठक, अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय सभागार भवन में जिला भू अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार की अध्यक्षता एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल की संचालन में विकास योजनाओं से संबंधित सभी पदाधिकारी के साथ अहम बैठक की। जिसमें भू अर्जन पदाधिकारी ने सभी विभाग के लोगों से एक-एक कर पूछताछ की गई एवं अधूरे पड़े कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा गया है। वरीय पदाधिकारी ने सभी कर्मियों से कहा कि आप अपने पंचायत सचिवालय में कार्य कार्य करें ताकि स्थानीय आम ग्रामीणों को सहूलियत हो तथा बायोमेट्रिक से पंचायत सचिवालय में ही अपना उपस्थिति दर्ज कराएँ ।परंतु मंगलवार और शुक्रवार को बड़कागांव प्रखंड कार्यालय में रहना नितांत जरूरी है। बिरहोर से संबंधित सभी मुद्दों पर गंभीरता से लोगों को काम करना है। बिरहोर टोला बराबर शिविर लगाकर उनकी जरूरत को पूरा करना है।बिरहोरों की आधार कार्ड बनाने के लिए विशेष दिन रखें और उनका कार्य करें। प्रखंड के सिमरजरा स्कूल में बिजली पहुंचाने के लिए कार्य हो रहा है। वही पंदनवांताड़ स्कूल में बिजली नहीं रहने की समस्या को चर्चा हुई। वही प्रधानमंत्री आवास निर्माण को लेकर भू अर्जन पदाधिकारी ने कहा कि इस पर ध्यान दें कि गरीब से गरीब लोगों को आवास से जोड़ना है, भूल कर भी पैसा लेकर अमिर को आवास नहीं देना है। आय जाति आवासीय प्रमाण पत्र को कर्मचारियों विशेष महत्व दें , ग्रामीण को प्रमाण पत्र बनाने का कार्य करें।बैठक में मनरेगा,आवास,कृषि ,शिक्षा, व अन्य विभागों का रिव्यू किया गया।मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से निशिकांत उपाध्याय, आशीष कुमार ,पंकज कुमार, बीपीओ प्रहलाद गुप्ता ,विकास कुमार ,भास्कर राज ,अंचल निरीक्षक, हीरो महतो ,अरुण पासवान, के अलावा सभी पंचायत के पंचायत सेवक रोजगार सेवक व अन्य उपस्थित थे।

कांवरियों को पुरस्कार देकर किया जाएगा सम्मानित, पुरस्कार वितरण समिति के अध्यक्ष बने जयशंकर मेहता

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव बुढ़वा महादेव शांति सह विकास समिति कर्णपुरा क्षेत्र बड़कागांव के तत्वाधान में पुरस्कार वितरण समिति का गठन किया गया और कहा गया कि कर्णपुरा बड़कागांव प्रखंड के सभी शिव भक्त रजरप्पा से जल उठाकर पैदल यात्रा कर झांकी के साथ बुढ़वा महादेव में जलाभिषेक करते हैं। अच्छा प्रदर्शन करने वाले कांवरिया संघ को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।4 अगस्त को झांकियों मूल्यांकन बाजार टांड़ थाना गेट के सामने किया जाएगा।वहीं 4 अगस्त को ही पुरस्कार वितरण मां अंबे दुर्गा पूजा समिति बड़कागांव गुरु चट्टी के समक्ष किया जाएगा।जानकारी देते हुए संरक्षक दामोदर प्रसाद मेहता ने बताया कि प्रथम पुरस्कार 11000 रूपए एवं शील्ड , द्वितीय पुरस्कार 5100 रूपए एंव शील्ड , तीसरा पुरस्कार 2500 रूपए एंव शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा।आगे उन्होंने बताया कि पुरस्कार वितरण को लेकर कमेटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष जयशंकर मेहता , सचिव अरुण रंजन प्रसाद, कोषाध्यक्ष ज्ञानी कुमार,उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो,उपसचिव अनिल प्रसाद दांगी,उपकोषाध्यक्ष संजय कुमार, पुरस्कार वितरण प्रभारी डॉ. धनेश्वर प्रसाद,संयोजक दर्शन प्रसाद कुशवाहा एवं संरक्षक दामोदर प्रसाद मेहता,झमन प्रसाद ,धीरेंद्र प्रसाद , संदीप कुशवाह,शशि मेहता,जय हिंद महतो, रामधनी महत्व,रंजीत कुमार मुखिया संघ अध्यक्ष , रामनवमी महासमिति अध्यक्ष विवेक सोनी ,दिनेश प्रसाद , संतोष कुमार ,सहेश कुमार , सुभाष सिंह ,सरोज कुमार , सुबोध जयसवाल,बिगल किशोर महतो ,बंधु महतो ,अरविंद कुमार ,टुकेश्वर कुमार,शशि कुमार बागे, हुलास प्रसाद दांगी बनाए गए।

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु "एमडीए- आई डी ए" अभियान 2025" को लेकर उपायुक्त ने किया बैठक

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से MDA-IDA अभियान 2025 की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक प्रस्तावित अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर संक्रामक रोग है, जिसकी रोकथाम एवं उन्मूलन हेतु जन-जन को दवा सेवन कराना अनिवार्य है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को तत्काल प्रभाव से अभियान की तैयारी प्रारंभ करने के निर्देश दिए तथा जनजागरूकता, प्रचार-प्रसार एवं सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया।अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र, वार्ड कार्यालय, स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थानों, निजी एवं सरकारी विभागों में MDA-IDA की दवाएं निःशुल्क खिलाई जाएंगी। छूट हुए लाभार्थियों को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर दवाएं उपलब्ध कराएंगे।बैठक में सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कलहाबाद में ड्रीम बुस्टर फाउंडेशन के पूर्व बैच का हुआ शुभारंभ

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कलहाबाद में ड्रीम बुस्टर फाउंडेशन के पूर्व बैच का शुभारंभ हुआ। फाउंडेशन के संस्थापक केदार प्रसाद, शिक्षक सुरेश प्रसाद की उपस्थिति में इसकी शुरुआत की गई।जिसमें बच्चों को अक्टूबर माह तक पढ़ाया जाएगा।स्टेज टू के अंतिम जांच परीक्षा में फाइनल सेलेक्शन के बाद रेगुलर क्लास चलेगा।फाइनल में चयन बच्चों को नवोदय, नेतरहाट, इंदिरा गांधी, सैनिक स्कूल, मॉडल विद्यालय, सीएम एक्सलेंस विद्यालय आदि जैसे आवासीय विद्यालय में नामांकन हेतु निःशुल्क ड्रीम बुस्टर फाउंडेशन कलहाबाद में तैयारी करवाया जाता है। इस मौके पर मैनेजमेंट हेड संजय प्रसाद, सहयोगी बीएल प्रसाद, मनु भाई, प्रभात कुमार, रविकांत प्रसाद, शशि भूषण प्रसाद उपस्थित थे।

जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू

आवेदन आमंत्रण (आम सूचना)

विभागीय राज्यादेश सं0 10 रा0(वि0)/दिनांक 04/07/2025 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत निम्नलिखित योजनाओं हेतु लाभुकों से आवेदन पत्र आमंत्रित की जाती है। जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0	योजना इकाई का नाम	भौतिक लक्ष्य	योजना इकाई हेतु अनुदान की राशि	लाभुक अंशदान	अभ्युक्ति
1	जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य हेतु सामान्य नाव (सं0 में)	14	30000 (प्रति नाव)	3000 प्रति नाव)	
2	वर्ष 2019–20 के पूर्व तक निर्मित केज के लिए ग्रो आउट नेट (सं0 में)	07	30200 (प्रति पीस)	7550 (प्रति पीस)	
3	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/सदस्यों के लिए मोटरचलित नाव (सं0 में)	02	372600 (प्रति पीस)	41400 (प्रति पीस)	
4	ब्लू रिभोल्यूशन/एन0एफ0डी0बी0/PMMSY के केज लाभुकों के लिए केज हाउस अधिष्ठापन (सं0 में)	01	540409 (प्रति केज हाउस)	60100 (प्रति केज हाउस)	
5	केज रिपेयरिंग (सं0 में)	10	25000 (प्रति केज)	10000 (प्रति केज)	
6	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/सदस्यों के लिए गिल नेट (सं0 में)	20	2655 (प्रति 5कि0ग्रा0)	295 (प्रति 5कि0ग्रा0)	
7	नये रिवराईन फिश फार्मिंग /ओपन एरिया फार्मिंग	08 इकाई	86,000.00		नये आर0एफ0एफ0 के लिए प्रति 40 X 05 मी0 के नेट के साथ इनपुट व्यय सहित इकाई लागत मो0 86,000.00 रू0 है।
8	तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु मत्स्य अंगुलिका के क्रय में सहायता	130 एकड़	अधिकतम 1875/– रू0 प्रति एकड़ औसत जलक्षेत्र		स्थानीय स्तर पर उत्पादित मत्स्य अंगुलिका के क्रय में 50 प्रतिशत सहायता अर्थात् अधिकतम 1875/– रू0 प्रति एकड़ औसत जलक्षेत्र (लगभग 5000 बीज प्रति एकड़) हेतु अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त एवं चालू वित्तीय वर्ष में झास्कोफिश/विभागीय फिश फीड मिल से फीड प्राप्त करने वाले मत्स्य कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी। विभाग द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य बीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा।

नोट :– संबंधित योजनाओं में लाभुक को अनुदान की राशि संबंधित बैंक में **Escrow Account** में **DBT** के माध्यम से हस्तांतरित की जायेगी तथा लाभुक अंशदान की राशि एक माह के अन्दर उक्त खाते में जमा करना अनिवार्य होगा। लाभुक अंशदान राशि जमा करने के उपरान्त ही योजना का लाभ दिया जायेगा। तत्पश्चात संपूर्ण राशि एजेंसी/आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में एक मुश्त हस्तांतरित की जायेगी।

उपरोक्त योजनान्तर्गत कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20/08/2025 है। इससे संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्य दिवस में जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

(मो0 कमरूज्जमाँ) जिला मत्स्य कार्यालय–सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,पलामू

PR 358561 (Fish)25-26*D

संक्षिप्त खबरें

लघु उद्योग भारती की नई यूनिट का गठन

संवाददाता रांची: लघु उद्योग भारती, झारखण्ड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने हजारीबाग में नई यूनिट का गठन किया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के उद्योग जगत की समस्याओं को एक सशक्त और उपयुक्त मंच प्रदान करना है। यूनिट के गठन अवसर पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ और प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल ने उपस्थित उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नई यूनिट हजारीबाग के लघु उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इकाई के गठन के मौके पर 9 एमएसएमई इकाई के उद्यमियों ने लघु उद्योग भारती की सदस्यता प्राप्त की। उक्त जानकारी देते हुए संगठन के प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि हजारीबाग में लघु उद्योग भारती की यह 11वीं इकाई है। इससे हमारे संगठन को मजबूती मिलने के साथ ही क्षेत्र में एमएसएमई को भी अपनी बातों को रखने के लिए उपयुक्त मंच मिला है। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ और प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल, सह सचिव प्रकाश हेतमसरिया, अजय दधीच, नीतू सिंह, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेय, रामगढ से प्रवीण झा, विनीश कुमार, रुपेश अग्रवाल, राजेश जैन, अभय जैन, त्रिलोक मुनका, अभय झा, आयुष झा, सुनील अग्रवाल, सुधीर कुमार, अभिरुप सिन्हा, विकास सिंह, श्रवण बरनवाल, विजय मेहता समेत हजारीबाग जिले के कई गणमान्य उद्यमी उपस्थित थे।

झारखंड के नवनिर्माण के संघर्ष को तेज करेगी आजसू : केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण

संवाददाता रांची: आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में युवा आजसू का मिलन समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने सभी नए सदस्यों को माला और पट्टा पहनाकर आजसू की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर युवा आजसू के प्रदेश संयोजक चेतन प्रकाश उपस्थित रहे। संचालन देवाशीष चट्टोराज ने किया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों आदिवासी युवाओं ने युवा आजसू की सदस्यता ग्रहण की। प्रभाकर ने युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि जब भी युवा मचलता है, तो इतिहास बदलता है। आजसू पार्टी ने झारखंड के नवनिर्माण का संघर्ष शुरू किया है, उसमें युवाओं की भागीदारी इसे जनआंदोलन का रूप दे रही है। झारखंड के नवनिर्माण के संघर्ष को तेज किया जाएगा। मिलन समारोह में सुमित कुमार एवं बसंत तिर्की के नेतृत्व में बबलू मुंडा, निखिल मुंडा, सुरेश मुंडा, अनुराग, अभिषेक कुमार, बजरंग गंजू, सनी नायक, छोटू दामू, राज सिंह गंजू, सीजक लकड़ा, सचिन सिंह सहित दर्जनों युवाओं ने आजसू की विचारधारा में आस्था जताते हुए संगठन की सदस्यता ली।

मॉब लिंचिग घटना लगातार जिम्मेदार कौनः रंजन

संवाददाता रांची: झारखंड प्रदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश ने मुसलमानों के साथ में लगातार मॉब लिंचिग की घटना हो रही और विशेष तौर पर निशाना बनाया जा रहा है जो सरकार की लचर शासन व्यवस्था का यह परिचय हैं सवाल अहम है कि आए दिन पूरे प्रदेश मे कोई ना कोई जिला से मॉबलिंचिग घटना की ख़बरें सामने आती हैं और किसी तरह का आरोप लगाते हुए हत्या कर दी जा रही है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से विफल नजर आ रही हैं और इस तरह की घटना एक समुदाय को निशाने पर लेना भाजपा के साजिश के साथ साथ हेमंत सरकार की भी नाकामी है। समाजवादी पार्टी इस तरह की घटना को लेकर पहले भी माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप चुकी है और साथ ही मृतक परिवार के साथ पार्टी गहरी संवेदना रखती हैं और मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को विशेष तौर से जानकारी देते हुए पार्टी अपराधियों के विरोध कड़ी कार्रवाई करने की मांग करती हैं।

राष्ट्रीय एकता ने स्वतंत्रता आंदोलन में रंग भराः मुफ़्ती अब्दुल्ला अज़हर कासमी

संवाददाता रांची: राष्ट्रीय एकता ने स्वतंत्रता आंदोलन में रंग भरा। इस सभ्यता की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है। भारतीय उलेमा और मुसलमानों ने देश की आज़ादी के लिए एक लंबी लड़ाई लड़ी है। उपरोक्त बातें मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष हज़रत मौलाना मुफ़्ती अब्दुल्ला अज़हर कासमी ने कहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में नई पीढ़ियों को यह जानकारी देना ज़रूरी है। 1757 में सिराजुद्दौला ने बंगाल की धरती पर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। दूसरे युद्ध में मीर जाफ़र के विश्वासघात के कारण वे शहीद हो गए। 1799 में टीपू सुल्तान शेर मैसूर ने अंग्रेजों के खिलाफ चार युद्ध लड़े। लेकिन मीर सादिक के विश्वासघात के कारण वे 1799 में शहीद हो गए। 1803 में जब अंग्रेजों ने यह फैसला किया कि खल्क खुदा का, देश राजा का है और निर्णय कंपनी का है। इस फैसले के खिलाफ हजरत मौलाना शाह अब्दुल अजीज मुहद्दिस देहलवी ने फतवा जारी किया कि मुसलमानों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद अनिवार्य हो गया।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर त्राहिमाम महाधरना 31 को

संवाददाता रांची/ नई दिल्ली: झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर त्राहिमाम महाधरना का आयोजन किया गया है. महाधरना कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गयी है. वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु भी आज नई दिल्ली पहुँच गए हैं. उनके साथ केंद्रीय महासचिव आदित्य नारायण प्रसाद भी आये हैं. इसके पूर्व आज ही करीब साठ केंद्रीय पदाधिकारी और सदस्य दिल्ली आये हुए हैं. आज दिल्ली आने के बाद केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु जंतर-मंतर पर गए और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. तत्पश्चात अपने पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना. महाधरना कल सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी, फिर महामहिम राष्ट्रपति महोदया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ज्ञापन सौंपा जायेगा.

मदरसा हुसैनिया कडरू में लगा निःशुल्क हेल्थ कैंप

संवाददाता रांची: कडरू मदरसा हुसैनिया में आज 30 जुलाई 2025 बुधवार को समय ग्यारह से तीन बजे तक निःशुल्क हेल्थ कैंप लगाया गया। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर मो इमरान की डॉक्टर टीम ने अपनी सेवाएं दी। मदरसे में 700 आवासीय छात्र हैं। निःशुल्क शिविर में डॉक्टर प्रतीक सिन्हा विलकन हॉस्पिटल, डॉक्टर मो इमरान चाइल्ड सर्जन, डॉक्टर नीलोतपल, डॉक्टर एम सिबगतुल्लाह दंत चिकित्सक, डॉक्टर इरशाद आई चिकित्सक ने अपनी सेवाएं दी। डाक्टरों ने मदरसे में अध्ययनरत छात्राओं के स्वास्थ्य जांच कर निशुल्क दवा परामर्श प्रदान किया। डाक्टरों ने बताया कि दो हफ्ते से अधिक खांसी, सीने में दर्द, बुखार, रात में पसीना आना या वजन कम होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। टीम ने 120 छात्रों की आई स्क्रीनिंग भी की। डॉक्टर मो इमरान, डॉक्टर प्रतीक, डॉक्टर नीलोतपल, डॉक्टर इरशाद ने छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने चान्हों स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया निरीक्षण

पीपीपी मोड में भी कौशल विकास संस्थानों को बढ़ावा दिया जाएगाः मंत्री

रांची: कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को चान्हों प्रखंड स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर कॉलेज के संचालन, आधारभूत संरचना और भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री लिंडा ने कॉलेज परिसर की भौतिक स्थिति, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कॉलेज के छात्राओं से संवाद भी किया और उनकी शैक्षणिक एवं बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना। मंत्री ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा ताकि छात्राओं को बेहतर और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण मिल सके। लिंडा ने कॉलेज प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह कैंपस अत्यंत सुव्यवस्थित और संसाधनों से परिपूर्ण है। इसका समुचित उपयोग करते हुए हम यहाँ मेडिकल शिक्षा से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक कोर्स जैसे - नर्सिंग (ANM, GNM) की शुरुआत कर सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं को अत्यधिक लाभ मिलेगा। वे एएनएम जीएनएम बनकर राज्य एवं देश की सेवा करेंगी!

मंत्री चमरा लिंडा ने कॉलेज प्रबंधन से कहा कि वे इस दिशा में विस्तृत योजना बनाकर विभाग को प्रस्ताव भेजें। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराई जाए ताकि ग्रामीण बच्चे - बच्चियों को न सिर्फ रोजगार के अवसर मिलें बल्कि राज्य को प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों का भी लाभ मिले।

इसके अलावा, मंत्री ने यह संकेत भी दिया कि सरकारी-निजी भागीदारी (PPP Mode) में भी इस प्रकार के कौशल विकास संस्थानों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि झारखंड के युवा आत्मनिर्भर बन सकें। अंत में उन्होंने कॉलेज प्रशासन को आश्वस्त किया कि यदि प्रस्ताव ठोस होगा तो झारखंड सरकार द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मेरा उद्देश्य है कि झारखंड का कोई भी बच्चा केवल संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों से समझौता न करे।

छात्रा अपहरण मामले पर झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने जताई चिंता

संवाददाता रांची: झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से एक निजी स्कूल की छात्रा के दिनदहाड़े अपहरण की घटना पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। एसोसिएशन ने पुलिस की तत्परता की भी सराहना की है। झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि छात्रा उपहरण की यह घटना राजधानी रांची की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। स्कूल जाने वाली छात्रा का इस तरह अपहरण होना न सिर्फ पुलिस प्रशासन की विफलता दर्शाता है, बल्कि इससे शहर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर आशंकाएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि आज अभिभावक यह सोचने को मजबूर हैं कि उनके बच्चे स्कूल सुरक्षित पहुंचेंगे भी या नहीं? यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। अजय राय ने राज्य सरकार और प्रशासन से स्कूल मार्गों पर विशेष पेट्रोलिंग और सीसीटीवी निगरानी को और सुदृढ़ करने की मांग की, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने रांची पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि यदि हर मामले में इसी तरह त्वरित कार्रवाई हो, तो अपराधियों का मनोबल टूटेगा। उन्होंने इस मामले के दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग की, जिससे कि भविष्य में कोई अपराधी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। उल्लेखनीय है कि आज सुबह स्कूल जाने के क्रम में सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से एक स्कूली छात्रा का दिनदहाड़े कुछ अपराधियों ने अपहरण कर लिया था। बाद से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे रामगढ़ जिले के कुजू थाना क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया है।

ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार : दीपिका पांडेय

रांची: झारखंड सरकार ग्रामीण विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में योजनागत और जमीनी स्तर पर काम हो रहा है। रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित हो रही हैं। यह बातें राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से कही। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और आम जनता के जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास की दिशा में योजनागत और ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई हो रही है। राज्य सरकार न सिर्फ वर्तमान कार्यों को ससमय पूरा करने पर ध्यान दे रही है, बल्कि भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की दिशा में भी गंभीरता से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़क निर्माण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के तहत कार्यरत महिला समूहों के माध्यम से रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने जैसी अनेक योजनाएं चल रही हैं। पिछले वर्ष पारित किए गए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। साथ ही नई योजनाओं को भी गति दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य हर जनकल्याणकारी योजना को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करना है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाना, महिलाओं को सशक्त करना और हर नागरिक तक समृद्धि और अवसर पहुंचाना, राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि उनकी सोच स्पष्ट है और यही सोच उनकी कार्यशैली और विभागीय विज़न की पहचान है।

मानसून सत्र से पहले झामुमो-कांग्रेस विधायक दल की बैठक, विपक्ष के सवाल का जवाब देने की बनेगी रणनीति

रांची: एक अगस्त से झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है. लिहाजा पक्ष और विपक्ष अपनी अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं. कांग्रेस विधायक दल की बैठक 31 जुलाई को शाम 3 बजे से प्रदेश कांग्रेस भवन में होगी. जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शाम 5 बजे से एटीआई सभागार में विधायक दल की बैठक बुलाई है.

विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने में सक्षम सत्तापक्षः मनोज पांडेय

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि, झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक दल की बैठक गुरुवार शाम पांच बजे से ATI भवन के सभागार में होगी. झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता ने बताया कि विधायक दल के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झामुमो विधायक दल की बैठक होगी. उसके बाद सत्ताधारी दलों की संयुक्त बैठक भी ATI में होगी.

केंद्र सरकार का झारखंड सरकार से भेदभावपूर्ण रवैयाः जेएमएम

केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि सत्र के दौरान, विपक्ष के सार्थक सहयोग की उम्मीद सत्ताधारी पक्ष को है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, झारखंड के साथ भेदभाव कर रही है. हमारे हक का करोड़ों रुपए बकाया झारखंड को नहीं दे रही है. जेएमएम प्रवक्ता ने कहा कि सत्तापक्ष विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है. उन्होंने बताया कि झारखंड के हक और अधिकार की मांग को भी पार्टी के विधायक बुलंद करेंगे.

प्रदीप यादव के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल की होगी बैठकः राकेश सिन्हा

झारखंड कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने होने वाली कांग्रेस विधायक दल के बैठक की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी शिरकत करेंगे. उन्होंने कहा कि, इस बैठक में मानसून सत्र को लेकर पार्टी रणनीति बनाएगी.

कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद ATI में सत्ताधारी गठबंधन के विधायकों की बैठक होगी. राकेश सिन्हा ने उम्मीद जताई है कि बीजेपी, जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सार्थक मुद्दों को सदन में उठाएगी और बेवजह हंगामे की जगह विधानसभा के बहुमूल्य समय का सदुपयोग करेगी.

राज्यपाल से निर्मला बहन ने की मुलाकात, बांधा रक्षासूत्र

रांची: झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को हरमू रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल को ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने रक्षासूत्र बांधा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। राज्यपाल ने ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना एवं महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

बड़बोले स्वास्थ्य मंत्री से स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश नहीं : बाबूलाल

रांची: विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि समय पर वेतन का भुगतान न होने से एम्बुलेंस कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हुए हैं। हर जगह मरीज परेशान हैं, परंतु सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता और स्वास्थ्य मंत्री तो पहले ही कह चुके हैं कि खाट पर मरीजों को अस्पताल ले जाना आम बात है।

नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे 'प्रगतिशील एवं अति संवेदनशील' व्यक्ति को स्वास्थ्य मंत्री का पद प्राप्त होगा तो झारखंड वासी सुचारू स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद किससे करेंगे? इससे पहले भी एम्बुलेंस चालकों ने हड़ताल की थी। तब सरकार व सरकार द्वारा 'नव-नियुक्त' एम्बुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी ने कर्मचारियों की मांगें मानने का केवल दिखावा किया, अभी तक उस त्रिपक्षीय समझौते पर अमल नहीं हुआ है।

मरांडी ने मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि आखिर इन मांगों में ऐसा क्या है, जिसे नहीं माना जाना चाहिए? क्या सरकारी कर्मचारियों को अब अपने वेतन के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा? हर दिन स्वास्थ्य व्यवस्था में लापरवाही के किस्से सामने आते हैं, लेकिन राज्य में खराब पड़ी एम्बुलेंसेज की तरह शायद स्वास्थ्य विभाग को भी जंग लग गया है। अनर्गल बयानबाजी से ना तो व्यवस्था सुधरेगी, न मरीजों का स्वास्थ्य, ये समझना स्वास्थ्य मंत्री के लिए इतना मुश्किल क्यों है?

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

समय रहते करायें हेपेटाइटिस की जांच : अभियान निदेशक

संवाददाता रांची: हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बीमारी को खत्म करने के उद्देश्य से विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में मंगलवार किया गया। इस अवसर पर हेल्दी लीवर कार्यक्रम का भी शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहा कि किसी भी बीमारी को लेकर वैश्विक आयोजन क्यों हो रहा है, इस बात को समझने की आवश्यकता है। हेपेटाइटिस बी और सी जानलेवा है और समय रहते इसका इलाज जरूरी है उन्होंने कहा कि शरीर में किसी भी तरह की परेशानी होने पर योग्य चिकित्सकों से ही सलाह लेनी चाहिए। आजकल इन्टरनेट की दुनिया में लोग बीमारी का इलाज गूगल में ढूंढने लगते हैं, यह आदत मरीज को परेशानी में डाल देता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अपने अनुभवों और बीमारी के लक्षण को ध्यान में रखते हुए मरीज का इलाज करते हैं। इसलिए हमेशा योग्य चिकित्सक से ही स्वास्थ्य परामर्श लेना चाहिए। हमारे सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में योग्य और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा किसी भी स्वास्थ्य परेशानी में गूगल का नहीं बल्कि निःशुल्क डायल 104 पर संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आमजनों को 104 पर हमारे काउंसलर परामर्श देते हैं जरूरत पड़ने पर चिकित्सक से भी बात कराते हैं। 104 पर स्वास्थ्य संबंधित शिकायतें और सुझाव भी प्राप्त किये जाते हैं। रिम्स मेडिसीन विभाग प्रो. डॉ दिवाकर ने कहा कि 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी के कारण होने वाले वायरल हेपेटाइटिस सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अतिरिक्त बोझ डालता है। हेपेटाइटिस के कारण लीवर सिरोसिस और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी रक्त, असुरक्षित यौन संपर्क और माँ से बच्चे में गर्भावस्था या प्रसव के दौरान फैल सकता है। प्रभावित टीके हेपेटाइटिस बी को रोक सकते हैं और हेपेटाइटिस सी के लिए अत्यधिक प्रभावी उपचार उपलब्ध है। रिम्स माइक्रोबॉयलॉजी विभाग के एचओडी डॉ मनोज कुमार ने कहा कि रिम्स में इस वर्ष हेपेटाइटिस बी के 28353 संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें से 27907 मरीजों का रिपोर्ट निगेटिव आया है। 486 मरीज पॉजिटिव पाये गये हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है।

पांच दिवसीय श्री कृष्ण बीतक कथा के चौथे दिन माता,संतान एवं प्रेम का आध्यात्म संगम

रांची: श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग रांची मे आयोजित पांच दिवसीय संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा के चौथे दिन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। बीतक कथा में वृंदावन की सुप्रसिद्ध कथा वाचिका विदुषी साध्वी मीणा महाराज एवं विदुषी पूर्णा महाराज ने भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। चौथे दिन की कथा मे विदुषी साध्वी मीणा महाराज ने श्री कृष्ण की मार्मिक कथा के इस प्रसंग में कहा कि हे माता अपने घर जो संतान आती है उनके साथ श्री कृष्ण जैसा बर्ताव रखो क्या पता तुम्हारे घर में कोई अवतारी पुरुष आ जाए,नारी निंदा ना करो, नारी रतन की खान। नारी ने ही जन्म दिया, राम कृष्ण हनुमान। इस संसार में नारी की कितनी बड़ी महिमा है। इस प्रकार निजानंदाचार्य जी श्री देवचंद्र महाराज ने श्री कृष्ण प्रणामी धर्म को विश्व विख्यात बनाने के लिए किस प्रकार प्रारंभ किया, श्री देवचंद जी के चरणों में मिहिराज ठाकुर आए जो बाद में महामति प्राणनाथ जी के नाम से विश्व मे प्रसिद्ध हुए। *प्रेम छुपाये ना छुपे जा घर प्रगट होय। जो पे मुख बोले नहीं तो नैन देत है रोए।* किसी व्यक्ति में प्रेम है तो वह प्रेम छुपा नहीं सकता परमात्मा के चरणों के प्रति प्रेम का उदय हो वह प्रेम कभी छुपाए नहीं छिपता, मुख से बोलकर नहीं सुनाता है कि मैं प्रेमी हूं इस प्रकार गुरु शिष्य का प्रेम होना चाहिए इसी प्रकार स्वामी देवचन्द्रजी और स्वामी प्राणनाथ जी मे बना यह दोनों श्री राज श्यामा जी के अवतार हैं।

इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी,निर्मल जालान, पूरणमल सर्राफ, सज्जन पाड़िया, मधु जाजोदिया, नंदकिशोर चौधरी, संजय सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार, विशाल जालान, पुजारी अरविंद पांडे, विद्या देवी अग्रवाल, कविता चौधरी पूनम अग्रवाल, शकुंतला केजरीवाल, प्रमिला पुरोहित, सुधा सुल्तानिया, अमिता जालान, विमला जालान, शोभा जालान, सरिता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया, निकिता जालान, उमा नारसरिया, अनीता जालान, रेखा पोद्दार, शारदा पोद्दार के अलावे बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

जी+10 बिल्डिंग का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने को लेकर अबुआ अधिकार मंच ने किया एसएस मेमोरियल महाविद्यालय के प्राचार्य का घेराव

राँची: बुधवार को अबुआ अधिकार मंच के सदस्यो ने नये भवन G+10 के निर्माण समेत कई अन्य छात्र छात्राओं से सम्बंधित मामले को लेकर ऋषभ मिश्रा एबं कारण सिंह के नेतृत्व मे एसएस मेमोरियल महाविद्यालय के प्राचार्य का घेराव किया। मौके पर मौजूद अबुआ अधिकार मंच के एसएस मेमोरियल महाविद्यालय अध्यक्ष ऋषभ मिश्रा ने प्राचार्य से प्रोस्पेक्टेस जारी करने, छात्र छात्राओं के लिये ड्रेस कोड लागु करने, महाविद्यालय मे छात्र छात्राओं के लिये वाइ फाइ सुविधा, वाश रूम की मरम्मत एवं नियमित साफ सफाई, की मांग की। एसएस मेमोरियल महाविद्यालय के महासचिव कारण सिंह ने G+10 भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाने समेत कई अन्य मांग प्रचार्य के समक्ष रखा।

मौके पर मौजूद एसएस मेमोरियल के प्राचार्य डॉक्टर बी पी वर्मा ने कहा के प्रोस्पेक्टेस का काम अंतिम चरण मे है जल्द ही जारी कर दिया जायेगा, भवन निर्माण के मांग पर उन्होंने कहा के महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य को ले कर हर सम्भब प्रयास कर रही है, कई बार विश्वविद्याल प्रसाशन को अवगत भी कराया गया है, उन्होंने कहा के जल्द ही कुलपती से महाविद्यालय भवन निर्माण करवाने पर पुनः चर्चा कर सकारात्मक पहल की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें...

कुच्चू आजीविका महिला संकुल संगठन की वार्षिक आमसभा सम्पन्न

ओरमांझी(मोहसीन): ओरमांझी प्रखंड के कुच्चू पंचायत में बुधवार को कुच्चू आजीविका महिला संकुल संगठन की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड व गांव स्तर के सभी माननीय पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया ने भी भाग लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सखी मंडल की दीदियों को सरकार की विभिन्न चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। बीडीओ ने ग्राम संगठन के माध्यम से योजनाओं की ग्राम स्तर पर समीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया और सभी दीदियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सखी मंडल की दीदियां आजीविका के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रशंसनीय कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में बीएमएमयू पलाश (JSLPS) परिवार के सभी सदस्यों सहित दर्जनों सखी मंडलों की दीदियां शामिल हुईं। वित्तीय वर्ष 2024-25 का पूरा लेखा-जोखा चार्ट पेपर के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिससे पारदर्शिता बनी रही। सभी अतिथियों ने अपने आशीर्वचन, मार्गदर्शन और सुझावों के माध्यम से दीदियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में, सभी प्रतिभागियों ने अगले वित्तीय वर्ष में आजीविका के नए आयामों को अपनाने की प्रतिज्ञा के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

चौपारण थाना प्रभारी ने दो पहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की अपील की

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) बुधवार को थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि दुपहिया वाहन चलाते समय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमेशा हेलमेट का उपयोग करें ताकि दो पहिया वाहन चालक संभावित खतरों से सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि यदि लोग हेलमेट का उपयोग करेंगे तो उनकी यात्रा तो सुरक्षित होगी साथ ही वाहन चेकिंग के समय उन्हें चालान का सामना नहीं करना पड़ेगा। हेलमेट पहनना जीवन की सुरक्षा के लिए भी उतना ही जरूरी है जितना आपका दोपहिया वाहन चलाना जरूरी है। साथ ही उन्होंने नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की सख्त हिदायत दी। थाना प्रभारी ने कहा कि वाहन का बीमा (इंश्योरेंस) अवश्य कराएं, क्योंकि दुर्घटना या किसी भी विपरीत परिस्थिति में यह दोपहिया वाहन चालकों के लिए बेहद सहायक साबित होता है। आम जनमानस से थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि जब भी सड़क पर चलें तो सुरक्षित चले क्योंकि आपका जीवन अनमोल है।

भारत रत्न जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती पर टाटा स्टील ने वार्षिक इंटर-स्कूल क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया

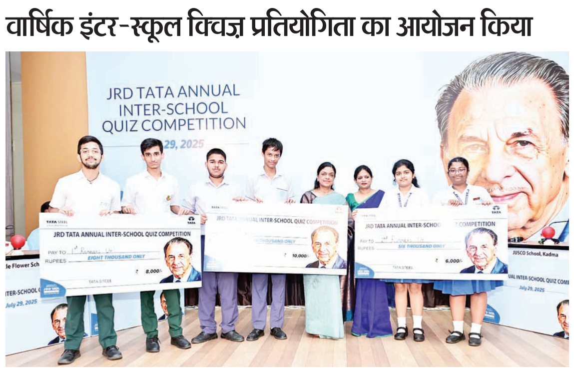

जमशेदपुर । भारत रत्न जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज सुबह माइकल जॉन ऑडिटोरियम में टाटा स्टील द्वारा एक इंटर-स्कूल क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रीमती पारुल मंगल ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती पारुल मंगल ने कहा कि जेआरडी टाटा की विरासत सीमाओं से परे है। उन्होंने दशकों तक उत्कृष्टता, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य किया। वे केवल उद्योगपति नहीं, बल्कि सतत विकास और शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनके लिए प्रगति का अर्थ था जिज्ञासा, प्रतिभा और युवा सोच को प्रोत्साहित करना। जेआरडी टाटा वार्षिक इंटर-स्कूल क्विज प्रतियोगिता जमशेदपुर के सभी युवा प्रतिभागियों को शहर की विविध और समृद्ध विरासत को जानने-समझने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को बधाई और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। जमशेदपुर के कुल 27 इंग्लिश-मीडियम स्कूलों ने इस क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें प्रारंभिक चरण में 270 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। विजेताओं और प्रथम उपविजेताओं को अगले दिन टाटा स्टील के हेलिकॉप्टर में शहर की सैर कराई जाएगी। इस कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीएफई) द्वारा किया गया था और यह प्रतियोगिता मर्लिन फ़िरदौस अंकलेसरिया, हेड, इवेंट मैनेजमेंट और प्रोटोकॉल, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, टाटा स्टील के नेतृत्व में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई।

जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती पर रेड क्रॉस भवन में रक्तदान महादान शिविर आयोजित, 52 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

जमशेदपुर । भारत रत्न जेआरडी टाटा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है, उन्होंने न सिर्फ ऐतिहासिक रूप से टाटा समूह को पांच दशकों तक अपना नेतृत्व दिया, उन्होंने राष्ट्रसेवा के भी अनुपमेय कार्य किये, जिसमें भारत में उड्डयन के क्षेत्र में, देश को जनसंख्या विस्फोट के प्रति आगाह करना, चुनौतीपुर्ण कार्यक्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने जैसे अनेकों उदाहरण हैं, जो उनके विशाल व्यक्तित्व को बताते हैं। उक्त विचार आज यहां जेमीपोल के सहयोग से जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर के अवसर पर जेमीपोल के मुख्य वित्तीय पदाधिकारी टी रघु वर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी रक्तदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित रेड क्रॉस सोसाईटी के वरीय सदस्य चन्द्रमोहन सिंह ने कहा कि जेआरडी टाटा राष्ट्रप्रेमी थें, उन्होंने राष्ट्रीयता और जनहित के सभी मुद्दों को सर्वोपरि रखा। इस अवसर पर समाजसेवी पूरबी घोष ने जेआरडी टाटा को अपनी श्रद्धांजली देते हुए कहा कि आज टाटा समूह का विस्तृत स्वरूप उनके कारण है। रेड क्रॉस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह, जेमीपोल के सीएसआर विभाग के चन्दन सिंह, समाजसेवी गणेश राव कार्यक्रम में उपस्थित थें। शिविर का संचालन रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम एवं जमशेदपुर ब्लड सेन्टर के संयुक्त प्रयास से 52 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रेड क्रॉस सोसाईटी का अगला रक्तदान शिविर 8 अगस्त को सामाजिक संस्था एमसीकेएस फूड फॉर हंगरी के सहयोग से आयोजित किया जायेगा।

ओरमांझी से आदिवासी महोत्सव 2025 के लिए जागरूकता रथ रवाना

रथ चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों और बाजारों के पास महोत्सव की देगी जानकारी

ओरमांझी(मोहसीन): विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। इस कड़ी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आम जनमानस को जागरूक करने के लिए एक विशेष जागरूकता रथ की शुरुआत की गई। इस रथ को ओरमांझी बीडीओ कामेश्वर बेदिया ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ राजधानी रांची समेत झारखंड के विभिन्न जिलों से होकर गुजरेगा और लोगों को इस तीन दिवसीय महोत्सव 9,10 और 11 अगस्त की तिथि,स्थान,उद्देश्य और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी देगा। इस महोत्सव का आयोजन झारखंड सरकार द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है.रथ रवाना करने के मौके पर बीडीओ कामेश्वर बेदिया ने कहा"यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह आदिवासी अस्मिता,गौरव और इतिहास का उत्सव है।यह पारंपरिक विरासत और आधुनिक अभिव्यक्ति का संगम है।उन्होंने बताया कि जागरूकता रथ लोगों तक आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर,रीति-रिवाज और ऐतिहासिक योगदान की जानकारी दृश्यात्मक माध्यमों जैसे पोस्टर,बैनर और डिजिटल डिस्प्ले के जरिए पहुंचाएगा। यह रथ रांची के प्रमुख स्थलों,व्यस्त चौराहों,स्कूलों,कॉलेजों और बाजारों से गुजरते हुए जनसमुदाय को कार्यक्रम की जानकारी देगा। साथ ही राज्य भर में इस अभियान को पहुंचाने की योजना है, जिससे झारखंड के कोने-कोने में आदिवासी महोत्सव 2025 की गूंज सुनाई दे। रथ प्रस्थान समारोह में बीडीओ के साथ तुलसी खरवार,हरिमोहन महतो, सुरेश साहू,रमेश उरांव,मुबारक अंसारी सहित कई विभागीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। सभी ने इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। आदिवासी महोत्सव 2025 न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है,बल्कि यह झारखंड की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक एकता और जनजातीय समाज के सम्मान का प्रतीक बनने जा रहा है।

राजभवन में धरना प्रदर्शन को लेकर ओबीसी कांग्रेस ने किया प्रेस कांफ्रेंस

राजभवन में दस हज़ार की संख्या में लोग जुटेंगे - सुरजीत नागवाला

संवाददाता सहबाज़ ख़ान

हजारीबाग। हजारीबाग जिला सर्किट हाउस में प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष अभिलाष साहू के निर्देश-अनुसार प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजित किया गया। प्रेस कांफ्रेंस की अध्यक्षता कर रहे ओबीसी कांग्रेस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने बताया की आगामी 6 अगस्त को रांची राजभवन का समक्ष राजभवन घेराव का कार्यक्रम रखा गया है धरना का मूल उद्देश्य ओबीसी 14 प्रतिशत से 27 परसेंट प्रतिशत आरक्षण बढ़ा कर लागू करने,जाति जनगणना , पिछड़ा मंत्रालय का गठन, निजी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण, 50% आरक्षण बैरियर को खत्म करने को लेकर राजभवन के समीप धरना प्रदर्शन है 6 अगस्त को राजभवन धरना प्रदर्शन को लेकर पूरे राज्यभर में राजनीति बन रही है। जिसमे हजारीबाग के जिले से 400 के संख्या में कांग्रेस के नेता जुटेंगे।कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रकाश कुमार ने कॉन्फ्रेंस में विषय वस्तु को रखते बताया की पूरे राजभर से ओबीसी तपके लोगों को 27 % आरक्षण लागू करने के लिए धरना-प्रदर्शन किया जा रहा हैं।प्रेस कॉन्फ्रेस में मुख्य रुप से प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला, प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रकाश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश गोप, प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, उपस्थित थे।मौके पर प्रदेश इंटेक सचिव धीरज सिंह, जिला महासचिव सुनील साहू, जिला उपाध्यक्ष मंसूर आलम, बरही प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद थे ।

चतरा उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस 2025 की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा: जिला मुख्यालय के समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में बुधवार को उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक अधिकारियों के साथ आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे। इस बैठक में उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस 2025 के मुख्य समारोह का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में आयोजित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के समारोह आयोजन के संदर्भ में बताया गया प्रातः 9:05 बजे ध्वजारोहण होगा। इस अवसर पर झंडोतोलन, राष्ट्रगान, सलामी परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल की समुचित साफ-सफाई, रंग-रोगन, ध्वनि प्रसारण व्यवस्था, पेयजल, बैठक और समारोह की समुचित व्यवस्था, अग्निशमन दस्ता की तैनाती, स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान, परेड की तैयारी, तथा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही उपायुक्त ने फांसी तालाब एवं रेड क्रॉस परिसर में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर भी निर्देशित किया। समाहरणालय परिसर में प्रातः 8:00 बजे, फांसी तालाब शहीद स्मारक पर प्रातः 8:15 बजे, पोस्ट ऑफिस चौक बाबा भीमराव अम्बेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण प्रातः 8:25 बजे,रेड क्रॉस भवन चतरा प्रातः 8:30 बजे, मुख्य कार्यक्रम स्थल, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम प्रातः 9:05 बजे परेड के पूर्वाभ्यास की शुरुआत 05 अगस्त 2025 से प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से की जाएगी, तथा अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल 12 अगस्त को प्रातः 9:00 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक जिला प्रशासन बनाम पत्रकार एकादश के मध्य एक फैंसी फुटबॉल मैच का आयोजन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस की संध्या, अर्थात दिनांक 15 अगस्त 2025 को संध्या 06:00 बजे, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु समिति का गठन भी किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

बिरसा जैविक उद्यान के समीप ऑटो को ट्रक को मारी ठोकर, ग्रामीणों ने रोड जामकर जताया विरोध

ओरमांझी(मोहसीन): बिरसा जैविक उद्यान के समीप बुधवार की सुबह लगभग 7 बजे रांची रामगढ़ मुख्य मार्ग तेज रफ्तार ट्रक 409 गाड़ी नंबर (जेएच 01एआर 6411)ने ऑटो गाड़ी (जेएच 01एफयु 2429)को पीछे से जोरदार मारते हुए लगभग 20 फिट घस्टते ले गई,जिससे ऑटो गाड़ी पलट गई,इस भीषण सड़क दुर्घटना में ऑटो चालक और ऑटो में बैठे कोलकाता पब्लिक स्कूल की दो बच्चियों को चोट लग गई. वहीं ऑटो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया,घटना की खबर पाकर घायलों के परिजन व स्थानीय ग्रामीण मौके पर काफी संख्या में जुट गए,और हो हंगामा करते हुए रोड जाम कर दिया.जिससे बीच सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारे लग गई,मौके पर ओरमांझी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार तिवारी दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को मेदांता अस्पताल इरबा पहुंचाया,वहीं रोड़ जाम कर रहे लोगों को पुलिस ने समझा बुझाकर जाम दुरुस्त किया,घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रांची से रामगढ़ की ओर जा रहीअल्टो गाड़ी के पीछे-पीछे चल रहे ट्रक 409 ने ओवरटेक करने के क्रम में पीछे से जोरदार ठोकर मार दिया,जिससे ऑटो गाड़ी ट्रक में ही फंस गया, जिसके चलते ऑटो चालक रिंकू अंसारी और कोलकाता स्कुल ओरमांझी में पढ़ने वाली की दो छात्रा जो इरबा गांव के साजिद अंसारी के 15 वर्षीया बेटी सिफा प्रवीण व मिन्हाज अंसारी की 17 वर्षीया बेटी वाफिया प्रवीण घायल हो गये.दोनों स्कूली बच्चों का प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया वहीं रिंकू के पैर में गंभीर चोट लगी है,जिनका इलाज मेदांता में चल रहा है,ट्रक के मालिक ने घायलों का इलाज करने की सहमति जताई है, इसके बाद प्रशासन ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में साइबर सुरक्षा एवं मोबाइल एडिक्शन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा: जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू की अध्यक्षता में बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, चतरा में साइबर सुरक्षा एवं मोबाइल एडिक्शन विषय पर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला क्षेत्रीय प्रबंधक शंभू बड़ाइक द्वारा साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग और मोबाइल की लत से बचने के उपाय बताए गए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू ने छात्राओं को साइबर अपराध, शोषण एवं ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सजग रहने की सलाह दी और आत्म-सुरक्षा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका (चतरा ग्रामीण) नीलम कुमारी, सखी वन स्टॉप सेंटर से नरेंद्र राणा, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे।

सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल को मां भद्रकाली सेवा संस्था ने किया सम्मानित

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) बुधवार को सिमरिया विधानसभा के विधायक उज्वल कुमार दास भद्रकाली मंदिर पहुंचे यहां मां भद्रकाली की पूजा अर्चना करने के उपरांत मां भद्रकाली सेवा संस्था के शिविर में पहुंचे। सिमरिया विधायक के शिविर में पहुंचने पर मां भद्रकाली सेवा संस्था के अध्यक्ष सूरज कुमार सिंह ने उन्हें मां भद्रकाली की चुनरी एवं धार्मिक पुस्तक देकर सम्मानित किया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. मृत्युंजय सिंह, ज्ञानी यादव, भाजपा नेता जयकुमार दास, किसान मोर्चा के अध्यक्ष रामाधार राम, रणधीर सिंह, श्री राम चौरसिया समेत कई भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे । शिविर में अपने संबोधन में विधायक उज्जवल कुमार दास ने कहा कि युवाओं के द्वारा किया जा रहा यह कार्य वंदनीय और सराहनीय है। इन्होंने सर्वश्रेष्ठ सेवा की भावना से प्रेरित होकर वास्तव में एक वंदनीय कार्य किया है। इन्होंने बहुत बड़ा कार्य करने का बीड़ा उठाया है। मैं इनके सहयोग के लिए हर संभव तैयार हूं। इनके द्वारा किए जा रहे पुनीत कार्य में मैं सहयोग के लिए पीछे नहीं हटूंगा । मौके पर संस्था के अध्यक्ष सूरज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, कोषाध्यक्ष धिरज चन्द्रवंशी, सचिव निर्भय पांडेय, संरक्षक कुंदन पासवान, पुनीत राहुल चौरसिया, शिवम सिंह, पारस शर्मा, सदस्य सुजीत सिंह, अभिषेक सिंह समेत इस सेवा संस्था से जुड़े कई अन्य लोग उपस्थित थे । मालूम हो मां भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा पूरे मां भद्रकाली मंदिर परिसर आने वाले कांवरियों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था व स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ उनके विश्राम की भी व्यवस्था की जा रही है। इस शिविर में प्रत्येक दिन कॉंवरिया ठहरते हैं व संस्था द्वारा चलाए जा रहे निशुल्क सेवा का लाभ उठाते हैं। मां भद्रकाली सेवा संस्था के कर्मठ युवाओं द्वारा अहर्निश कांवरियों की सेवा कार्य के पहल की आम जनमानस ने सराहनीय कार्य बताया ।

भद्रकाली महाविद्यालय में उर्दू विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) : प्रखंड अवस्थित उच्च शिक्षण संस्थान भद्रकाली महाविद्यालय इटखोरी के "उर्दू विभाग" के तत्वाधान में वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय था " उर्दू शायरी में फ़ितरत की अक्क़ासी" महाविद्यालय, इटखोरी के प्राचार्य डॉ. दुलार हजाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उर्दू विभाग के द्वारा अध्यक्ष को गुलदस्ता पेश करके उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उर्दू शायरी में फ़ितरत की अक्कासी विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मुहम्मद मंसूर आलम फख़री ने अपने स्वागत भाषण में विषय पर एक सार्थक व्याख्यान दिया। इस दौरान उर्दू विभाग के प्रो. डॉ. मो. असलम ने बहुत ही सुंदर और नस्तालीक़ अंदाज में मंच संचालन का कार्यभार संभाला। भूगोल विभाग के प्रो. डॉ. संदीप कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही संगोष्ठी का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में प्रो. महेंद्र ठाकुर, प्रो. सकेंद्र मिस्त्री, प्रो. अखिलेश पांडेय, प्रो. ललित सिंह, प्रो. पंकज कुमार, प्रो. ललित मोहन चौधरी, प्रो. मोहन अंसारी, प्रो. धिरेंद्र यादव, प्रो. डॉ. ईवा सिन्हा, प्रो. लीलू रानी, मो. रफ़ीक़ अंसारी, मंजू रानी एवं अन्य शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे। उर्दू विभाग के सभी सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अपना-अपना आलेख प्रस्तुत किया। आलेख प्रस्तुत करने वालों में में अंजार अख़्तर, समीर अंसारी, नवाज़ अतहर, आबिदा खातून, , तसर्रुन नाज़री, सादिया परवीन, निगार तबस्सुम, शौफ़िक खातून, रौनक परवीन, इशरत बानो आदि एवं अन्य विभागों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया और इस प्रकार यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

फर्जी अधिवक्ता पर अंकुश लगाने का जिला बार संघ लिया निर्णय

जमशेदपुर । जिला बार एसोसिएशन जमशेदपुर के अध्यक्ष रतिंद्रनाथ दास एवं महासचिव कुमार राजेश रंजन के आदेशानुसार नोटिस जारी किया गया है कि जो पुराने कोर्ट परिसर में हो रहे गैर कानूनी तरीके से फर्जी लोग अधिवक्ता बन कर आम लोगों को तो ठग रहे है और साथ ही साथ अधिवक्ता के सम्मान व उनके अधिकार का भी हनन गलत तरीके से कर रहे है जिस पर जिला बार संघ के पदाधिकारियो ने इन मामले में संज्ञान लेते हुए कहा कि अगर ऐसे लोग गलत करते हुए पकड़े जाएं तो उन पर कड़ी से कड़ी कानूनी कारवाही की जाएगी । सिविल कोर्ट के जिला बार एसोसिएशन के कार्यकारणी सदस्य अनंत गोप के नेतृत्व में कई अधिवक्ता एक साथ नए रजिस्ट्रार को बुके भेट करते हुए कहा कि डीड ,रजिस्ट्री, कोर्ट मैरिज इत्यादि संबंधी विषयों पर जिला बार के आदेश पत्र से अवगत करते हुए मिले और कहा कि कोई भी कार्य करने के समय आप आई कार्ड अधिवक्ता का जरूर देखे ।

बिहार सरकार

न्यायालय अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, भागलपुर

प्रेस विज्ञप्ति सं0–308/म0नि0, दिनांक 18.07.2025

वजरिये इस कोर्ट नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि मधनिषेध एवं उत्पाद (संशोधित) अधिनियम 2018 की धारा 56 (ख) (ग) के अन्तर्गत अवैध रूप से देशी/विदेशी शराब का भंडारण करने के आरोप में निम्नलिखित वाहन एवं भवन/ भूखंड भिन्न– भिन्न थाना कांडो/उत्पाद अभियोग में जप्त/सील (Seal) कर अधिहरण प्रस्ताव वरीय पुलिस अधीक्षक, भागलपुर के माध्यम से प्राप्त होने के फलस्वरूप उत्पाद अधिहरण वाद प्रारंभ किया गया है।

उक्त वादों में वाहन मालिक एवं शराब बरामद स्थल के जमीन मालिक/जमाबंदी रैयत/वाहन मालिक को नोटिस निर्गत किये जाने के बावजूद भी उनके द्वारा जप्त सील वाहन एवं भवन/भूखंड के लिए कोई दावेदारी प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। उक्त जप्त /सील वाहन एवं भवन/भूखंड अधिहरण योग्य है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:–

क्र0 सं0	उत्पाद वाद सं0	थाना का नाम /कांड सं0	जप्त वाहन/भूमि का विवरण	वाहन एवं भवन एवं भूखंड के स्वामी का नाम पता	अन्तर जिला/राज्य
1.	99/2023	उत्पाद वाद– 245/2023	मोटर साईकिल रजि0 नं0– JH087940, इंजन नं0– JA06ERJGK28523, चेचिस नं0– MBLJAR023JGK21768	दिवाकर मरांडी, पिता– कुशल मरांडी, ,सा0– कमरडोल, सलैया, पोरयाहाट, जिला– गोड्डा,	यह वाहन झारखंड राज्य का है। गजट झारखंड में कराया जाय।

अतः एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि जप्त /सील वाहन एवं भू–खंड/भवन में किन्ही व्यक्ति/संस्था का हित निहित हो तो नव संशोधित उत्पाद नियमावली 2022 के आलोक में जप्त वाहन/भूखंड/भवन के स्वामी गजट प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर में वाहन स्वामी प्रपत्र–IV एवं भू–खंड/भवन स्वामी प्रपत्र–V में स्वंय या वकालतन न्यायालय, अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, भागलपुर में दाखिल करेगें। अन्यथा अनुपस्थित होने की स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त जप्त/ सील वाहन /भू–खंड/भवन को

सुनवाई के उपरांत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद (संशोधित) अधिनियम– 2018 की धारा 56 (ख) एवं 58 (2) एवं नव संशोधित बिहार मद्य निशेध उत्पाद अधिनियम एवं नियमावली 2022 की धारा– 12क (1) एवं 12 (ख) के अन्तर्गत राज्यहित में अधिहरण कर लिया जायेगा।

इसे सख्त ताकीद समझे।

इसे आज दिनांक–18.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

अनुमंडल दंडाधिकारी,
सदर, भागलपुर

PR. No. 009869 (Excise) 25-26

बिहार में शराब का व्यापार, बिक्री एवं सेवन अवैध है।
इससे संबंधित शिकायत इस नंबर पर दर्ज करायें, आपकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी।
टॉल फ्री नं– 15545 या 1800 345 6268

संक्षिप्त खबरें...

नालंदा में छात्रा ने फांसी लगा कर किया सुसाइड

नालंदा. नालंदा में एक युवती ने अपने ननिहाल में फांसी लगा खुदकुशी कर ली है। मामला गिरियक थाना क्षेत्र के गिरियक बाजार का है। मृतका की पहचान नवादा के मेसकौर थाना क्षेत्र के नीमचक आषाढी गांव निवासी स्वर्गीय अजय कुमार की 18 साल की बेटी सुहानी राउत के रूप में की गई है। सुहानी राउत अपने नाना राजकुमार प्रसाद के यहां पिछले 10 साल से रह रही थी। घटना के संबंध में राजकुमार प्रसाद ने बताया कि वह अपनी दुकान में थे। मंगलवार के शाम जब वह घर पहुंचे तो पता चला कि सुहानी ने फांसी लगा खुदकुशी कर ली है। सुहानी ने फांसी क्यों लगाई इस बात का उनलोगों को कोई पता नहीं है। नाना ने बताया कि उनलोगों के ने कोई प्रेशर भी सुहानी पर नहीं डाला था। सुहानी ग्रेजुएशन के पहले साल में पढ़ाई कर रही थी। उसका मायके भी ननिहाल में ही रहता है। चर्चा है कि किसी युवक से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इन्हीं बातों को लेकर उसने फांसी लगाई है। गिरियक थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। एफएसएल की टीम को भी साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है। युवती के मोबाइल को बरामद करते हुए पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मोबाइल लॉक है, जिसे अनलॉक कराने की प्रक्रिया में पुलिस जुट गई है। जिससे कुछ अहम साक्ष्य सामने आ सकेगा।

चोरी के आरोप में भीड़ ने युवक को पीटा,मौत

किशनगंज (बिहार). किशनगंज के बहादुरगंज थाना क्षेत्र के डूबाडांगी में युवक की भीड़ ने चोरी के आरोप में बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना में युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सब्बीर आलम (35) के रूप में हुई है। वह सुखान दिघी, दिघलबैंक के वार्ड नंबर 7 का निवासी था। घटना का वीडियो इलाके में वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने सब्बीर को कथित तौर पर चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा और उसकी जमकर पिटाई की। गंभीर रूप से घायल सब्बीर को इलाज के लिए बहादुरगंज अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

नवादा में पड़ोसी ने नाबालिग से रेप का किया प्रयास

नवादा. नवादा के हिसुआ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ रेप के प्रयास का मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार देर शाम की है। पड़ोसी मोहम्मद शब्बीर मल्लिक ने नाबालिग को घर में अकेला देखकर जबरन रेप की कोशिश की। नाबालिग के शोर मचाने पर आरोपी डरकर घर से कूदकर फरार हो गया। घटना के समय नाबालिग का परिवार बाजार गया हुआ था। जब परिवार के लोग बाजार से वापस पहुंचे तो लड़की ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई गई।

पूर्णिया में बस-बाइक की टक्कर, एक की मौत

पूर्णिया. पूर्णिया के जानकीनगर में बाइक सवार तीन दोस्त सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसा बस और बाइक आमने -सामने की टक्कर से हुआ। ये हादसा इतना जबरदस्त था कि न सिर्फ बाइक के परखच्चे उड़ गए, बल्कि बाइक पर सवार एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि बाइक सवार दो अन्य युवकों की हालत काफी चिंताजनक बनी हुई है। घटना जानकीनगर थाना क्षेत्र के चांदपुर भंगहा पंचायत के वार्ड 10 के पास पूर्णिया-सहरसा एनएच-107 पर हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची जानकीनगर थाना की पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया और थाने ले गई है।

सोशल मीडिया पर लहराया कट्टा, अरेस्ट

बेगूसराय. बेगूसराय में कट्टा लहराते हुए वीडियो बनाकर वायरल करना युवक को मंहगा पड़ गया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर पहचान कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक और युवक की तलाश की जा रही है। मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था। जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा है की कट्टा हाथ में लिए एक युवक फायर करने की कोशिश करता है। लेकिन जब फायर नहीं हो पता है तो बगल में खड़ा दूसरा युवक उसके हाथ से कट्टा लेता है। फिर पहले वाले युवक के हाथ में दे देता है तो वह गोली चलाता है। यह वीडियो सामने आते ही पुलिस में जांच पड़ता तेज कर दिया और मंगलवार को हरिचक निवासी कमलदेव सहनी के बेटे कन्हैया सहनी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरे युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रहे हैं।

सहरसा में नाबालिग रेप पीड़िता ने दिया बच्चे को जन्म

सहरसा. सहरसा के सदर अस्पताल में एक नाबालिग रेप पीड़िता ने मासूम बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे के जन्म के बाद पीड़िता ने उसे अनाथालय को सौंप दिया है। इस मामले में बीते 28 फरवरी को 15 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने सोनवर्षा कचहरी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने 70 वर्षीय बुजुर्ग पर बहला-फुसलाकर रेप करने का आरोप लगाया था। यह मामला अब सहरसा व्यवहार न्यायालय के पोस्को कोर्ट में विचाराधीन है।

उज्बेकिस्तान से पदक जीतकर खिलाड़ी पहुंचे मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर. उज्बेकिस्तान में 23 से 27 जुलाई तक सवात वर्ल्ड कप 2025 आयोजित हुई। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे बिहार के खिलाड़ियों का पटना एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। बिहार के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में तीन पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम जैसे ही पटना एयरपोर्ट पर पहुंची, वहां ढोल-नगाड़ों की गूंज और फूल-मालाओं से खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया। पदक विजेताओं में मुजफ्फरपुर के यश राज (सिल्वर मेडलिस्ट), प्रियम कर्ण (ब्रॉन्ज मेडलिस्ट) और वैशाली की स्वीटी कुमारी (ब्रॉन्ज मेडलिस्ट) शामिल हैं। टीम के साथ भारत के प्रमुख सवात कोच शिहान ई० राहुल श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर में रेप के 2 आरोपी कोर्ट में पेश

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर के औराई थाना क्षेत्र के एक गांव में रेप हुआ। इस मामले में दोनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। न्यूरो विभाग की ओर से बच्ची का जटिल ऑपरेशन किया गया। जिसके बाद बच्ची के हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। हालांकि, बच्ची अभी बोल नहीं पा रही है। शरीर के कुछ हिस्सों में हरकत होने लगी है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है। जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल की तैयारी चल रही है। ताकि स्पीडी ट्रायल चलवाकर दोषियों को सख्त सजा दिलवाई जा सके। वरीय अधिकारी के निर्देशन में चार्जशीट तैयार किया जा रहा है। जब्त मोबाइल को भी जांच के लिए भेजा गया है। आशंका जताई जा रही है कि मोबाइल से कुछ अहम साक्ष्य मिल सकता है। जिसके आधार पर आरोपियों को सजा दिलवाने में आसानी होगी।

नालंदा खुला विश्वविद्यालय में 67,000 डिग्री अपलोड

नालंदा. शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की दिशा में नालंदा खुला विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अभय कुमार सिंह और डी.जी. लॉकर नोडल अधिकारी डॉ. किरण पाण्डेय ने बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक कर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। कुलसचिव प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने बताया कि अब तक 25,943 डिग्री और 41,198 अंकपत्र सफलतापूर्वक ऑनलाइन अपलोड किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा विश्वविद्यालय की डिजिटल पहल की सफलता को दर्शाता है। कुलसचिव ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य सभी सर्टिफिकेट और मार्कशीट का पूरा डिजिटलाइजेशन करना है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि छात्र-छात्राएं आसानी से अपने दस्तावेजों तक पहुंच सकें। डिजिटलाइजेशन की यह पहल न केवल समय की बचत करेगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ाएगी।" यह कदम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित होगा, जो दूर-दराज के क्षेत्रों से अध्ययन कर रहे हैं और जिनके लिए भौतिक रूप से विश्वविद्यालय पहुंचना चुनौतीपूर्ण है।

पूर्णिया में डायन बताकर 2 महिलाओं की पिटाईः बाल पकड़ कर रेलवे लाइन पर पटकने का आरोप, कहा- गला दबाकर जान से मारने की कोशिश

पूर्णिया. पूर्णिया में डायन बताकर दो महिलाओं की पिटाई का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि उनके ऊपर हमला कर जान से मारने की कोशिश की गई। हमले का आरोप गांव के पड़ोसियों पर है। दोनों ही मामले के. हाट थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने इन मामलों में पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुट गई है। महिला को डायन बताकर इनके साथ दुस्साहस, गालीगलौज और बेरहमी से पीटने का मामला के.हाट थाना क्षेत्र के जनता चौक रेलवे गुमटी इलाके के हनुमानबाग और महाराजी हाता की है। पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए शहर के जनता चौक रेलवे गुमटी इलाके के हनुमानबाग की रहने वाली पीड़िता ने बताया है कि वो अपनी मां के साथ जनता चौक से घर लौट रही थी, इसी दौरान जनता चौक रेलवे गुमटी 3 के पास रहने वाली तीन महिला और एक युवक उसे और उसकी मां के ऊपर डायन कहकर थूक फेंकने लगे। उसने जब इसपर आपत्ति जताई, तो उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी और फिर बाल पकड़ कर रेलवे लाइन पर पटक दिया। जान से मारने की नीयत से गला दबाने लगे। बुजुर्ग मां के बीच बचाव में आने पर दोनों को लात घुसे से पीटा गया। उन्हें पीटता देख आसपास के लोग जमा हुए, उनके हस्तक्षेप से किसी तरह मारपीट शांत हुआ। पहले वे मां को लेकर अस्पताल गई। इलाज के बाद देर शाम वे घरवालों के साथ थाना पहुंचीं और के.हाट थाना की पुलिस में पड़ोसियों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। डायन बताकर महिला की पिटाई से जुड़ा दूसरा मामला भी के.हाट थाना क्षेत्र इलाके की ही है। जनता चौक इलाके के महराजी हाता की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस में दर्ज कराए कंपलेन में कहा है कि पड़ोस में रहने वाली तीन महिला समेत 6 लोग हमेशा उसे डायन कहकर प्रताड़ित करते रहते हैं। विरोध करने पर न केवल उसके साथ गालीगलौज और मारपीट की जाती है, बल्कि उसे देखकर अपशब्द कहते हैं।

इधर, शेखपुरा में डायन का आरोप लगा महिला की गोद में मृत बालक को रख घुमाया

बिहार के शेखपुरा में अंधविश्वास का भयानक खेल देखने को मिला है। यहां एक मृत बालक को जीवित करने के लिए सदर प्रखंड के मुबारकपुर गांव में एक अजीबोगरीब तमाशा किया गया। बालक की मां ने अपनी चचेरी सास पर डायन का आरोप लगाया तथा पुत्र की मौत के लिए उसे जिम्मेवार ठहराया। इतना ही नहीं चचेरी सास की गोद में मृत बालक को रखकर जीवित करने के लिए उसे गांव में घुमाया। करीब तीन घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद भी जब बालक जीवित नहीं हुआ तो थक-हारकर परिजनों ने शव को दफन कर दिया। हालांकि, इस पूरे प्रकरण से पुलिस अनभिज्ञ रही। मेहूंस के थानाध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि इस संबंध में किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। सोशल मीडिया पर इस पूरे प्रकरण का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। विज्ञान के इस युग में अंधविश्वास के इस मामले की चर्चा खूब हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वीणा देवी का दो साल का पुत्र अचानक से गली में खेलने के दौरान बेहोश होकर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। महिला चचेरी सास को डायन बताकर पुत्र को मार देने का आरोप लगाने लगी। ग्रामीणों की भीड़ जमा हुई तो मृत बालक को जीवित करने का खेल शुरू हुआ। इस दौरान मंत्रों का भी जाप किया गया। करीब दो घंटे के अथक प्रयास के बाद भी जब बालक जीवित नहीं हुआ तो गांव के कब्रिस्तान में शव को दफन कर दिया गया। बताया जाता है कि चचेरी सास और पतोहू में एक दिन पहले विवाद हुआ था। इसी विवाद के कारण चचेरी सास को डायन बताया जा रहा था।

चुनाव से पहले यात्रा निकालेगा महागठबंधन, तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी भी दिखेंगे

पटना. बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों का महागठबंधन राज्य में यात्रा निकालने जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के घर बुधवार को इंडिया गठबंधन की बिहार चुनाव को लेकर हुई समन्वय समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस यात्रा में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी के साथ कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी भी नजर आएंगे। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पटना में 1, पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में तीन घंटे तक बैठक चली। इसके बाद मीडिया से बातचीत में राजद नेता ने यात्रा के बारे में जानकारी दी। तेजस्वी ने कहा कि अगले महीने यानी अगस्त 2025 में यह यात्रा निकाली जाएगी। इसके जरिए गठबंधन के नेता बूथ स्तर तक जाएंगे और जनता के बीच मौजूदा एनडीए सरकार की नाकामयाबी को बताएंगे।

महागठबंधन की समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में 70 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट रिवीजन में मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था का बुरा हाल है। इन सभी मुद्दों को लेकर महागठबंधन जनता के बीच जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के बाद यह यात्रा निकाली जाएगी। महागठबंधन के जो बड़े नेता हैं, वो जनता के बीच जाएंगे। इसमें राष्ट्रीय स्तर के नेता शामिल होंगे। हर एक प्रमंडल में यह यात्रा निकाली जाएगी। इसका तारीख और रूट आने वाले दिनों में जारी किया जाएगा। बैठक में मौजूद रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि महागठबंधन की यात्रा में पार्टी के वरीय नेता राहुल गांधी भी शामिल होंगे। प्रमंडल स्तर पर वृहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तेजस्वी ने भी कहा कि राहुल गांधी से उनकी इस बारे में बात हुई है। उन्होंने यात्रा में शामिल होने के लिए सहमति दी है।

मुकेश सहनी को एनडीए बुला रहा है; संतोष बोले- तेजस्वी 60 सीट देंगे नहीं

एक तरफ लोजपा-आर के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान कह रहे हैं कि उनको बिहार बुला रहा है तो दूसरी तरफ चिराग के खिलाफ मोर्चा खोल रखे जीतनराम मांझी के बेटे और नीतीश सरकार में मंत्री संतोष सुमन वीआईपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी को एनडीए में बुला रहे हैं। संतोष सुमन ने कहा है कि तेजस्वी यादव महागठबंधन के सीट बंटवारे में मुकेश सहनी को 60 सीट देने वाले नहीं हैं इसलिए उनके लिए बेहतर है कि वो वापस लौट आएं क्योंकि उनका समाज भी एनडीए के साथ है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के बेटे एवं नीतीश सरकार में मंत्री संतोष सुमन ने बुधवार को एक चैनल से बातचीत में मुकेश सहनी को एनडीए में वापस आने का न्योता दिया। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन में अंदर कुछ और ही मामला चल रहा है। सहनी का एनडीए से मन भर गया है। उन्हें महागठबंधन में 60 सीटें नहीं मिलने वाली हैं। सुमन ने कहा कि सहनी के लिए एनडीए ही बेहतर है। उनके समाज को आगे बढ़ा सकता है। मुझे खुशी होगी कि अगर वो एनडीए के साथी बनते हैं और बिहार के विकास में साथ चलते हैं। वहीं, हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर एक बार फिर तंज कसा। उन्होंने चिराग से कहा कि अगर उनकी बिहार आने की इच्छा है तो निश्चित रूप से अब उनको केंद्र की जिम्मेदारी छोड़ देनी चाहिए। जनता में विश्वास जगाना होगा कि हम दो नाव पर नहीं है, एक नाव पर सवार हैं। चिराग के बिहार चुनाव लड़ने पर सुमन ने कहा कि लोकतंत्र में किसी को रोका नहीं जा सकता। चिराग बिहार आने के लिए

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका
लैंड फॉर जॉब केस में कार्यवाही पर रोक से इनकार

पटना. नौकरी के बदले जमीन देने (लैंड फॉर जॉब) के मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को फिर झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू की ओर से निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया गया है। शीर्ष अदालत ने लालू की ओर से दायर याचिका का बुधवार को निपटारा कर दिया और कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट में इस संबंध में याचिका लंबित है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की ओर से अधिवक्ता मुदित गुप्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की गई थी। इसमें ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को 12 अगस्त तक स्थगित करने की मांग की गई थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश एवं जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि निचली अदालत का आरोप तय करना, हाई कोर्ट में लंबित याचिका के फैसले पर निर्भर करेगा। लोअर कोर्ट में आरोप तय होते ही उच्च न्यायालय में लंबित याचिका बेकार हो जाएगी। बता दें कि बीते 18 जुलाई को भी सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई पर रोक लगाने

से इनकार कर दिया था। लालू की ओर से शीर्ष अदालत में दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले के चुनौती दी गई थी, जिसमें निचली अदालत द्वारा मुकदमा चलाने पर रोक लगाने की मांग खारिज की गई थी। दरअसल, लालू यादव और उनके परिवार के अन्य सदस्यों समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने का आरोप है। यह मामला साल 2004 से 2009 के बीच का है जब लालू रेल मंत्री हुआ करते थे। आरोप हैं कि रेलवे में ग्रुप डी के पदों पर कई लोगों को नियमों की अनदेखी करते हुए नौकरियां दी गई थीं, इसके बदले में लालू परिवार और करीबियों के नाम पर जमीनें लिखवाई गई थीं। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है और दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

44.03 करोड़ की लागत से होगा मंदिर का विकास

दरभंगा. दरभंगा में जिला प्रशासन की ओर से बाबा कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण व अंतिम सोमवारी मेला की तैयारी चल रही है। इसको अंतिम रूप देने के लिए जिलाधिकारी कौशल कुमार व वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी ने संयुक्त रूप से मंदिर परिसर का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों वरीय अधिकारियों ने बाबा कुशेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना कर दरभंगा जिला वासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। 44.03 करोड़ रुपए की लागत से बाबा कुशेश्वरस्थान मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास काम किया जाना है। इस परियोजना में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूजा-अर्चना स्थल, स्नान घाट, धर्मशाला, शादी मंडप, पार्किंग एरिया आदि के विकास का प्रावधान है। जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्माण काम को तेजी से पूरा किया जाए। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने मंदिर परिसर में जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए फिलहाल पंपिंग सेट लगाने का निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान नव-निर्मित धर्मशाला के संभावित स्थल का भी अवलोकन किया गया।

2 महीने में 29 हजार महिलाओं को नौकरी देगी नीतीश सरकार : स्वास्थ्य मंत्री

पटना. बिहार की नीतीश सरकार चुनावी साल में नौकरी और रोजगार पर कई कदम उठा रही है। इस बीच स्वास्थ्य विभाग में 29 हजार महिलाओं की बहाली होने वाली है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले 2 महीने के भीतर यानी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 29 हजार से ज्यादा आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद आशा कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़कर सवा लाख हो जाएगी। नीतीश सरकार ने बुधवार को ही इनके मानदेय में तीन गुना की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि 29 हजार आशा कार्यकर्ताओं की बहाली चल रही है। इसे 2 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में करीब 95 हजार आशा कार्यकर्ता कार्यरत हैं। इस तरह नई नियुक्ति के बाद इनकी संख्या सवा लाख हो जाएगी। वहीं राज्य में 4600 ममता कार्यकर्ता हैं।

बता दें कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं। खासकर गांवों में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं बच्चों की देखभाल के साथ ही मांओं के प्रसव, बच्चों के टीकाकरण, परिवार नियोजन समेत अन्य कामों को लेकर जागरूकता फैलाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ा, 1 जुलाई से प्रभावी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार सुबह ही आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय को 1000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करने का ऐलान किया। इसके साथ हा ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव अब 300 रुपये की जगह 600 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सीएम ने कहा कि कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए यह निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री पांडेय ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। लंबे समय से इनकी प्रोत्साहन राशि बढ़ाने को लेकर विभाग प्रयासरत था। बढ़ी हुई राशि 1 जुलाई 2025 की तारीख से ही प्रभावी कर दी गई है।

मोतिहारी में पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काट कर मार डालाः पुलिस ने दो घंटे में दबोचा

मोतिहारी. मोतिहारी के पिपरा कोठी थाना क्षेत्र के झखरा गांव में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पत्नी के कथित अवैध संबंधों से नाराज पति ने कुल्हाड़ी से मारकर कर पत्नी की हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने महज दो घंटे में गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पहचान डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के खेदलपुरा गांव निवासी 30 वर्षीय मालती देवी के रूप में हुई है। उनकी शादी करीब 7 साल पहले सुबोध माझी से हुई थी। दोनों के बीच रिश्ते लंबे समय से ठीक नहीं थे। मालती देवी अपने मायके में रह रही थीं। दंपति का एक पांच साल का बेटा

भी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबोध माझी पांच दिन पहले अपनी ससुराल आया था और घर के बाहर सो रहा था। इसी दौरान उसने अपनी पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इससे गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी उठाई और मालती देवी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी जितेश पांडे के नेतृत्व में पिपरा कोठी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने फौरन कार्रवाई करते हुए आरोपी को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बनकट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि, "प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी ने पत्नी के कथित अवैध संबंधों के कारण क्रोध में आकर यह कदम उठाया। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।"

देवघर से लौट रहे बस से भिड़ी तेज रफ्तार बाइकः कटिहार में अररिया निवासी युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कटिहार. बुधवार को कटिहार के कुर्सेला राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस और बाइक के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार कांवरिया अररिया निवासी उमेश कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरा कांवरिया विक्की कुमार बुरी तरह से जख्मी हो गया है। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि देवघर से अररिया निवासी दोनों कांवरिया अपनी बाइक से घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पूर्णिया से भागलपुर की ओर जा रही स्टेट बस ने कुर्सेला गोपाल ढाबा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर दोनों बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। दोनों कांवरियों के सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उमेश कुमार को मृत घोषित कर दिया। दूसरे कांवरिया 30 वर्षीय विक्की कुमार (पिता दिलीप कुमार सिंह) की स्थिति अभी भी नाजुक बताई जा रही है। चिकित्सक उनका इलाज कर रहे हैं।

रिया के साथ मारपीट, कहा- पुलिस ने घर में घुसकर प्रेग्नेंट महिलाओं को पीटा

पटना. पैड गर्ल के नाम से मशहूर रिया पासवान ने पटना पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर चुकी रिया ने कहा, 'मंगलवार रात 2 बजे पुलिस घर में घुसी थी। करीब आठ पुलिसकर्मी थे, इनमें एक बिना वर्दी के थे। इनके साथ सिर्फ एक महिला पुलिसकर्मी थी।' रिया ने बताया कि 'पुलिस ने घर में घुसकर हमारे साथ मारपीट की, तोड़ फोड किया। प्रेग्नेंट महिलाओं को मारा। इस दौरान मेरे कपड़े फाड़े गए और मारा गया। घर से मेरे भाई को घसीटकर ले गए।' 'पुलिसकर्मियों ने पड़ोसियों को भी धमकाया और कहा कि कोई भी वीडियो बनाएगा तो जेल भेज देंगे, इसलिए किसी ने हमारी मदद नहीं की।'

सीसीटीवी लगवाने के लिए डीएम को दिया था आवेदन

रिया पासवान ने बताया कि 'मैं समाज सेवा करती हूं। कमला नेहरू नगर में स्लम एरिया में रहती हूं। वहां खुलेआम सूखा नशा चलता है, बच्चा चोरी, बलात्कार की घटनाएं भी होती है। मैं महिलाओं के लिए आवाज उठाती हूं। इस कारण मुझे धमकी भी मिलती है।' 'इसे लेकर मैंने चार दिन पहले एसपी दीक्षा को आवेदन दिया था। सीसीटीवी लगवाने के लिए डीएम को आवेदन भी लिखा था। इससे लोकल थाना नाराज हो गया है, क्योंकि कैमरा लगने पर अब वह पैसा उगाही नहीं कर पाएंगे।'

कोतवाली थानाध्यक्ष राजन कुमार ने कहा, 'दानापुर की पुलिस कमला नेहरू नगर एक अपहरण के अभियुक्त की गिरफ्तारी करने कोतवाली पुलिस के साथ गई थी, लेकिन वहां अभियुक्त के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। पुलिस के साथ गाली गलौज और बदसलूकी की गई। दानापुर थाना के पुलिस पदाधिकारी ब्रजेश कुमार ने विरोध करने वाले के खिलाफ लिखित आवेदन दिया है।'

गयाजी में राहुल गांधी से की थी मुलाकात

गयाजी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नारी शक्ति संवाद के दौरान रिया पासवान ने उनसे मुलाकात की थी। रिया ने उनके सामने खुलकर अपनी सोच साझा की थी। रिया ने राहुल गांधी के सामने इच्छा जाहिर की थी कि वह भी शादी नहीं करना चाहती है और राजनीति में आना चाहती है। शादी नहीं करने के पीछे मकसद यही है कि यदि शादी कर लेंगे तो फिर अपने परिवार और अपने बच्चों के बीच सिमट कर रह जाएंगे। यदि शादी नहीं करेंगे तो फिर समाज के लिए काम कर सकेंगे।

तीन साल पहले आईएएस से पैड पर पूछा था सवाल

27 सितंबर 2022 की बात है जब महिला विकास निगम (डब्ल्यूडीसी) और UNICEF की ओर से महिला सशक्तिकरण पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। इसका नाम था सशक्त बेटी, समृद्ध बिहार। इसमें स्कूल-कॉलेज के बच्चों को बुलाया गया था। रिया इस कार्यक्रम से सुर्खियों में आई थीं। कार्यक्रम में उन्होंने स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को फ्री सैनिटरी नैपकिन देने की मांग उठाई थी। रिया ने तत्कालीन महिला विकास निगम की एमडी, आईएएस हरजोत कौर बम्हरा से पैड पर सवाल पूछा था और उन्होंने इसपर एक विवादित बयान दे दिया था।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, गुरुवार, 31 जुलाई, 2025

6

www.ksnewsupdates.com

ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा में किसी सवाल का जवाब नहीं?

लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर चल रही बहस मंगलवार को समाप्त हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में जवाब दिया। विपक्षी द्वारा जो सवाल उठाए गए थे. उसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष ने जहां एक-एक मुद्दे पर सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया। वहीं सरकार ने 1948 से लेकर मनमोहन सिंह के कार्यकाल के पीछे छुपकर विपक्षी सांसदों ने जिन सवालों के जवाब सरकार से मांगे थे। वह उन्हें सदन में नहीं मिले। ऑपरेशन सिंदूर की 16 घंटे की बहस में विपक्ष ने सत्ता पक्ष की जवाबदेही को लेकर कई गंभीर प्रश्न किये थे। 'विशेष चर्चा' के नाम से संसद में पहली बार चर्चा की गई। 'स्पेशल डिस्कशन' जैसी कोई प्रक्रिया का उल्लेख नियमों एवं परंपरा में नहीं है। विपक्ष ने शुरुआत में आपत्ति जताई थी, बहस किसी नियम या परंपरा के स्थान पर सरकार ने नए ढंग से सदन में चर्चा कराई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान जिसमें उन्होंने कहा यदि विपक्षी सांसद शांत नहीं रहे, तो कल सत्ता पक्ष के सांसद भी राहुल गांधी को बोलने नहीं देंगे। ऐसी धमकी बहुत कम सुनने को मिलती है। विपक्ष, विदेश मंत्री के भाषण पर आपत्ति कर रहा था। अमित शाह का यह बयान संसद की गरिमा और स्पीकर की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के भाषण की बात करें, तो उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले, भारत-पाक युद्धविराम और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया. उनका 40 से 50 मिनट का भाषण ज्वलंत सवालों के जवाब के बजाय, जवाब ने और उलझा दिया। उन्होंने कहा 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। बाद में भी सरकार की ओर से जिन वक्ताओं ने जवाब दिए उसमें से चीन और ट्रंप पूरी तरह से गायब रहे। विदेश मंत्री ने अगर बातचीत नहीं हुई तो डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे पहले ट्वीट कर युद्धविराम की जानकारी दी? इसका भी जवाब नहीं दिया। विपक्षी सांसदों ने ट्रंप द्वारा विभिन्न मंचों से करीब 26 बार युद्ध विराम ट्रेड के आधार पर कराने का दावा किया. इसके बाद भी सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया. विपक्ष द्वारा आपत्ति किए जाने पर अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, विपक्ष को अपने विदेश मंत्री पर भरोसा करना चाहिए.वह शपथ लेकर आए हैं।

राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया। नाहि विपक्ष ने किसी सवाल का सीधा जबाब नहीं दिया। प्रियंका गांधी ने बड़े आक्रामक ढंग से सदन में अपनी बात रखी, पिन पॉइंट सवाल पूछे, उन्होंने अपने पिता की शहादत और मां की वेदना का भी जिक्र किया। सरकार की ओर से जवाब नहीं मिलने से विपक्ष को हमलावर होने का अवसर मिला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में जिस आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी। देश में राहुल गांधी की नई छवि सामने आई है। सीमित समय पर उन्होंने तथ्यों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर सीधे वार किये। सदन में राहुल गांधी अपना पक्ष रख रहे थे. उन्हें बड़े ध्यान से सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद सुन रहे थे। संसद में राहुल गांधी ने जिस तरह हाव भाव के साथ हिंदी अंग्रेजी में अपना पक्ष रखा। उसके बाद अब कोई उन्हें पप्पू नहीं कहेगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में लगभग 2 घंटे का अपना सबसे लंबा भाषण दिया. उन्होंने भी विपक्ष के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया. उलटे 1948 से लेकर 2014 तक के इतिहास को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर हमलावर रहे. ऑपरेशन सिंदूर में हो रही विशेष बहस के दौरान सत्ता पक्ष के बीच में वह जोश खरोश देखने को नहीं मिला. जो प्रधानमंत्री की उपस्थिति में देखने को मिलता था। प्रधानमंत्री के भाषण में भी वह आकर्षण नहीं था, जो पहले होता था। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी खासियत यह रही, विपक्ष को अपनी बात कहने और रिकॉर्ड पर लाने का मौका मिला। गृहमंत्री और विदेश मंत्री का इस्तीफा भी विपक्ष ने मांग लिया। यह बहस बिना किसी नियम कानून के हो रही थी. विपक्ष के प्रस्ताव पर सबसे पहले सदन के अंदर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले/ समापन भाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ। जिसके कारण विपक्ष को जवाब नहीं मिलने के बाद भी वह सदन में खड़े होकर अपनी बात नहीं रख पाए। अब यह देखना दिलचस्प होगा, राज्यसभा में होने वाली चर्चा में क्या सरकार की ओर से कोई जवाब सामने आता है। इतना तय है "ऑपरेशन सिंदूर" सुरक्षा से जुड़ा अभियान नहीं रहा, एक कूटनीतिक और राजनीतिक मंथन का विषय बन गया है। विपक्षी सदस्यों का विशेष रूप से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से सरकार को ऑपरेशन सिंदूर की बहस में घेरा है। उसमें विपक्ष का जो आत्मविश्वास झलक रहा था। बहुत लंबे समय के बाद सदन में इस तरह की बहस देखने और सुनने को मिली है। इसके साथ सरकार आपरेशन सिंदूर का जो फायदा बिहार चुनाव में लेने जा रही थी। विपक्ष ने उसमें पलीता लगा दिया है।

मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है।

ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

> "अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए है। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुकसान हो परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए। भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है।"

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की "वसुधैव कुटुंबकम", "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" एवं "सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामयाः" जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुकसान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुकसान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशानियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि "पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इससे से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन्न हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनाएं सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं।" हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए है। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुकसान हो परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए। भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है।

जन-जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

> "राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है।"

श्वेता गोयल

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे। तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में ढालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। 'रामचरितमानस' सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है।

राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है। तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तुलसीदास की रचनाएं भारतीय समाज में आत्मबल, सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक एकता का संचार करने वाली साबित हुई। उन्होंने धर्म और संस्कृति को लोकभाषा के माध्यम से इस तरह जनमानस में प्रवाहित किया कि वह सामाजिक क्रांति का माध्यम बन गई। उनके समय में जब ब्राह्मणवादी संस्कृत को ही धर्म और विद्या का माध्यम माना जाता था, तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को माध्यम बनाकर जनसामान्य को आध्यात्मिकता से जोड़ा और भक्ति को जन आंदोलन बनाया। तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वभर में रामकथा और तुलसी साहित्य का अनुकरण किया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में रामचरितमानस का पाठ, रामलीलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। तुलसीदास के राम न केवल हिन्दुओं के आराध्य हैं बल्कि वे न्याय, धर्म, करुणा और विवेक के वैश्विक प्रतीक बन चुके हैं। तुलसीदास का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि एक संत, एक कवि और एक साधक किस प्रकार से साहित्य और भक्ति के माध्यम से जनचेतना को जागृत कर सकता है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि समाज-सुधारक, अध्यात्म-प्रणेता और सांस्कृतिक योद्धा भी थे। उन्होंने शब्दों की शक्ति से एक ऐसे भारत की रचना की, जिसकी आत्मा आज भी रामभक्ति में रमी हुई है। उनका साहित्य न केवल भक्ति का मार्ग दिखाता है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, आदर्श और अनुशासन का संदेश भी देता है। तुलसीदास की जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, यह उस कालजयी चेतना का उत्सव है जिसने हिंदी साहित्य को उसका गौरव दिलाया, जिसने समाज को भक्ति और नीति का आधार प्रदान किया और जिसने एक ऐसे राम को जनमानस में प्रतिष्ठित किया, जो केवल मंदिरों में नहीं बल्कि प्रत्येक हृदय में बसते हैं। इस अवसर पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि तुलसीदास का जीवन और साहित्य केवल भूतकाल की विरासत नहीं अपितु वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश है। उनकी रचनाओं में वह शक्ति है, जो मानव को आत्म-चिंतन, आत्म-निर्माण और आत्म-समर्पण की ओर प्रेरित करती है। यही कारण है कि युग बदलते गए पर तुलसीदास की काव्यधारा अविरल बहती रही और आगे भी बहती रहेगी। उनके शब्दों में राम के आदर्श हैं, जीवन का सत्य है और भक्ति का वह अमृत है, जो युगों तक अमर रहेगा।

भारत में बुजुर्गों का तिरस्कार कब खत्म होगा?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत ही एक ऐसा संस्कारी सभ्यता का प्रतीक सर्वधर्म समभाव महा मानवों का देश है जहां, माता-पिता बड़े बुजुर्गों की आज्ञा को ईश्वर की रजा व आदेश मानने वालों का यह देश आज पाश्चात्य वैचारिकता की ओर बढ़ गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र जब तीन दिन पहले प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग माँ के परिजनों द्वारा उसे सड़क के कोने में फेंक कर भागने व 25 जुलाई 2025 को उन्हें अस्पताल में बचाने की काफी कोशिशों के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई,मां को फेंक भागने का वीडियो देखकर भारत के संस्कारी लोगों का दिल पसीज गया,मैं भी सीसीटीवी वीडियो देखकर रो पड़ा,फेंकने वाले संभ्रात परिवार के दो महिला व एक पुरुष दिखाई दे रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक ऑटो से आए थे, बुजुर्ग मां को एक ने दोनों हाथो व दूसरे ने दोनों पैरों से पकड़कर रोड किनारे फेक कर उसको चादर डालकर भाग गए। मेरा मानना है यह सीसीटीवी वीडियो देखकर सबका खून खौल उठा होगा। संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जो 21 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस आर्टिकल के माध्यम से मैं केंद्र सरकार व सभी पार्टीयों के सभी राज्यसभा व लोकसभा सांसदों से हृदयपूर्वक मार्मिक अपील करना चाहता हूं कि, ताबतोड़ इसी हफ्ते संसद में माता-पिता सीनियर सिटीजन (अत्याचार अपमान व दुर्व्यवहार निवारण) विधायक 2025 बनाकर पेश करें, व सभी मिलकर लोकसभा में 543/0 व राज्यसभा में 245/0 के रिकॉर्ड तोड़ समर्थन से यह बिल पारित कर पूरे विश्व में एक उदाहरण पेश करें, तो भारत सहित पूरी दुनियाँ खुश हो जाएगी। मैं युवाओं से कहना चाहूंगा कि आज भारत भले ही युवाराष्ट्र है, परंतु एक रिपोर्ट के अनुसार 25 वर्षों के बाद भारत में 60 प्लस की संख्या अधिक होगी, जिसमें आज के सभी युवा शामिल होंगे। आज बुजुर्गों की स्थिति यह है कि 77 परसेंट बुजुर्गों के साथ भावनात्मक मौखिक दुर्व्यवहार, 24 परसेंट से शारीरिक दुर्व्यवहार होता है, तो 27 परसेंट आर्थिक शोषण व 50 परसेंट की उपेक्षा होती है।आज वर्तमान कानून माता-पिता वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण (संशोधित) अधिनियम 2019 व 2007 में बनाए गए माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं,क्योंकि आज करीब 12 परसेंट बुजुर्गों को ही इन कानूनों के बारे में जानकारी है,ऐसी रिपोर्ट कहती है। मेरी अपील है कि मेरे द्वारा सुझाए गए उपरोक्त विधेयक में हत्या सामूहिक रेप व देशद्रोह की धाराओं के समतुल्य सजा का प्रावधान करना जरूरी हो गया है। अयोध्या एसपी का इंटरव्यू मैंने देखा तो पता चला पूरी तेज रफ्तार से जांच जारी है।महिला का फोटो जारी कर आरोपियों का पता बनाने बताने वालों के लिए इनाम की घोषणा की गई है। 25 किलोमीटर के दायरे में सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं अनेक पुलिस टीमें बनाई गई है, परंतु मेरा मानना है,आरोपी पकड़े जाने के बाद भी कानून की खामियों से शीघ्र ही जमानत व केस ट्रायल होने के बाद पूरी तरह छूट जाने की संभावना है, जिसका संज्ञान माननीय सभी सांसदों को लेना चाहिए, व सभी राज्यों को भी अपने-अपने स्तर पर एक सख्त कानून बनाने की जरूरत है।चूंकि रामनगरी अयोध्या में शर्मसार हुई मानवता, 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को संभावित परिवार वालों ने लावारिस फेंककर भागे, सीसीटीवी में कैद हुई हृदय विधायक घटना,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में बुजुर्गों का तिरस्कार कब खत्म होगा? राम शर्मिंदा है,अयोध्या में संभावित परिवारजनों द्वारा सड़क पर माँ को फेंक भगा निकले, माँ दम तोड़ गई।

साक्षात्कार: कभी सोचा नहीं था कि एक दिन अभिनेता बनूंगा' : सिद्धांत चतुर्वेदी

सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कठिन रास्तों से गुजरने की कहानी है धड़क-2

2018 में रिलीज हुई फिल्म धड़क ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली थी। अब उसी संवेदनशील भावभूमि पर आधारित इसका अगला भाग धड़क-2 एक और दिल को छू जाने वाली प्रेम कहानी लेकर आ रहा है। इस बार फिल्म का निर्देशन शाजिया इक़बाल ने किया है और मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी। फिल्म में प्रेम, सामाजिक भेदभाव और आत्म-संघर्ष जैसे मुद्दों को बेहद मार्मिक और संवेदनशील तरीके से पेश किया गया है। 'धड़क-2' एक अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म की रिलीज से पहले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को एक इंटरव्यू में इस फिल्म और अपने करियर को लेकर खुलकर बातचीत की। पेश हैं। इस खास बातचीत के कुछ प्रमुख अंश...

Q. फिल्म में काम करने का प्रस्ताव मिलने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जब मैंने इस फिल्म की कहानी पहली बार सुनी, तब इसका कोई नाम नहीं था। यह अनटाइटल्ड थी, लेकिन इसकी कहानी इतनी गहराई और प्रभाव से भरी हुई थी कि मैंने और तृप्ति, दोनों ने बिना देर किए हामी भर दी। यह महज़ एक रोमांटिक कहानी नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक भेदभाव की कई परतें भी जुड़ी हैं। मेरे लिए यह फिल्म एक आध्यात्मिक यात्रा जैसी है, जो दो अलग-अलग जातियों से आने वाले किरदारों के प्रेम को बेहद संवेदनशीलता के साथ दर्शाती है। मुझे लगा कि इस कहानी में कुछ कहने लायक है, कुछ महसूस करने लायक है और यही बात मुझे इससे जुड़ने के लिए प्रेरित कर गई।

Q. क्या आज के युवा दर्शक इस कहानी से जुड़ पाएंगे?

बिलकुल! मैं तो यह पूरे विश्वास के साथ कहूंगा कि 'धड़क-2' हर उस युवा की कहानी है, जो अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कठिन रास्तों से गुजरता है। यह सिर्फ एक प्रेम कथा नहीं, बल्कि एक ऐसे सफर की झलक है, जो भारत के लाखों युवाओं के दिल की बात कहती है। जब कोई युवा अपने गांव या छोटे कस्बे से बड़े शहर की ओर कदम बढ़ाता है, तो उसके भीतर ढेर सारी उम्मीदें और एक नया जीवन गढ़ने का जुनून होता है। वो यह उम्मीद करता है कि उसकी पहचान, उसकी जाति या उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि उसके लिए कोई बाधा नहीं बनेगी। वह चाहता है कि उसे एक इंसान की तरह देखा जाए, उसकी काबिलियत और भावनाओं को समझा जाए, ना कि उसे उसके नाम या ठिकाने से परिभाषित किया जाए। यह फिल्म उन्हीं जज़्बातों, संघर्षों और सवालों का आइना है। इसमें न केवल प्रेम की मासूमियत है, बल्कि उस सामाजिक ढांचे की जटिलताएं भी हैं, जो अक्सर इंसानों को बाँटने का काम करती हैं। मुझे लगता है कि आज का युवा इन विषयों को लेकर बेहद जागरूक है। वह समानता और सम्मान की तलाश में है, और यही वजह है कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म उनके दिल को छुएगी। 'धड़क-2' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक दस्तावेज़ है, जिसमें हर संवेदनशील दर्शक खुद को खोज पाएगा।

Q. क्या आपने कभी थिएटर भी किया है?

स्कूल के दिनों में मैंने कुछ थिएटर परफॉर्मेंस जरूर की थीं, लेकिन वो काफी सीमित थीं। मैंने बहुत ज़्यादा मंच पर अभिनय नहीं किया। सच कहूं तो, उस समय मुझे कभी यह एहसास नहीं हुआ था कि मैं एक दिन अभिनेता बन जाऊंगा। हां, मुझे नई चीज़ों को आज़माने और खुद को चुनौती देने में हमेशा मज़ा आता रहा है। यही उत्सुकता शायद धीरे-धीरे मुझे अभिनय की ओर ले आई। जब भी मुझे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है, तो मैं उसमें पूरी तरह डूबने और उसे ईमानदारी से जीने की कोशिश करता हूं। मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है, अभी लंबा सफर तय करना है, बहुत कुछ सीखना और समझना बाकी है। मैं खुद को हर दिन एक विद्यार्थी की तरह देखता हूं, जो हर नए अनुभव से कुछ न कुछ सीख रहा है।

Q. आज के समय में 'आदर्श प्रेम कहानी' जैसी कोई चीज मौजूद है?

मेरे लिए तो आदर्श प्रेम कहानी की तलाश आज भी जारी है। मैं हमेशा से इस बात में विश्वास करता आया हूं कि प्यार इस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ज़रूरी भावना है, इसके बिना जीवन कहीं न कहीं अधूरा लगता है। ज़रूरी नहीं कि पहला प्यार ही आखिरी या सच्चा हो। कई बार हम ज़िंदगी में अलग-अलग लोगों से मिलते हैं, उनसे कुछ अनुभव लेते हैं, और फिर कहीं जाकर कोई ऐसा मिलता है जो वाकई हमारे लिए बना होता है, जो हमें पूरी तरह समझता है और स्वीकार करता है।आज की पीढ़ी को चाहिए कि वो प्रेम को केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी और एक यात्रा के रूप में समझे। उसे निभाना आना चाहिए, सच्चे मन से, ईमानदारी से। मेरा मानना है कि अगर आप खुद के प्रति सच्चे हैं, अपनी भावनाओं के प्रति ईमानदार हैं, तो सच्चा प्यार एक न एक दिन ज़रूर आपकी ज़िंदगी में दस्तक देगा। मैं इसी सोच में यकीन करता हूं और आज भी उसी प्यार की राह देख रहा हूं, जो सिर्फ दिल से जुड़ता है, किसी शर्त या स्वार्थ के बिना।

'सन ऑफ सरदार-2' की राह में रोड़ा बनी 'सैयारा'

अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए चेहरों से सजी 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी तूफानी दस्तक दी कि किसी को इसकी उम्मीद नहीं थी। फिल्म ने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया और इसकी जबरदस्त सफलता को देखते हुए अजय देवगन तक को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' की रिलीज डेट आगे खिसकानी पड़ी। अब जब 'सैयारा' का जलवा कायम है, तो एक अगस्त को तय की गई नई रिलीज डेट पर भी असमंजस के बादल मंडराने लगे हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो अजय देवगन और उनकी टीम की योजना 'सन ऑफ सरदार-2' को देशभर में लगभग 3,500 स्क्रीन्स पर रिलीज करने की थी। लेकिन अब यह आंकड़ा घटकर 2,500 स्क्रीन्स तक सिमटने की आशंका जताई जा रही है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह है 'सैयारा' और 'महावतार नरसिम्हा' जैसी फिल्मों का ज़बरदस्त प्रदर्शन। दोनों ही फिल्में फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही हैं और थिएटर मालिकों को अच्छा मुनाफा दे रही हैं। ऐसे में सिनेमाघर इन्हें हटाने के मूड में फिलहाल नहीं हैं, जिससे अजय की फिल्म की स्क्रीन शेयरिंग पर सीधा असर पड़ सकता है।

सूत्रों की मानें तो 'सन ऑफ सरदार-2' के डिस्ट्रीब्यूटर्स की मांग है कि फिल्म को कुल शो टाइमिंग्स का 60 प्रतिशत हिस्सा मिले, लेकिन थिएटर मालिक इस पर पूरी तरह सहमत नहीं हैं। फिलहाल, अधिकतर सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर सिर्फ दिन में दो शो देने को तैयार हैं, जबकि नॉन-नेशनल चेन सिनेमा हॉल्स भी इसी दिशा में झुकते नजर आ रहे हैं। वहीं, पीवीआर इनोक्स जैसे प्रमुख मल्टीप्लेक्स ग्रुप्स ने इस असंतुलन पर नाराजगी जाहिर की है और स्थिति को लेकर चिंता जताई है। फिलहाल निर्माता और थिएटर मालिकों के बीच बातचीत का दौर जारी है और उम्मीद की जा रही है कि आखिरी क्षणों में कोई ठोस समझौता हो सकता है। फिलहाल तो इतना कहना गलत नहीं होगा कि 'सैयारा' ने 'सन ऑफ सरदार 2' के रास्ते में बड़ी दीवार खड़ी कर दी है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' ने 'सन ऑफ सरदार-2' के आसपास मचे शोरगुल से खुद को दूर रखने के लिए एक अलग राह चुनी है। फिल्म महज 1,000 स्क्रीन्स पर रिलीज की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, निर्माता करण जौहर इस सीमित रिलीज से पूरी तरह संतुष्ट हैं। वह इसे एक टारगेटेड स्ट्रैटेजी के रूप में देख रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे धर्मा प्रोडक्शंस ने पहले 'केसरी-2' के साथ अपनाई थी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की 'परम सुंदरी' अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

फिल्मी पर्दे पर जल्द ही कई नई जोड़ियां नजर आने वाली हैं और उन्हीं में से एक है सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की जोड़ी। दोनों पहली बार साथ नजर आएंगे फिल्म 'परम सुंदरी' में। इस फिल्म को पहले 25 जुलाई को रिलीज किया जाना था, लेकिन अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' से टक्कर टालने के लिए मेकर्स ने इसकी रिलीज फिलहाल के लिए टाल दी थी। हालांकि उस वक्त फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा नहीं हुई थी, मगर अब मेकर्स ने नई तारीख का ऐलान कर दिया है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'परम सुंदरी' अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसकी घोषणा प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "दिनेश विजान लेकर आ रहे हैं साल की सबसे दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी 'परम सुंदरी'। देखिए इसे 29 अगस्त से सिर्फ सिनेमाघरों में।"

'परम सुंदरी' का टीजर मई में रिलीज किया गया था, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा उत्तर भारत के लड़के परम के किरदार में नजर आए थे, जबकि जाह्नवी कपूर को एक साउथ इंडियन लड़की सुंदरी के रूप में पेश किया गया था। टीज़र में सोनू निगम की आवाज में एक खूबसूरत गाने की झलक भी देखने-सुनने को मिली थी। टीज़र के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, हालांकि अब भी फिल्म के बड़े पर्दे पर उतरने के लिए दर्शकों को थोड़ा और इंतज़ार करना होगा।

'परम सुंदरी' का निर्माण कर रहे दिनेश विजान पहले ही 'स्त्री-2' और 'छावा' जैसी हिट फिल्मों से अपना जादू दिखा चुके हैं। इस बार वो दर्शकों के सामने एक नई और दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। कहानी उत्तर भारत के रहने वाले परम और दक्षिण भारत की सुंदरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दो अलग-अलग संस्कृतियों से होने के बावजूद एक-दूसरे से दिल लगा बैठते हैं। सिद्धार्थ और जाह्नवी की ये रोमांटिक जोड़ी दर्शकों को एक अनोखे प्रेम सफर पर ले जाने वाली है।

इस प्रकार महादेव होंगे प्रसन्न

कालों के काल महाकाल शिव शंकर की महिमा से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं। कहते हैं कि देवों के देव महादेव को प्रसन्न करना बहुत आसान है। इनकी पूजा पूरी श्रद्धा और भाव से की जाए तो आप पर भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी। सावन में तो भागवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है।

इस शिव स्तुति से करें प्रभु के हर रूप का ध्यान। जय शिवशंकर, जय गंगाधर, करूणाकर करतार हरे। जय कैलाशी, जय अविनाशी, सुखराशी सुखसार हरे। जय शशिशेखर, जय डमरूधर, जय जय प्रेमागार हरे। जय त्रिपुरारी, जय मदहारी, नित्य अनन्त अपार हरे। निर्गुण जय जय सगुण अनामय निराकार साकार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। जय रामेश्वर, जय नागेश्वर, वैद्यनाथ, केदार हरे। मल्लिकार्जुन, सोमनाथ, जय महाकार, ओंकार हरे। जय त्रयम्बकेश्वर, जय भुवनेश्वर, भीमेश्वर, जगतार हरे। काशीपति श्री विश्वनाथ जय मंगलमय अधहार हरे। नीलकंठ, जय भूतनाथ, जय मृतुंजय अविकार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। भोलानाथ कृपालु दयामय अवढर दानी शिवयोगी। निमिष मात्र में देते है नवनिधि मनमानी शिवयोगी। सरल हृदय अति करूणासागर अकथ कहानी शिवयोगी। भक्तों पर सर्वस्व लुटाकर बने मसानी शिवयोगी।

स्वयं अकिंचन जन मन रंजन पर शिव परम उदार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।

आशुतोष इस मोहमयी निद्रा मुझे जगा देना। विषय वेदना से विषयों की मायाधीश छुड़ा देना। रूप सुधा की एक बूद से जीवन मुक्त बना देना। दिव्य ज्ञान भण्डार युगल चरणों की लगन लगा देना। एक बार इस मन मन्दिर में कीजे पद संचार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। दानी हो दो भिक्षा में अपनी अनपायनी भक्ति विभो।

शक्तिमान हो दो अविचल निष्काम प्रेम की शक्ति प्रभो। त्यागी हो दो इस असार संसारपूर्ण वैराग्य प्रभो।

परम पिता हो दो तुम अपने चरणों में अनुराग प्रभो। स्वामी हो निज सेवक की सुन लीजे करूण पुकार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।

तुम बिन व्यकुल हूं प्राणेश्वर आ जाओ भगवन्त हरे। चरण कमल की बॉह गही है उमा रमण प्रियकांत हरें।

विरह व्यथित हूं दीन दुखी हूं दीन दयाल अनन्त हरे। आओ तुम मेरे हो जाओ आ जाओ श्रीमंत हरे।

मेरी इस दयनीय दशा पर कुछ तो करो विचार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। जय महेश जय जय भवेश जय आदि देव महादेव विभो। किस मुख से हे गुणातीत प्रभुत तव अपार गुण वर्णन हो। जय भव तारक दारक हारक पातक तारक शिव शम्भो। दीनन दुख हर सर्व सुखाकर प्रेम सुधाकर की जय हो। पार लगा दो भवसागर से बनकर करूणा धार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। जय मनभावन जय अतिपावन शोक नसावन शिवशम्भो।

विपति विदारण अधम अधारण सत्य सनातन शिवशम्भो। वाहन वृहस्पति नाग विभूषण धवन भस्म तन शिवशम्भो।

मदन करन कर पाप हरन धन चरण मनन धन शिवशम्भो। विश्वन विश्वरूप प्रलयंकर जग के मूलाधार हरे।

पारवती पति हर हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।

Lava Shark 2 4G भारत में जल्द हो सकता है लॉन्च, मिल सकते हैं ये फीचर्स

Lava Shark 2 4G भारत में जल्द लॉन्च हो सकता है। हालांकि कंपनी ने हैंडसेट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन Lava Shark 2 4G से जुड़ा मॉडल नंबर एक पॉपुलर बेंचमार्किंग साइट पर देखा गया है। लिस्टिंग से फोन के चिपसेट, RAM और ऑपरेटिंग सिस्टम से जुड़ी जानकारी सामने आई है। गौरतलब है कि फर्स्ट-जेनरेशन Lava Shark को Unisoc T606 प्रोसेसर के साथ इस साल मार्च में भारत में लॉन्च किया गया था, जिसके बाद मई में Unisoc T765 चिपसेट के साथ 5G वेरिएंट आया था।

Lava Shark 2 4G की संभावित लॉन्च डेट: Passionategeekz रिपोर्ट के मुताबिक, Lava Shark 2 4G भारत में जल्द लॉन्च हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ये हैंडसेट IMEI डेटाबेस पर LZX420 मॉडल नंबर के साथ देखा गया है। लिस्टिंग से स्मार्टफोन का नाम भी कन्फर्म होता है।

Lava LZX420 हैंडसेट को Geekbench डेटाबेस पर भी देखा गया है। इसे एक octa-core चिपसेट ums9230_6h10 कोडनेम के साथ लिस्ट किया गया है। ये वही चिपसेट है जो मौजूदा Lava Shark मॉडल में इस्तेमाल हो रहा है यानी Unisoc T606 प्रोसेसर। Geekbench लिस्टिंग के मुताबिक, Lava LZX420, जिसे Lava Shark 2 4G माना जा रहा है, ने सिंगल-कोर और मल्टी-कोर टेस्ट में क्रमशः 428 और 1,444 पॉइंट्स स्कोर किए हैं। ये फोन कम से कम 4GB RAM और Android 15 के साथ आ सकता है।

Lava Shark 4G को भारत में 6,999 रुपये की कीमत पर लॉन्च किया गया था जिसमें 4GB + 64GB सिंगल वेरिएंट था। ये Android 14 OS के साथ आता है और इसमें 6.7-इंच का 120Hz HD+ डिस्प्ले, 50-मेगापिक्सल का AI-पावर्ड मेन रियर कैमरा और 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। हैंडसेट में साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर और IP54 डस्ट और स्प्लैश रेसिस्टेंट बिल्ड है। ये 5,000mAh की बैटरी और 18W वायर्ड चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है।

वहीं, Lava Shark 5G में 6nm Unisoc T765 प्रोसेसर और Android 15 OS मिलता है। इसमें AI-पावर्ड 13-मेगापिक्सल डुअल रियर कैमरा सेटअप और 5-मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा भी मिलता है। लॉन्च के समय ये फोन 7,999 रुपये में 4GB + 64GB वेरिएंट में उपलब्ध था।

पीएम किसान योजना की अगली किस्त 2 अगस्त को पीएम वाराणसी से करेंगे जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार अगस्त के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी करेगी। किसानों को लंबे समय से सम्मान निधि की 20वीं किस्त का इंतजार है। अब इसकी तारीख तय हो चुकी है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए यह जानकारी दी कि पीएम मोदी देशभर के किसानों के लिए पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त 2 अगस्त, 2025 को यूपी के वाराणसी से जारी करेंगे। बता दें फरवरी माह में किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी होने के साथ देश के करीब 9.3 करोड़ किसानों को बड़ा फायदा मिला था। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी होना अनिवार्य है। वहीं, लाभार्थी किसानों के पास आधार कार्ड, बैंक अकाउंट होना जरूरी है। इस स्कीम का लाभ लेने के लिए किसानों को अपनी जमीन का सत्यापन करवाना जरूरी है। इनमें से किसी भी दस्तावेज के ना होने पर योजना का लाभ नहीं मिलेगा। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में सालाना 6 हजार रुपए भेजे जाते हैं। किसानों के खाते में ये राशि हर चार महीने के अंतराल में तीन किस्तों में ट्रांसफर की जाती है। हर किस्त में दो हजार रुपए दिए जाते हैं। इस योजना के लाभार्थी किसान वेबसाइट पर जाकर अपना स्टेटस चेक कर सकते हैं। सिर्फ उन्हीं किसानों को इस किस्त का लाभ मिलेगा जिन्होंने ई-केवाईसी करा ली है और उनकी जमीन के रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन हो चुका है।

आईपीओ से पहले लेंसकार्ट का खुलासा! को-फाउंडर सुमीत कपाही की डिग्री व मार्कशीट गायब, डीयू से नहीं मिल रही कॉपी

आईवियर मार्केट की मशहूर कंपनी लेंसकार्ट अभी शुरुआती पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया है। लेकिन इस दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कंपनी के को-फाउंडर और ग्लोबल हेड ऑफ सोर्सिंग सुमीत कपाही अपनी बैचलर ऑफ कॉमर्स (ऑनर्स) की डिग्री और मार्कशीट के डॉक्यूमेंट्स खो चुके है। यह डिग्री दिल्ली यूनिवर्सिटी से ली गई थी, लेकिन अब उनके पास डॉक्यूमेंट्स नहीं हैं। कंपनी ने अपने ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट्स में बताया कि सुमीत कपाही ने अपनी डिग्री और मार्कशीट की कॉपी दोबारा पाने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन वह इसमें असफल रहे है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी को कई ई-मेल और चिट्ठियां लिखीं। इतना ही नहीं, यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए भी मार्कशीट की कॉपी के लिए अप्लाई किया, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। लेंसकार्ट ने यह भी साफ किया कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यूनिवर्सिटी जल्दी जवाब देगी या फिर जवाब देगी भी या नहीं। कंपनी ने अपने बयान में कहा, "हमारे प्रमोटर और ग्लोबल हेड ऑफ सोर्सिंग सुमीत कपाही अपनी बी.कॉम (ऑनर्स) की डिग्री और मार्कशीट की कॉपी नहीं ढूंढ पाए हैं। यह भी पक्का नहीं है कि वह भविष्य ये डॉक्यूमेंट्स हासिल कर पाएंगे या भी नहीं।"

कारगिल युद्ध लड़ चुके हकीमुद्दीन शेख के परिजनों से मांगे गए नागरिकता के सबूत

पुणे,(ईएमएस)। पुणे में कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक हकीमुद्दीन शेख के परिवार ने आरोप लगाया है कि चंदन नगर इलाके में उनके घर में कथित तौर पर 30-40 अज्ञात लोग और पुलिस वाले घुस आए और आधी रात को परिवार से नागरिकता के सबूत मांगे। हकीमुद्दीन शेख के परिवार का दावा है कि पुलिस और कुछ अन्य लोग उनके घर में घुस गए और दस्तावेज दिखाने को कहा। इसके बाद परिवार के पुरुष सदस्यों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उन्हें सुबह 3 बजे तक इंतजार कराया गया और धमकी दी गई कि अगर उन्होंने दस्तावेज नहीं दिखाए, तब उन्हें बांग्लादेशी या रोहिंग्या घोषित कर दिया जाएगा। शेख ने इस घटना को शर्मनाक बताकर कहा, मैंने कारगिल युद्ध में देश के लिए लड़ा है। मेरी पूरी जिंदगी इस देश को समर्पित रही है। लेकिन दुख की बात ये है कि आज मेरे परिवार को अपनी नागरिकता साबित करनी पड़ रही है। शेख के परिवार ने बताया कि 1960 से वे पुणे में रह रहे हैं, जबकि वे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। हकीमुद्दीन के भाई इरशाद शेख ने आरोप लगाया कि वे लोग दरवाजा पीटते हुए और नारे लगाते हुए उनके घर में घुस आए, और दस्तावेज दिखाने पर भी उन्हें फर्जी बताया गया। भतीजों नौशाद और नवाब शेख ने भी कहा कि आधार कार्ड जैसे वैध दस्तावेज दिखाने पर भी उनका मजाक उड़ाया गया। नौशाद ने कहा कि वे गुंडों की तरह व्यवहार कर रहे थे और महिलाओं को चिल्लाकर उठाया। एक और भतीजे शमशाद शेख ने बताया कि उन्हें फिर से पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जहां उन्हें दो घंटे इंतजार कराया गया और बताया गया कि इंस्पेक्टर नहीं आएंगे। उनके दस्तावेज अभी भी पुलिस के पास हैं।

सियासी रस्साकशी और पावर गेम में न उलझें, छात्रों की चिंता करें

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल और विजयन सरकार को दो टूक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के गवर्नर और पी विजयन सरकार से कहा कि दो शीर्ष नेतृत्व सियासी रस्साकशी और पावर गेम में न उलझें बल्कि छात्रों की चिंता को ध्यान में रखते हुए दो विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति की नियुक्ति के लिए समाधान निकालें। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि किसी भी सूरत में छात्रों को परेशानी न हो। एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और केरल डिजिटल विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुलपतियों की नियुक्ति पर उपजे विवाद की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल से भी सहयोग की अपेक्षा करता है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल राज्य सरकार की सिफारिशों पर विचार करें और इसका समाधान निकालें।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ केरल के राज्यपाल द्वारा एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राज्यपाल ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें राज्य सरकार की सिफारिश के बिना विश्वविद्यालय के अस्थायी कुलपति की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और राज्यपाल, दोनों से एक-दूसरे के साथ सहयोग करने और जिद छोड़ने का आह्वान किया।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यहां सवाल यह नहीं है कि कौन पक्ष अपने पॉलिटिकल पॉवर का इस्तेमाल करेगा बल्कि यह बच्चों के भविष्य का सवाल है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने साफ कहा कि जब तक नियमित कुलपतियों की नियुक्तियां पूरी नहीं हो जातीं, तब तक केरल के राज्यपाल अस्थायी कुलपतियों को उनके पदों पर बनाए रखने के लिए अधिसूचना जारी करने, या अस्थायी आधार पर किसी नए व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

संयुक्त राष्ट्र ने माना- पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ जिम्मेदार :कहा- आतंकी संगठन ने अटैक की 2 बार जिम्मेदारी ली, लश्कर का भी नाम आया

नई दिल्ली: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने ग्लोबल टेररिस्ट संगठनों पर बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें माना कि पहलगाम हमले के लिए द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जिम्मेदार है। टीआरएफ ने हमले के बाद दो बार जिम्मेदारी ली। टीआरएफ ने हमले वाले दिन 22 अप्रैल को घटनास्थल की फोटो भी प्रकाशित की थी। अगले दिन फिर से जिम्मेदारी ली, लेकिन 26 अप्रैल को अचानक अपना दावा वापस ले लिया। इसके बाद टीआरएफ ने कोई और बयान नहीं दिया और किसी अन्य संगठन ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। संयुक्त राष्ट्र की यह 36वीं रिपोर्ट आतंकी संगठनों आईएसआईएल, अल-कायदा और उनसे जुड़े गुटों पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सदस्य देश ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा की मदद के बिना संभव नहीं था। टीआरएफ और एलईटी के बीच संबंध हैं। जबकि एक अन्य सदस्य देश ने एलईटी को निष्क्रिय बताया और इन दावों को खारिज किया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पहलगाम क्षेत्र में हालात बहुत संवेदनशील हैं और आतंकवादी संगठन इस तनाव का फायदा उठाने की फिर कोशिश कर सकते हैं। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस दौरान 1 नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी।

25 अप्रैल को जारी बयान में पाकिस्तान के दबाव में टीआरएफ का नाम हटाया था

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25 अप्रैल को एक प्रेस बयान जारी कर आतंकवादी हमले की निंदा की थी, लेकिन उसमें टीआरएफ का नाम शामिल नहीं किया गया। इसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया था कि हमने टीआरएफ का नाम हटवाने की कोशिश की थी और उसे सफलतापूर्वक हटा भी दिया गया था।

अमेरिका ने टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित किया है

इससे पहले 18 जुलाई को अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी जानकारी दी थी। मार्को रुबियो ने बयान में लिखा था, 'लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।'

'टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है। यह कदम दिखाता है कि ट्रम्प सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।'

जयशंकर बोले- आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीआरएफ पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद X पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने टीआरएफ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी घोषित किया। टीआरएफ ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस।

टीआरएफ पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने के 4 दिन बाद मुकरा

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था।

बेंगलुरु से 30 साल की शमा परवीन अरेस्टः गुजरात एटीएस का दावा- अलकायदा मॉड्यूल से जुड़ी

अहमदाबादः गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते एटीएस ने बेंगलुरु के हेब्बल इलाके से शमा परवीन को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बुधवार को बताया कि शमा अलकायदा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है। इसे 29 जुलाई को अरेस्ट किया गया। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी के मुताबिक, 30 साल की परवीन सोशल मीडिया के जरिए अलकायदा से जुड़ी थी। इसे सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है, जिससे नेटवर्क के अन्य सदस्यों और उनकी साजिशों का पता चल सके।

गुजरात एटीएस ने 23 जुलाई को नोएडा, दिल्ली, यूपी और गुजरात से 4 आतंकियों को अरेस्ट किया था। इन्हीं की निशानदेही पर शमा परवीन की गिरफ्तारी हुई है। परवीन की गिरफ्तारी से यह भी संकेत मिला है कि आतंकी

संगठन अब महिला स्लीपर सेल को भी सक्रिय कर रहे हैं।

क्या है आतंकी संगठन एक्यूआईएस?

अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट यानी एक्यूआईएस का गठन 2014 में अल जवाहिरी ने भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा का प्रभाव बढ़ाने के लिए किया था। जवाहिरी कुख्यात आतंकी ओसामा बिन लादेन का उत्तराधिकारी है। एक्यूआईएस वैश्विक रूप से प्रतिबंधित आतंकी संगठन है। एक्यूआईएस तालिबान की छत्रछाया में अफगानिस्तान के निमरोज, हेलमंद और कंधार प्रांतों से ऑपरेट होता है। अल जवाहिरी ने एक्यूआईएस के गठन के समय करीब एक घंटा लंबा वीडियो जारी करते हुए भारतीय मूल के असीम उमर नामक एक व्यक्ति का परिचय कराया था। असीम उमर ही एक्यूआईएस का चीफ बना था। उमर को 2018 में यूनाइटेड नेशंस ने वैश्विक आतंकी घोषित किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, असीम उमर को 2019 में हेलमंद प्रांत के मूसा कला में अमेरिकी-अफगान मिलिट्री ने एक जॉइंट ऑपरेशन में मार गिराया था। इसके बाद असीम उमर की जगह पाकिस्तान में जन्मा ओसामा महमूद एक्यूआईएस का चीफ बना था।

किन देशों में है एक्यूआईएस की मौजूदगी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्यूआईएस भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश में ऑपरेट करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, बांग्लादेश में इस ग्रुप का आधिकारिक नाम अंसार-अल-इस्लाम है। माना जाता है कि बांग्लादेश में हाल में हुए कई प्रमुख सेक्युलर शख्सियतों पर हमले और उनकी हत्या के लिए यह आतंकी समूह जिम्मेदार है। आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम ने ही बांग्लादेश में सेक्युलर एक्टिविस्ट, लेखकों, प्रोफेसर और डॉक्टरों की हत्या की जिम्मेदारी ली है। दुनिया भर में उग्रवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई के लिए बने नॉन-प्रॉफिट गैर-सरकारी संगठन काउंटर एक्स्ट्रीमिज्म प्रोजेक्ट यानी CEP के मुताबिक, म्यामांर में रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ हुई हिंसा के जवाब में अल कायदा ने एक्यूआईएस को म्यामांर में हमले करने के लिए कहा था।

तमिलनाडु के कैश फॉर जॉब केस में 2000 आरोपी और 500 गवाह

सुप्रीम कोर्ट बोला- सुनवाई के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत, राज्य सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े कथित कैश फॉर जॉब के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मामले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्या बागची की बेंच ने कहा- 'इस केस की सुनवाई की तो यह देश का सबसे भीड़-भाड़ वाला ट्रायल होगा। कोर्ट रूम की जगह छोटी पड़ जाएगी, ट्रायल के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी।' कोर्ट ने कहा कि यदि न्यायपालिका मामले में हस्तक्षेप नहीं करती तो राज्य सरकार अब तक केस को बंद कर देती। कोर्ट ने घोटाले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर आपत्ति जताई है और सभी आरोपियों व 500 गवाहों की जानकारी मांगी है। सिंघवी ने स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर की मांग की

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्ति करने की मांग पर कोर्ट ने स्टेट की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी को जवाब दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कोई ताकतवर मंत्री और प्रभावशाली व्यक्ति आरोपी होता है, तो एक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नहीं रखा जा सकता है। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास डगमगा सकता है। पीड़ितों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने आरोपियों के मामलों को एक साथ क्लब करने के फैसले का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भी इस मामले में तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि 2000 से ज्यादा आरोपी बनाकर जबरन केस में देरी की जा रही है।

23 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और ओगस्तीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने DMK नेता और राज्य सरकार के मंत्री वी सेंथिल बालाजी से मंत्री पद या आजादी में से किसी एक चीज को चुन लेने के लिए कहा था।

सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति, पुंछ में 2 आतंकी ढेरः तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद

पुंछः जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों ने तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि मारे गए आतंकियों में से एक पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी था।

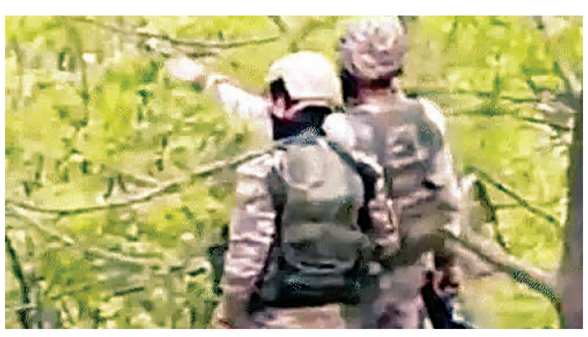

बाकी दो आतंकियों की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। आतंकियों के पास से अमेरिकी M4 कार्बाइन, AK-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले थे। इसे ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था।

एक हफ्ते पहले आतंकियों के छिपे होने का सुराग मिला था

एक हफ्ते पहले सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकियों ने हमले के बाद पहली बार एक चाइनीज अल्ट्रा कम्युनिकेशन सेट को फिर से एक्टिवेट किया था। उसी सैटेलाइट फोन के सिग्नल ट्रेस हुए। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। 28 जुलाई की सुबह लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने एडवांस गैजेट्स का इस्तेमाल करके आतंकियों की लोकेशन का पता लगाया और वहां मौजूद तीनों आतंकियों को मार गिराया।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाया ममता सरकार पर मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ने का आरोप

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करने और चुनावी प्रक्रिया को दूषित करने का गंभीर आरोप लगाया है। बीजेपी नेता अधिकारी ने दावा किया कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा सभी जिला चुनाव अधिकारियों को भेजे गए एक हालिया मेमो से यह खुलासा हुआ है कि फॉर्म 6 के निस्तारण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। बीजेपी नेता के अनुसार, सीईओ के पत्र में कहा गया है कि नमूना जांच में पाया गया कि मतदाता अधिनियम, 1960 का पालन नहीं किया गया। फॉर्म 6 के कई आवेदनों को बिना उचित सत्यापन के स्वीकार किया गया, इसके परिणामस्वरूप मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़े गए। उन्होंने आरोप लगाया हैं कि फॉर्म 6 के कई आवेदन बिना सही जांच-पड़ताल के स्वीकार कर लिए गए, जिससे फर्जी मतदाता सूची में शामिल हो गए। बीएलओ से जल्दबाजी में दस्तावेज इकट्ठे करवाए गए। ईआरओ, जो बंगाल सरकार के कर्मचारी हैं, ने अवैध रूप से सहायक निर्वाचन अधिकारी, बीडीओ कार्यालयों में पदस्थ ओसी इलेक्शन और कैजुअल डाटा एंट्री ऑपरेटरों को मतदाता सूची से संबंधित कार्य सौंप दिए।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकारः कहा-आपके व्यवहार से भरोसा नहीं होता

जांच कमेटी की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो तभी क्यों नहीं आए

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी। बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर पहले

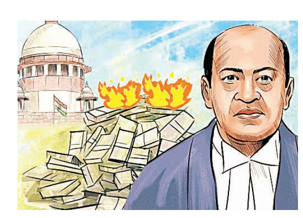

दो बार सुनवाई हो चुकी

28 जुलाईः सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से पूछा था, 'आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए। क्या आपने पहले वहां से फैसला अपने हक में लाने की कोशिश की'। वहीं, जस्टिस वर्मा की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी।

23 जुलाईः जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका को लेकर कहा था कि इसमें कुछ संवैधानिक मुद्दे हैं। कृपया जल्द से जल्द बेंच गठित करें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले पर सुनवाई के लिए नई बेंच गठित करेंगे। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है।

किसानों को बिचौलियों से राहत, 133 मंडियों में लागू होगी ई-नाम योजना

राज्य के किसानों को कृषि उपज का उचित और वाजिब मूल्य सुनिश्चित करने के लिए 'ई-नाम' योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत बाजार की स्थापना को सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने महाराष्ट्र कृषि उपज विपणन (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1963 में संशोधन को मंजूरी दी गई। सरकार राज्य में 133 कृषि उपज बाजार समितियों में ई-एनएएम योजना लागू कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से दी गई जानकारी में कहा गया कि कृषि उपज बाजार समिति में कृषि उपज के व्यापार में बाधाओं को कम करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार राज्य में 133 कृषि उपज बाजार समितियों में ई-एनएएम योजना लागू कर रही है।

कृषि उपज के व्यापार के लिए ऑनलाइन तरीके लागू किए जा रहे हैं। लेकिन राज्य में ई-एनएएम के तहत अभी भी एकल एकीकृत लाइसेंस का प्रावधान नहीं होने के कारण अंतर-बाजार और अंतर-राज्य व्यापार शुरू नहीं हो पाया है। इस बीच , केंद्र सरकार

के कृषि और किसान कल्याण विभाग ने कृषि उपज और पशुधन विपणन (संचालन और सुविधाएं) अधिनियम, 2017 (मॉडल अधिनियम) प्रकाशित किया है।

तदनुसार, राज्य के महाराष्ट्र कृषि उपज विपणन (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1963 में संशोधन करने के लिए 2018 के शीतकालीन सत्र में एक विधेयक पेश किया गया था। तदनुसार, केंद्र के मॉडल अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, राज्य की उन बड़ी मंडी समितियों को, जो कम से कम दो अन्य राज्यों से कृषि उपज प्राप्त करती हैं, राष्ट्रीय स्तर पर नामित मंडी समितियां घोषित करने का प्रावधान किया जाएगा। ऐसी मंडी समितियों को राष्ट्रीय स्तर पर नामित मंडी समितियां घोषित करने के बाद, सरकार का इन मंडी समितियों पर सीधा नियंत्रण होगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया तथा विपणन प्रक्रिया सुगमता एवं शीघ्रता से संपन्न हो सकेगी। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार के उक्त मॉडल अधिनियम, 2017 के अनुसार एकल एकीकृत लाइसेंस संबंधी प्रावधानों को भी इसमें शामिल करने की अनुशंसा की गई है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कृषि उपज मंडी समितियों के सचिवों का एक कैडर बनाने की भी सिफारिश की गई है। ताकि सचिव इस कार्यालय के सीधे नियंत्रण में आ जाएं और सरकार व मंडी समिति के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करें , साथ ही कृषि उपज मंडी समितियों पर नियंत्रण भी रख सकें। इसके लिए सचिव को पर्यवेक्षण का कार्य सौंपा जाएगा। उक्त सचिव का वेतन पर्यवेक्षण शुल्क से एकत्रित राशि से दिया जाएगा। इसके लिए कृषि उपज मंडी समितियों से एकत्रित पर्यवेक्षण शुल्क की राशि सरकार के बजाय विपणन विभाग को सौंपने के लिए अधिनियम में संशोधन भी किया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में इस अधिनियम में संशोधन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय स्तर पर एक पर्यवेक्षण समिति के गठन को भी मंजूरी दी गई।

देश की 1522 मंडियां राष्ट्रीय कृषि बाजार पोर्टल में हुई एकीकृत

सरकार के मुताबिक ई-नाम किसानों को बिचौलियों के बिना, सीधे खरीदारों को अपनी उपज बेचने में सक्षम बनाता है। जिससे किसानों को पारदर्शिता के साथ बेहतर मूल्य दिलाने में मदद होती है। यह प्लेटफ़ॉर्म व्यापक बाजारों, वास्तविक समय मूल्य निर्धारण जानकारी और ई-भुगतान प्रणालियों तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे किसानों को समय पर भुगतान प्राप्त होता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने राज्यसभा में बताया कि 30 जून 2025 तक 1522 मंडियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) पोर्टल के साथ एकीकृत किया जा चुका है। न्होंने बताया कि 30 जून 2025 तक पोर्टल पर कुल 1,79,41,613 किसानों ने पंजीयन कराया है। वहीं 2,67,719 व्यापारी और 4,518 किसान उत्पादक संगठन पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज तक ई-नाम पोर्टल पर कारोबार की गई कृषि उपज का कुल मूल्य 4,39,941 करोड़ रुपए है।

धरती की तरफ बढ़ रहा रहस्यमयी ऑब्जेक्ट, यह एलियंस का विमान तो नहीं!

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी कहीं सही साबित न हो जाए, वैज्ञानिक परेशान

बल्गेरिया,(ईएमएस)। बाबा वेंगा जिनकी आंखें भी नहीं थीं, उन्होंने सैकड़ों साल बाद होने वाली घटनाओं को बता दिया था। उन्होंने 2025 के बारे में कहा था कि ये वही साल होगा, जब इंसानों का एलियनों से संपर्क होगा। अब वैज्ञानिकों का दावा है कि एक रहस्यमयी ऑब्जेक्ट अंतरिक्ष में धरती की ओर बढ़ रहा है। इसका नाम 3आई/एटल्स है, जो शायद एलियन जहाज है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक जुलाई को चिली में एक टेलीस्कोप से इस ऑब्जेक्ट को देखा गया था। अगले 24 घंटे में ही पता चल गया कि ये हमारे सोलर सिस्टम के बाहर से आई चीज़ है। रिपोर्ट के मुताबिक ये धरती की ओर आते हुए देखा गया तीसरा इंटरसेलर है। आशंका है कि ये ऑब्जेक्ट इसी साल नवंबर में धरती के पास पहुंचेगा, जिसके बाद ये सूर्य के पीछे चला जाएगा और धरती से नहीं दिखेगा। यह 1.3 लाख मील प्रति घंटा की रफ्तार से सूर्य की ओर बढ़ रहा है। इसका आकार 10 से 20 किलोमीटर है, जो किसी सामान्य शहर से भी बड़ा है। शुरुआती अनुमान में यह एक धूमकेतु माना गया।

हार्वर्ड के प्रोफेसर और उनकी टीम ने दावा किया है कि इसकी कक्षा, संरचना और गति इसे एलियन जासूसी यान साबित कर सकते हैं। बाबा वेंगा ने 2025 में एलियंस से संपर्क की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने इसी साल यूरोप में युद्ध, आर्थिक संकट और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में भी कहा था, जो काफी हद तक सही साबित हुई हैं। ऐसे में 3आई/एटल्स की टाइमिंग और दिशा को लेकर कई लोग इसे उनकी भविष्यवाणी से जोड़ रहे हैं। इस वक्त डार्क फॉरेस्ट हाइपोथेसिस भी चर्चा में आ गई है, जिसके मुताबिक दुनिया की कुछ उन्नत सभ्यताएं खुद को छिपाकर रखती हैं, ताकि वे किसी खतरे में न आएं। इस एलियन यान को उससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। प्रोफेसर का कहना है कि यह वस्तु जानबूझकर ऐसी कक्षा में आ रही है जिसे पृथ्वी से मॉनिटर करना मुश्किल है। ऊपर से इसकी गति इतनी तेज है कि इस वक्त पृथ्वी पर मौजूद तकनीक से इसे रोका या पास से देखा नहीं जा सकता। सोशल मीडिया पर लोग इसे कॉस्मिक ट्रोजन हॉर्स भी कह रहे हैं, जबकि कुछ इसे अंतरिक्ष इतिहास का सबसे बड़ा मौका मान रहे हैं। नवंबर 2025 में 3आई/एटल्स की धरती से नजदीकी दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए चुनौती बन चुकी है। वैज्ञानिक इस रहस्य से पर्दा हटाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सिर्फ कोई असामान्य धूमकेतु है या वाकई दूसरी दुनिया या सभ्यता से इंसान का संपर्क होने वाला है।

समुद्र में छह मीटर ऊंची लहरों के बीच चीन के जे-36 ने युद्धपोत पर की लैंडिंग

यह कारनामा देख अमेरिका-रुस जैसे देश भी हैरान, ड्रैगन ने पेश की नई चुनौती

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के जे-36 स्टील्थ फाइटर जेट ने समुद्र में छह मीटर ऊंची लहरों के बीच आसानी से अपने युद्धपोत पर लैंड कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। ऐसा करना दुनिया के सबसे खतरनाक माने जाने वाले अमेरिका के एफ-16 और रूस के सुखोई एसयू-57एम के लिए भी मौजूदा वक्त में संभव नहीं है। चीन ने यह महारत हासिल कर भारत, रूस और अमेरिका जैसे देशों के लिए नई चुनौती पेश कर दी है। चीन ने न केवल युद्ध का मैदान बदल दिया, बल्कि यह दिखा दिया कि वह उन जगहों पर लैंडिंग कर सकता है, जहां कोई और फाइटर पायलट हिम्मत भी नहीं जुटा सकता। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जेट की गिन्कगो पत्ती जैसी फ्लाइंग विंग डिज़ाइन और तीन डब्ल्यूएस-19 इंजनों की ताकत इसे आसमान में बिजली की तरह चमकाती है। 23 मीटर लंबा और 54 टन वजनी यह जेट जे-20 से ज्यादा हथियार ले जा सकता है, जिसमें सुपरसोनिक मिसाइलें और लंबी दूरी की पीएल-15 मिसाइलें शामिल हैं, लेकिन इसकी असली ताकत है समुद्र के सबसे बेकाबू तूफानों में लैंडिंग करना। सामान्य फाइटर जेट्स के लिए विमानवाहक पोत पर लैंडिंग आसान नहीं होती, खासकर जब छह मीटर ऊंची लहरें, तेज हवाएं और डेक का हिलना-डुलना सब कुछ मुश्किल कर दे।

जे-36 की बिना पूंछ वाली डिज़ाइन इसे और चुनौतीपूर्ण बना देती है, लेकिन चीन ने इसे डायरेक्ट फोर्स कंट्रोल सिस्टम से लैस किया है। यह सिस्टम रोबोटिक्स से प्रेरित है और कंट्रोल सरफेस को पलक झपकते समायोजित करता है, जिसके चलते यह जेट तूफानी समुद्र में भी लेजर जैसी सटीकता से लैंड कर सकता है। 2025 में साउथ चाइना सी में हुए टेस्ट में जे-36 ने फुजियान विमानवाहक पर ऐसी परिस्थितियों में लैंडिंग कर सबको चौंका दिया, जहां पश्चिमी नौ सेनाएं पीछे हट जाती हैं।

फुजियान के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट्स के साथ यह जेट दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक ताकत को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। जहां अमेरिकी या अन्य नौसेनाएं तूफानों में रुक जाती हैं, जे-36 उड़ान भरता और लैंड करता है। इसका रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम इसे युद्ध में अजेय बनाते हैं। जे-36 सिर्फ़ एक जेट नहीं, बल्कि चीन की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक है, जो बताता है कि हम वहां जाएंगे, जहां कोई और नहीं जा सकता।

नेबल्स में फिलिस्तीनी लोग गाजा में जारी युद्ध का विरोध करते हुए।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो सिंगर केटी पेरी के साथ दिखे

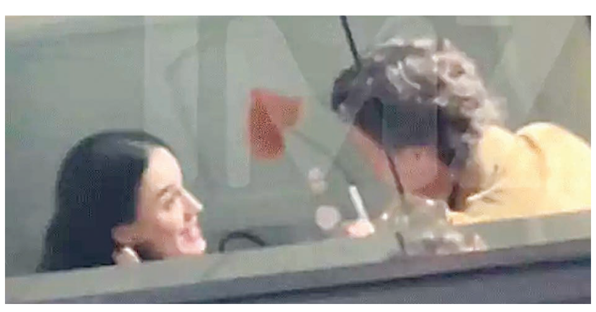

मॉन्ट्रियल. अमेरिका की मशहूर पॉप स्टार कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एकसाथ डिनर करते देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात 28 जुलाई 2025 की रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्त्रां में हुई। इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कैटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत करते दिख रहे हैं। दोनों को साथ देखकर लोगों में उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की बहस पर पाकिस्तान को लगी मिर्ची, नहीं दे पा रहा जवाब

-लोकसभा में पीएम मोदी ने पाकिस्तान और कांग्रेस दोनों पर किए तीखे हमले

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में मंगलवार को बहस हुई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार की जवाबी कार्रवाई के लिए दो दिन का विशेष लोकसभा सत्र जैसे ही शुरू हुआ। देश की राजनीति में उबाल आ गया। सत्ता पक्ष ने पीएम मोदी के सरकार की तारीफ की, वहीं विपक्ष ने हमले से पहले की सुरक्षा चूक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे सवालों को लेकर सरकार को घेरा।

बता दें करीब दो घंटे के भाषण में पीएम मोदी ने पाकिस्तान और कांग्रेस दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग पूछ रहे हैं कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) अभी तक क्यों नहीं लिया, पहले ये बताएं कि पीओके को जाने किसने दिया था? भारत में हो रही इस बहस पर पाकिस्तान को इतनी मिर्ची लगी कि उसे जवाब देता नहीं बन रहा है। शफकत अली खान ने कहा कि हम लोकसभा की कार्यवाही पर नजर रख रहे हैं। पाकिस्तान उचित समय पर अपनी प्रतिक्रिया देगा।

पीएम मोदी ने बताया कि पाकिस्तान एक बड़ा हमला करने का प्लान बना रहा था, लेकिन भारत ने साफ कह दिया कि उसे यह बहुत महंगा पड़ेगा। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि 9 मई की रात अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने मुझसे बात करने की कोशिश की। उन्होंने एक घंटे तक कोशिश की, लेकिन मैं अपनी सेना के साथ बैठक में था, इसलिए मैं उनका फोन नहीं उठा सका। बाद में मैंने उन्हें वापस फोन किया तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने बताया कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को अभी तक वापस क्यों नहीं लिया, यह पूछने वाले बताएं कि उसे जाने किसने दिया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी थी लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी सेना के हौसले बढ़ाने की बजाय उसका मनोबल गिराने में लगे थे। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद किसी भी देश के नेता ने भारत से सैन्य कार्रवाई बंद करने को नहीं कहा।

गाजा के बिगड़े हालात को लेकर यूरोप देशों में हो रहा इजराइल का कड़ा विरोध

एम्सटर्डम,(ईएमएस)। गाजा में संघर्ष में हजारों बेगुनाह लोगों की मौत के चलते इजराइल का यूरोप में विरोध हो रहा है। एक तरफ फ्रांस ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है तो वहीं ब्रिटेन का कहना है कि जब तक गाजा में जंग नहीं रुकती है, तब तक वह भी ऐसे कदम पर विचार कर सकता है। वहीं नीदरलैंड ने भी इजराइल के विदेश मंत्री बेजालेल स्मॉट्रिक और सिक्योरिटी मिनिस्चर इतामार बेन ग्विर के प्रवेश पर बैन लगा दिया है। यूरोपीय देशों ने इजराइल के लिए रिसर्च फंडिंग में कटौती का ऐलान कर दिया है। इस तरह इजराइल अब अकेला पड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल का खुला समर्थन कर रहा है, लेकिन पश्चिमी देशों की तरफ से हाथ खींचा जाना चिंता की बात है। इजराइल ने फ्रांस के कदम पर आपत्ति जताई है। इजराइल का कहना है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना तो हमास के आतंकवाद का समर्थन करना और उसे फंड देने जैसा है। वहीं यूरोपीय देश कह रहे हैं इजराइल गाजा में खाने पीने की चीजों को पहुंचने में रुकावट पैदा कर रहा है जिससे वहां के हालात बेहद अमानवीय हैं मासूम बच्चे भूख से मर रहे हैं। इन देशों के दबाव के चलते ही इजराइल ने हर दिन 10 घंटे जंग रोकने की बात कही है ताकि लोगों तक मदद पहुंच सके। वहीं नीदरलैंड का कहना है कि हमारा फैसला इसलिए सही है ताकि गाजा में अमानवीय हालात रोके जा सकें। नीदरलैंड ने कहा कि गाजा में जो हालात हैं, उसे रोकना जरूरी है। नीदरलैंड की ओर से इजराइल के राजदूत मोदी एफरैम को भी तलब किया जाएगा। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कासपर वालदेकाम्प की ओर से जारी पत्र में सांसदों से कहा गया है कि इजराइल के इन दो नेताओं की एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन लोगों ने फिलिस्तीन के लोगों के खिलाफ हिंसा भड़काने वाली बात कही है। इन्हीं के चलते गाजा के हालात और बिगड़ गए हैं। बता दें यूरोपियन यूनियन इस मामले में अमेरिका की राय से सहमत नहीं है।

गाजा में इजराइल कर रहा है नरसंहार, खत्म करना चाहता है नस्ल

इजराइल के मानवाधिकार संगठनों ने कहा कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है। करीब 22 महीने के युद्ध के दौरान यह पहली बार है जब इजराइली यहूदी-नेतृत्व वाले संगठनों ने इजराइल को ही फलस्तीनी लोगों की मौत का जिम्मेदार माना है। यह दावे 'बी'त्सेलेम' और 'फिज़ीशियन्स फॉर ह्यूमन राइट्स-इज़राइल' द्वारा किए गए हैं। इन दावों के बाद पीएम नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'फिजिशियन फॉर ह्यूमन राइट्स-इजराइल' के निदेशक गाय शालेव ने कहा कि यहूदी-इजराइली जनता अक्सर नरसंहार के आरोपों को यहूदी-विरोधी या इजराइल के खिलाफ पक्षपातपूर्ण बताकर खारिज कर देते हैं। उन्होंने कहा कि शायद जब इजराइल के अपने ही मानवाधिकार संगठन ऐसा कहें, तो लोग इन आरोपों को गंभीरता से लें और असली हालात को समझ रहे हैं। इजराइल का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करता है और गाजा में उसकी लड़ाई आत्मरक्षा के लिए है। वह इन आरोपों को झूठा और पक्षपाती बताता है। पीएचआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल ने वह काम किए हैं जो साफ तौर पर किसी फलस्तीनी समुदाय को खत्म करने की मंशा दिखाते हैं। जैसे ज़िंदगी की ज़रूरी चीज़ें छीन लेना। इजराइली सरकार ने अभी तक बी'त्सेलेम और पीएचआरआई की रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं की। मानवाधिकार संगठनों ने अपनी अलग-अलग लेकिन संयुक्त रूप से जारी रिपोर्टों में बताया है कि गाजा में इजराइल की नीतियां वहां के लक्ष्यों के बारे में बड़े अधिकारियों के बयान और क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को जानबूझकर खत्म करना, ये सभी बातें उनके इस नतीजे पर पहुंचने की वजह हैं कि नरसंहार जारी है।

मैं फ्लाइट में बम लगाऊंगा! अमेरिका को दूंगा मौत! फिर कहा अल्लाहु अकबर!

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन में एक ईजीजेट विमान को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। एक भारतीय नागरिक ने फ्लाइट के अंदर बम से उड़ाने की धमकी देते हुए नारे लगाने लगा यात्रियों और क्रू मेंबर को डराने लगा। आरोपी की पहचान 41 साल के अभय देवदास नायक के रूप में हुई है, जो लुटन में रहता है। इस घटना के बाद आरोपी को ग्लास्गो एयरपोर्ट पर उतरते ही गिरफ्तार कर लिया और सोमवार को उसे पैस्ले शेरिफ कोर्ट में पेश किया गया। मुकदमा सोलम्न प्रक्रिया के तहत चलाया जा रहा है, जो स्कॉटलैंड में गंभीर अपराधों की सुनवाई के लिए अपनाई जाती है।

बता दें देवदास नायक को अदालत ने हिरासत में भेज दिया। अब अगली पेशी 5 अगस्त को होगी। बता दें फ्लाइट रविवार सुबह 7 बजे लुटन से ग्लास्गो के लिए रवाना हुई थी। बीच रास्ते में नायक अचानक टॉयलेट से बाहर निकलकर जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसने कहा कि मैं फ्लाइट में बम लगाऊंगा! अमेरिका को दूंगा मौत! ट्रंप को मौत! अल्लाहु अकबर!" वह महिला एयर होस्टेस को धक्का दे रहा था और आक्रामक हो गया। इस हरकत से यात्रियों में दहशत फैल गई।

फ्लाइट की पंक्ति 21 में बैठे एक यात्री ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए देवदास नायक को पकड़कर गिरा दिया और दबोच लिया। दो अन्य यात्रियों ने भी उसके पकड़ लिया। नायक की जेबों की तलाशी ली गई और बैग की जांच भी की गई। एक यात्री ने बताया कि उसके पास शरणार्थी पहचान पत्र था और वह भारतीय नागरिक लग रहा था। पूछे जाने पर उसने कहा कि मैं ट्रंप को संदेश देना चाहता था। फ्लाइट को ग्लास्गो एयरपोर्ट के एक दूरस्थ हिस्से में उतारा गया, जहां फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम पहले से ही मौजूद थी। देवदास नायक को हथकड़ी लगाकर विमान से उतारा।

ट्रंप ने फिर दी धमकी कहा- जल्द ट्रेड डील करे भारत, वरना लगा दूंगा 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैसे तो टैरिफ के नाम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को धमका रहे है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज ही उन्होंने साफतौर पर कह दिया भारत जल्द डील करे वरना 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा।भारत सरकार ने अमेरिका से 1 अगस्त की डेडलाइन को टालने की अपील की है। यह तारीख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड्र ट्रंप के द्वारा तय की गई है। ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा है कि अगर इस तारीख तक भारत-अमेरिकी के बीच ट्रेड डील नहीं होती है तो वह भारत पर 20-25 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकते हैं। यह जानकारी इस मामले से जुड़े सरकारी सूत्रों ने दी है। मंगलवार को एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा,

मुझे लगता है कि भारत अच्छा दोस्त है, लेकिन उसने लगभग हर देश से ज्यादा टैरिफ वसूले हैं। यह अब नहीं चल सकता। भारत पर अधिक टैरिफ लगाया जा सकता है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह 1 अगस्त की डेडलाइन को आगे बढ़ाए ताकि 25 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाले अगले दौर की वार्ता तक समझौते की संभावनाएं खुली रहें। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "दोनों पक्ष बातचीत में लगे हुए हैं। अभी दो दिन बाकी हैं। कुछ भी हो सकता है। उम्मीद है कि अमेरिका-समय देगा, लेकिन अंतिम फैसला वहां की सरकार को ही लेना है। भारत के वाणिज्य मंत्री ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 1 अगस्त की ट्रंप द्वारा तय डेडलाइन से पहले व्यापार समझौता हो सकता है। लेकिन ट्रंप के इस नए बयान ने भारत सरकार की राजनयिक चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नई दिल्ली इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है। क्या दोनों देश समझौते की दिशा में निर्णायक कदम उठा पाते हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीयर ने बताया, हमें भारत के साथ और बातचीत की जरूरत है। हम हमेशा भारत के साथ रचनात्मक संवाद करते रहे हैं, लेकिन अब यह देखना होगा कि भारत सरकार इस समझौते के लिए कितनी महत्वाकांक्षा दिखाती है। मंगलवार को अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने इंटरव्यू में कहा कि अब खुद राष्ट्रपति ट्रंप यह तय करेंगे कि भारत के प्रस्ताव को स्वीकार करना है या टैरिफ लागू करना है। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ सौदे की कीमत है पूरी तरह खुला बाजार। यह ब्लैक एंड व्हाइट की तरह साफ है।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में भारी घाटा हो रहा है। 2024 में अमेरिका ने 87.4 अरब डॉलर का सामान भारत से आयात किया, जबकि भारत ने अमेरिका से केवल 41.8 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह 45.7 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अमेरिका को झेलना पड़ा। अमेरिका के भारत से प्रमुख आयातों में दवाइयां, मोबाइल और संचार उपकरण के साथ-साथ कपड़े शामिल हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने पहले 2 अप्रैल 2025 को भी भारत से आयात पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, जिसे बाद में रोक दिया गया। हालांकि, अब एक बार फिर उन्होंने सीधे तौर पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई है। हालांकि अभी तक भारत को लेकर कोई आधिकारिक पत्र या नोटिस अमेरिका की ओर से नहीं भेजा गया है, जैसा कि ट्रंप ने अन्य देशों के साथ किया है।

खैबर पख्तूनवा इलाके में पाक सेना ने लगाया कर्फ्यू, तीन आतंकवादियों को किया ढेर

स्थानीय लोगों से घर से बाहर ना निकलने की दी सलाह, सहमे हुए हैं लोग

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा इलाके की बाजौर जिले के 16 इलाकों में अचानक कर्फ्यू लगाकर पाकिस्तान सेना ने अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में गनशिप हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके चलते स्थानीय लोग मारे जा रहे हैं। अभी तक हुई कार्रवाई में पाक सेना का दावा था कि उसने तीन आतंकवादियों को मार गिराया है।

पाकिस्तान सेना के आदेश पर बाजौर जिले के डिप्टी कमिश्नर ने आदेश निकालकर 29 जुलाई सुबह 5 बजे से लेकर 31 जुलाई की शाम 5 बजे तक 16 इलाकों में कर्फ्यू लगाने का ऐलान कर दिया है। इस बाबत जारी आदेश में बाजौर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा है कि इस अवधि में तमाम स्थानीय नागरिक ना तो अपने घरों से बाहर निकले और ना ही सड़कों पर कोई सवारी वगैरह आए क्योंकि सेना एक बड़ा अभियान चलाने जा रही है। जिन इलाकों के नाम दिए गए हैं उनमें आगरा.. लहारी.. जराय.. किटकोट.. तारखों ..कुरछाई.. इराब.. गिलाई.. नख्तर.. कलान आदि शामिल है। यह वे इलाके हैं जहां पर अलगाववादी संगठनों ने अपना पूरा कब्जा जमा लिया है। यहां तक की वहां की पुलिस चौकिया और राजस्व भवनों में भी अलगाववादी संगठनों का कब्जा कायम होता जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने इस लड़ाई में गनशिप हेलीकॉप्टर से लेकर बड़े पैमाने पर छोटी तोप और बड़े हथियारों समेत सेना की पूरी बटालियन इस कार्रवाई में लगा दी है। कार्रवाई के दौरान एक स्थानीय नागरिक इस गोलीबारी में मारा गया जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही सेना के तीन जवान भी बुरी तरह जख्मी हुए हैं। सेना का दावा है कि उसने इस दौरान तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना का दावा है कि लोगों के संबंध आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से है। सेना की यह कार्रवाई 16 इलाकों में तीन दिनों तक जारी रहेगी।

अगर दोबारा हमला किया तो उसका जवाब ऐसा होगा कि छिपा भी नहीं सकेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान ने दी सीधी धमकी

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव का सिलसिला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग एक बार फिर गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को सीधी धमकी दे दी है कि अगर अमेरिका या इज़राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर दोबारा हमला किया, तो उसका जवाब ऐसा होगा कि छिपाया भी नहीं जा सकेगा।

ईरानी विदेश मंत्री की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने धमकी दी थी कि अगर ईरान ने फिर से परमाणु गतिविधियां शुरू कीं तो अमेरिका उसे खत्म कर देगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अराघची ने एक्स पर पोस्ट में धमकी दी कि अगर ईरान पर दोबारा ऐसा आक्रामक हमला हुआ, तो हम पहले से ज्यादा निर्णायक और कठोर जवाब देंगे। कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है, धमकियां नहीं।

ईरान ने अमेरिका को इतना कड़ा संदेश इसलिए दिया है कि अमेरिका ने 22 जून को ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत बंकर-बर्स्टर बमों से ईरान के तीन मुख्य परमाणु स्थलों पर हमले किए थे। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बयानबाजी जारी रखी है। जहां भी मौका मिला, ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने और उस पर दोबारा हमले की की बात करते हैं ऐसे में ईरान भी उसे मुंहतोड़ जवाब दे रहा है।

इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व पर खतरा बताते हुए उसके खिलाफ ऑपरेशन राइजिंग लायन लॉन्च किया था इसमें 200 से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने 100 से ज्यादा लक्ष्यों पर 330 बम और मिसाइलें दागीं थी। इनमें ईंधन संयंत्र, सेंटरफ्यूज वर्कशॉप, मिसाइल बेस और कमांड सेंटर शामिल थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच 12 दिन तक लड़ाई चली और फिर सीजफायर हो गया। हालांकि ईरान तब भी अपना परमाणु कार्यक्रम रोकने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हो रहा है। स्थिति गंभीर है और दुनिया की निगाहें अब इस टिक गई हैं कि क्या दोनों वार्ता से ये मामला सुलझाएंगे या फिर टकराव की स्थिति बनेगी।

दुबई में प्रवासी मजदूरों का जीवन जीना हुआ दूभर, एक कमरे में 20-20 लोग

-एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर

दुबई,(ईएमएस)। लग्जरी टावर और ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए मशहूर दुबई में हजारों प्रवासी मजदूरों का जीवन इन दिनों और कठिन हो गया है। प्रशासन ने अवैध रूप से पार्टिशन किए गए अपार्टमेंट्स और भीड़भाड़ वाले किराए के कमरों पर सख्ती शुरू कर दी है। यह कदम जून में दुबई मरीना की 67 मंजिला इमारत में लगी आग के बाद उठाया गया, जिसमें 3800 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया था। उस टावर के फ्लैट्स में औसतन सात-सात लोग रह रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह कार्रवाई सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए है। हालांकि, जिन मजदूरों पर इसका सीधा असर पड़ा है, उनके सामने अब समस्या खड़ी हो गई है। दुबई में किराए की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रियल एस्टेट फर्म एंगेल एंड वोल्कर्स के मुताबिक एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर है। वहीं, कम आय वाले इलाकों में पार्टिशन वाले कमरे 220 से 270 डॉलर में मिलते हैं और साझा बंक बेड की कीमत आधी होती है। ज्यादातर प्रवासी मजदूर अफ्रीका और एशिया से आते हैं। वे निर्माण, सुरक्षा, सफाई और डिलीवरी जैसे काम करते हैं और अक्सर 300 से 550 डॉलर मासिक कमाते हैं। कई अपने परिवार को पैसे भेजते हैं, जिससे खुद के लिए बहुत सीमित रकम बचती है।

हाल में कई प्रवासी अवैध पार्टिशन अपार्टमेंट छोड़ने को मजबूर हुए। अब कुछ लोग 14 से 20 अन्य लोगों के साथ एक कमरे में रह रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा सरकार उनसे क्या चाहती है। बढ़ते किराए के कारण लीगल अपार्टमेंट लेना मुश्किल है और बेघर होने का डर सता रहा है।

वीकेंड को रिश्तों को जोड़ने के लिए करे इस्तेमाल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अगर आप चाहते हैं कि आपके और आपके बच्चों के बीच का रिश्ता मजबूत हो, तो इस छुट्टी वाले दिन को सिर्फ आराम के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों को जोड़ने के लिए इस्तेमाल कीजिए। वीकेंड पर बच्चों को किचन में शामिल करें और साथ में कुछ आसान डिश जैसे सैंडविच, पिज़्ज़ा या कुकीज़ बनाएं। यह न सिर्फ उन्हें नई चीज़ें सिखाता है, बल्कि आपसी बातचीत और मस्ती का जरिया भी बनता है। इसके अलावा फैमिली गेम डे प्लान करना भी एक शानदार तरीका है। बोर्ड गेम्स, लूडो या कैरम जैसे खेल बच्चों के दिमागी विकास और टीमवर्क की भावना को बढ़ाते हैं। कभी-कभी घर से बाहर निकलना भी बेहद जरूरी होता है। पास के पार्क में पिकनिक या नेचर वॉक प्लान करें। बच्चों को पेड़ों, फूलों, और कीड़ों के बारे में बताएं, जिससे उनके भीतर जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। साथ ही, कोई क्रिएटिव एक्टिविटी जैसे पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग या क्राफ्ट करने से बच्चों की कल्पनाशक्ति को नए पंख मिलते हैं।

वीकेंड सिर्फ एक्टिव रहने का नहीं, बल्कि खुलकर बात करने का भी समय है। बच्चों से उनके स्कूल, दोस्तों, सपनों और परेशानियों के बारे में बात करें, बिना उन्हें जज किए। इससे वे ज्यादा सुरक्षित और समझे जाने का एहसास करते हैं। अगर बच्चे स्क्रीन देखना चाहें तो साथ में कोई ज्ञानवर्धक फिल्म या डॉक्यूमेंट्री देखें और उस पर चर्चा करें, ताकि स्क्रीन टाइम भी सीखने का समय बन जाए। फिजिकल एक्टिविटी भी बच्चों के लिए उतनी ही जरूरी है। योगा, डांस या साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज़ को परिवार के साथ करने से उनका हेल्दी लाइफस्टाइल भी विकसित होता है। वीकेंड को इस तरह से बिताने से न केवल आपका और आपके बच्चों का रिश्ता मज़बूत होता है, बल्कि उनकी सोच, आत्मविश्वास और इमोशनल ताकत भी बढ़ती है। याद रखिए, बच्चों को महंगे तोहफों से ज्यादा आपकी मौजूदगी और प्यार की ज़रूरत है। बता दें कि आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में माता-पिता और बच्चों के बीच का रिश्ता अक्सर सिर्फ रूटीन तक सिमट कर रह जाता है। स्कूल, ऑफिस, होमवर्क, स्क्रीन और नींद यही है ज़्यादातर परिवारों की दिनचर्या। ऐसे में वीकेंड एक ऐसा मौका बन सकता है, जो पूरे हफ्ते की दूरी को पाट सकता है।

ओवल में सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां गुरुवार से यहां द ओवल मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पांचवे ओर अंतिम क्रिकेट टेस्ट को जीतकर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। मैनचेस्ट में हुए चौथे टेस्ट के अंतिम दिन शानदार बल्लेबाजी कर मैच बचाने से भी भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर मेजबानों पर दबाव डालना रहेगा। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे इसे बराबरी पर आने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है।

भारतीय टीम जहां इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपने नाम कर सीरीज पर 3-1 से कब्जा करना चाहेगी। इस सीरीज में अब तक के मैच बेहद रोमांचक रहे हैं। भारतीय टीम दोनो ही बार करीबी अंतर से हारी है। लॉड्र्स में उसे 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वहीं ड्रॉ रहे मैनचेस्टर टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों ने शतक लगा दिये। इसमें कप्तान शुभमन

के अलावा रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे। इस मैच में बुमराह के नहीं होने से युवा आकाशदीप सिंह को उनकी जगह शामिल किया जाएगा। वहीं मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। वहीं कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाशदीप ने अभ्यास के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में आकाशदीप ने दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। लॉड्र्स में हालांकि वह निरंतरता बनाए नहीं रख पाये। उन्होंने केवल एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल हालातों में आकाशदीप को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। अब तक इस सीरीज में भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को आजमाया पर कोई भी प्रभावित नहीं कर पाया। कृष्णा, दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि शार्दुल और कंबोज को ओल्ड ट्रैफडर् में अपने पहले स्पैल के बाद कम ही गेंदबाजी करने का मौका मिला।

वहीं दूसरी और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम में चार बदलाव हुए हैं। जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। वहीं स्टोक्स के बाहर होने से कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप संभालेंगे।

टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवतः छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे।

इंग्लैंड टीम ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कम्बोज, अर्शदीप सिंह!

ओवल में अब तक दो मैच ही जीती है भारतीय टीम

भारत और इंग्लैंड के बीच द ओवल में होने वाला टेस्ट सीरीज का पांचवां मैच 31 जुलाई से शुरु होगा। इस मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। ऐसे में ये मैच बेहद अहम रहेगा। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैदान पर केवल दो ही मैच जीती है जिससे उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। भारतीय टीम ने केनिंगटन ओवल के मैदान पर 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें से भारतीय टीम ने इनमें से 2 मैच जीते हैं, जबकि 6 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं सात मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत ने यहां पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेला था और इस मैच में भारतीय टीम को हार मिली थी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल के मैदान पर 14 टेस्ट मैच खेले हैं। टीमों के बीच पिछला मुकाबला 2023 में हुआ था। इसमें विराट कोहली की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने यह मुकाबला 157 रन से जीता था। भारत ने इससे पहले 1971 में अजित वाडेकर की कप्तानी में ओवल में टेस्ट मैच जीता था। साल 1971 में भारतीय टीम पहली बार इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज जीतकर स्वदेश लौटी थी।

इंग्लैंड की टीम इस मैदान पर भारत से पांच बार जीती है। भारतीय टीम सबसे पहले यहां 1936 में हारी थी। तब मेजबान इंग्लैंड ने 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड ने इसके बाद 1959 में भारत को यहां पारी और 27 रन से हराया। इंग्लैंड को इसके बाद 2011 तक इंतजार करना पड़ा। साल 2011 में इंग्लैंड यहां पारी और 8 रन से जीता। वहीं साल 2014 में उसने भारतीय टीम को पारी व 244 रन से हराया। साल 2018 में भारत ओवल में 118 रन से हार गया। ये मैदान बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है। भारतीय टीम यहां दो बार एक पारी में 600 से ज्यादा रन बना चुकी है। टीम इंडिया ने 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में यहां 664 रन का स्कोर बनाया था। इससे पहले 1990 में भारतीय टीम ने यहां 9 विकेट पर 606 रन बनाये थे।

आईसीसी रैंकिंग में जडेजा और ऋषभ को हुआ लाभ

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के रविन्द्र जडेजा और ऋषभ पंत को फायदा हुआ है। वहीं यशस्वी जायस्वाल को नुकसान हुआ है। मैनचेस्ट में लगाये शतक से जडेजा को पांच स्थानों का लाभ हुआ है। वह अब बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में अभी 620 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। वहीं ऑलराउंडरों की की सूची में वह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। उनके कुल 422 अंक हैं और वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक ऊपर हैं। गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 898 रेटिंग अंक लेकर नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को एक स्थान का लाभ मिला है। उनके 776 अंक हैं। वह अब सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मैनटेस्टर टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को तीन स्थान का नुकसान हुआ है। उनके 754 अंक हैं। यशस्वी ने चौथे मैच में अर्धशतक लगाया था पर दूसरी पारी में वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। शीर्ष-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं। इसमें कप्तान शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। उन्होंने मैनचेस्टर में शतक लगाया था। इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट 904 अंक के सा ही टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्होंने चौथे मुकाबले में 150 रन बनाये थे। इंग्लैंड के ही बेन डकेट 94 रन बनाने के बाद शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं। वह पांच स्थान की छलांग लगाकर 10वें पर आ गए। कप्तान बेन स्टोक्स आठ स्थान के लाभ के साथ ही सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीन स्थान ऊपर आकर तीसरे पर पहुंच गए हैं।

WPL में भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से हटा मुख्य प्रायोजक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) क्रिकेट में गुरुवार को इंडिया चैम्पियंस और पाकिस्तान चैम्पियंस के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच से ठीक पहले इसके सबसे बड़े प्रायोजक इजीमायट्रिप ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब इस मैच के आयोजन पर संशय बढ़ गया है। इस प्रायोजक का कहना है कि देश पहले और कारोबार बाद में आता है, इसलिए वह इस टूर्नामेंट से अलग हो गया है। इजीमायट्रिप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ जुड़े किसी भी मैच में शामिल नहीं होती है। कंपनी के प्रमोटर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम टीम इंडिया चैम्पियंस की डब्ल्यूसीएलमें शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है पर आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते, इसलिए हम इस मैच से अलग हुए हैं। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो।उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद भारत-पाक की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का प्रायोजन करार किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाक से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो।

डब्लयूसीएल सेमीफाइनल में फिर पाकिस्तान चैम्पियंस का बहिष्कार करेगी इंडिया चैम्पियंस ?

युवराज सिंह की कप्तानी में इंडिया चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैम्पियंस को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब इसमें इंडिया चैम्पियंस के सामने एक बार फिर पाकिस्तान चैम्पियंस टीम है। इस मुकाबले के होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में पाक चैम्पियंस की टीम बिना खेले ही फाइनल में पहुंच सकती है। इंडिया चैम्पियंस ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जिस प्रकार से लीग स्तर पर पाक का बहिष्यकार किया था। वैसा ही बहिष्कर सेमीफाइनल में भी उसके करने की पूरी संभावना है। लीग स्तर पर पाक के खिलाफ खेलने से शिखर धवन, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई खिलाड़ियों ने इंकार कर दिया था। उसके बाद ये मैच रद्द हो गया था।

अपने अंतिम मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस के खिलाफ इंडिया चैम्पियंस को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 14.1 ओवर में 145 रनों का लक्ष्य मिला था जिससे इंडिया चैम्पियंस ने 13.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। इंडिया चैम्पियंस की ओर से स्टुअर्ट बिन्नी ने अर्धशतक लगाया और 21 गेंद पर नाबाद 50 रन बना दिये। उन्होंने इस दौरान 3 चौके और 4 छक्के लगाये। वहीं यूसुफ पठान ने 7 गेंद पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। वेस्टइंडीज चैम्पियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड की आक्रामक पारी की सहायता से 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। भारत और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अंकतालिका में पाकिस्तान अभी नंबर एक पर जबकि दक्षिण अफ्रीकी टीम दूसरे नंबर पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और इंडिया चैम्पियंस टीम है।

पिच क्यूरेटर पर भड़के इरफान पठान

मैदान का निरीक्षण करने गया था भारतीय दल

लंदन (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ को ओवल के पिच क्यूरेटर ली फॉर्टिस ने रोकने का प्रयास किया। उससे साफ है कि मेजबान अभी तक औपनिवेशिक युग में जी रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने गंभीर और फॉर्टिस विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक अंग्रेज कोच मैदान का निरीक्षण करने जाये तो किसी को भी आपत्ति नहीं होती पर भारतीय कोच जाये तो उसे रोका जाता है।?"

गंभीर और भारतीय सहयोगी स्टाफ के सदस्य जब पिच निरीक्षण के लिए गए थे तो वे रबर सोल वाले जूते पहने हुए थे और पिच को कोई नुकसान नहीं हो रहा था पर इसके बाद भी क्यूरेटर ने उन्हें 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। इसके बाद क्यूरेटर ने जब एक स्टाफ सदस्य को जोर से आवाज लगाकर रोका तो गंभीर ने तत्काल इसका विरोध किया और कहा कि भारतीय सहयोगी स्टाफ के साथ ऐसा व्यवहार गलत और अपमानजनक है। गंभीर ने फॉर्टिस से कहा, "तुम हमें नहीं बता सकते कि क्या करना है और क्या नहीं तुम केवल एक मैदानकर्मी हो, उससे ज्यादा कुछ नहीं।" साथ ही कहा कि सहयोगी स्टाफ के सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता है।

जडेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है। सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।'

मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया।

इससे पहले लॉड्र्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

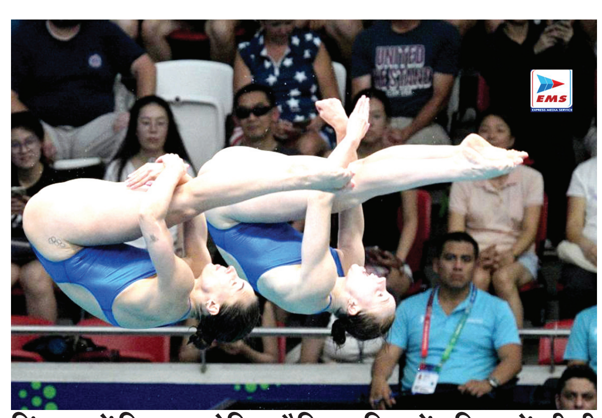

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में महिलाओं की थ्री एम स्पिंगबोर्ड फाइनल में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, "वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।"

बुमराह के ओवल टेस्ट में खेलने की संभावना नहीं

ओवल (ईमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने की कोई उम्मीद नहीं है। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भले ही बुमराह को फिट बताया है पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम टेस्ट में उतारकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और लंबे समय तक खेलने को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से हैरान करने वाले फैसला नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर पहले ही तय किया था कि वह इंग्लैंड दौरे पर पांच में से केवल 3 टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह ने तीन टेस्ट खेल लिए हैं, जिनमें से दो टेस्ट वे लगातार खेले हैं और इसका प्रभाव उनकी गेंदबाजी की गति पर भी देखा गया। बुमराह पहले टेस्ट में मैदान पर उतरे, जबकि एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर रहे। इसके बाद लंदन के लॉड्र्स में बुमराह ने वापसी की, वहीं इसके बाद उन्हें मैनचेस्टर में भी शामिल किया गया।। इस मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक ही पारी में गेंदबाजी की, क्योंकि दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी नहीं आई। बुमराह ने 33 ओवर फेंके और बहुत कम गेंद उनकी 140 किमी प्रति घंटे से अधिक गति वाली रहीं। बुमराह ने चौथे टेस्ट के चौथे दिन की सुबह के बाद गेंदबाजी नहीं की। ऐसे में कहा जा रहा था कि 31 जुलाई से शुरू होने वाले आखिरी टेस्ट मैच में भी उनको शामिल किया जा सकत है क्योंकि भरतीय टीम सीरीज को बराबर करने लिए उनका प्रयोग करना चाहती है,पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उनका आराम करना ही अधिक सही रहेगा। लगातार दो टेस्ट मैच खेलने पर भी पिच और काम के बोझ के कारण उनकी स्पीड कम रही। दो विकेट ही उनको 33 ओवर में मिले। पहली बार उन्होंने इतनी लंबी गेंदबाजी एक पारी में की और 100 रन से ज्यादा रन भी दिये। बुमराह के नहीं खेलने पर यूवा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय है। आकाश चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट से बाहर थे।

ओवल में बुमराह नहीं खेलते तो कुलदीप को शामिल करें: मांजरेकर

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अगर गुरुवार से यहां शुरु हो रहे अंतिम टेस्ट मैच में आराम दिया जाता है तो कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल किया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार बुमराह के नहीं खेलने की स्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की जरुरत रहेगी जो सभी 20 विकेट ले सके। मांजरेकर ने कहा, भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत है जो जीत के लिए सभी 20 विकेट ले सके। अगर बुमराह नहीं खेलते हैं और इसके बाद भी कुलदीप को जगह नहीं मिलती तो ये उनके साथ अन्याय होगा। जहां तक बल्लेबाजी की बात है तो अभी सभी बल्लेबाज लय में हैं। इसलिए केवल बल्लेबाजी के आधार पर जडेजा को रोकना ठीक नहीं होगा। मांजरेकर ने यह भी कहा कि इस सीरीज में अब तक भारत की रणनीति विफल रही है। ऐसे में जरूरी है कि टीम के सीनियर खिलाड़ी मिलकर भारतीय टीम की रणनीति पर नए सिरे से विचार करें। मांजरेकर ने कहा, भारतीय टीम भले ही मैनचेस्टर टेस्ट बचाने में सफल रही हो पर इससे ये साबित नहीं होता कि हमारी रणनीति सही है। मैं समझता हूं भारतीय टीम जिस तरह से इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है उससे साफ है कि ये रणनीति भारत के काम नहीं आई है। इसलिए मेरा मानना है कि शुभमन गिल और दो तीन अन्य सीनियर खिलाड़ियों को मिलकर एक समूह के रूप में टीम की रणनीति तैयार करनी चाहिए क्योंकि भारत को एक ऐसे गेंदबाजी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके।

मैनचेस्टर टेस्ट में जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर दोनों की नाबाद शतकीय पारियों से भारतीय टीम इस मैच में हार टालने में सफल रही है। मांजरेकर ने जडेजा की तारीफ करने के साथ ही यह भी कहा कि आगे चलकर सुंदर अपने को एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर स्थापित कर लेंगे। मांजरेकर ने कहा, सुंदर ने पहले भी अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता का प्रदर्शन किया था, विदेशी हालातों में हम तीन चार बार उन्हें अच्छा प्रदर्शन करते हुए देख चुके थे पर इस बार लगता है कि जिस तरह से उनकी बल्लेबाजी में लगातार प्रगति हो रही है तो धीरे-धीरे हम उन्हें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर देख सकेंगे।

गौरतलब है कि जडेजा ने पिछली छह पारियों में पांच बार 50 के स्कोर किया है। सर गारफील्ड सोबर्स एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने इंग्लैंड में नंबर छह या उसके नीचे खेलते हुए पांच बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है।

डब्ल्यूसीएल में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने फेंकीं 12 वाइड

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस और पाकिस्तान चैम्पियंस के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में हुआ मुकाबला पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जॉन हेस्टिंग्स के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। है. हेस्टिंग्स ने इसमें जो ओवर किया उसमें 12 गेंदें वाइड रहीं जिससे उनका ओवर 18 गेंदों का हो गया। हेस्टिंग्स के ओवर की पहली पांच गेंदें वाइड रहीं। हेस्टिंग्स ने एक वाइड और एक नो बॉल फेंकी, हेस्टिंग्स ने फिर एक और वाइड गेंद फेंकी, इसके बाद एक डॉट बॉल फेंकी, जिसपर पाक के मकसूद ने एक और रन लिया। हेस्टिंग्स ने फिर से पांच वाइड गेंदें फेंकी। जिससे पाकिस्तान चैम्पियंस ने ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस को 10 विकेट से हरा दिया।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 11.5 ओवर में केवल 74 रन ही बना पायी। पाक के अजमल ने छह विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन डंक ने सबसे अधिक 26 रन बनाए। पाक की ओर से इमाद वसीम ने दो विकेट जबकि तनवीर और सोहेल खान ने एक-एक विकेट लिया। मकसूद और शर्जील, जिन्होंने पाकिस्तान की ओर से पारी की शुरुआत की 28 और 32 रन बनाकर नाबाद रहे और पाक ने 7.5 ओवर में ही बिना किसी नुकसान के मैच जीत लिया.

एशिया कप में पाकिस्तान के बहिष्कार के पक्ष में नहीं है सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में होने वाले मैच का जहां विरोध हो रहा है। वहीं सरकार मैच के बहिष्कार के पक्ष में नहीं है। सरकार का मानना है कि इससे पाक को बिना खेले ही जीतने का अवसर मिल जाएगा। एशिया कप में भारत और पाक की टीमों के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होना है। वहीं सरकारी सूत्र के अनुसार पाक का बहिष्कार किये जाने पर उसे बिना खेले ही जीतने का अवसर मिल जाएगा। इससे उसे लाभ ही होगा। भारत सितंबर में खेले जाने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का मेजबान भी है। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के मैच यूएई में कराने का फैसला किया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की पिछले दिनों हुई बैठक में टूर्नामेंट के कार्यकम पर सहमति बन गई है। भारत और पाकिस्तान की टीमों को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इससे साफ है कि अगर भारत और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचते हैं तो दोनों के बीच तीन मुकाबले हो सकते हैं। वहीं सरकार का मानना है कि एशिया कप दोनो देशों के बीच की कोई सीरीज नहीं है जिसमें हमें आपस में मैच खेलना हो। यह कई टीमों का टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान से मैच खेलने से इंकार करना उसे लाभ पहुंचाने की तरह होगा। इसमें ओलंपिक का भी उदाहरण दिया गया और कहा गया कि यदि ओलंपिक में भारतीय टीम या खिलाड़ी के खिलाफ पाकिस्तान का एथलीट है तो भी हम क्या नहीं खेलेंगे, अगर नहीं खेलेंगे तो इससे पाक को ही लाभ होगा।

टीएनसीए में स्पिनर चंद्रशेखर ने सभी 10 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई (ईएमएस)। यहां तमिलनाडु क्रिकेट लीग (टीएनसीए) के फर्स्ट डिवीजन मुकाबले में सी हॉक्स टीम के बाएं हाथ के स्पिनर डीटी चंद्रशेखर ने एक नया रिकार्ड बना दिया। ग्लोब ट्रॉटर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में चंद्रशेखर ने केवल 37 रनों पर ही सभी 10 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदा जीत दिलाई।चंद्रशेखर ने 5 ओवरों में ये विकेट लेकर मैच अपने पक्ष में कर दिया। इससे इस स्पिनर का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया। इससे पहले भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर एम वेंकटारमणा ने साल 1991-92 सत्र में इंडियन बैंक की ओर से सदर्न रेलवे के खिलाफ 96 रन देकर 10 विकेट लिए थे।

चंद्रशेखर ने अपने इस प्रदर्शन को लेकर कहा है कि छह-सात विकेट लेने के बाद उनको लगा कि वे 10 विकेट ले सकते हैं। मैच के बाद भावुक चंद्रशेखर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। किसी भी स्तर पर 10 विकेट लेना बड़ी बात होती है, इसलिए यह बहुत खास है। जब मैंने छह या सात विकेट ले लिए थे, तब लगा कि मेरे पास सभी 10 विकेट लेने का अवसर है। इस गेंदबाज ने साल 2015-16 सीजन में अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था और 5 मैचों में 18 विकेट लिए थे।

हैडिन बोले, 3-1 से टेस्ट सीरीज जीतेगी इंग्लैंड

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने कहा है कि इंग्लैंड की टीम अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम को हराकर सीरीज जीतेगी। हैडिन के अनुसार इस सीरीज में मेजबान टीम 3-1 से जीत दर्ज करेगी। हैडिन ने कहा, मुझे शुरुआत से ही लगा था कि इंग्लैंड सीरीज जीत जाएगा। मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत में इंग्लैंड के 3-1 या 4-1 से सीरीज जीतने की बात कही थी। जो सही साबित होने जा रही है। साथ ही कहा कि मैनचेस्ट में अंतिम दिन माहौल बदल गया था। मुझे लगता है कि इंग्लैंड को तब भी जीतने का पूरा भरोसा था हालांकि भारतीय टीम अपनी वापसी के प्रयास में सफल रही। हैडिन ने साथ ही कहा कि बुमराह पांचवें मैच में खेलेंगे या नहीं, यह देखने की बात होगी।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, शुरुआत से ही कहा गया था कि वह तीन मैच ही खेलेंगे। ऐसे में देखना होगा कि वह उतारे जाते हैं या नहीं।

भारतीय टीम प्रबंधन ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए बुमराह को सिर्फ तीन मैचों में उतारने का फैसला किया था। वह पहले मैच में खेले थे लेकिन दूसरे टेस्ट में उन्हें आराम दिया गया। उसके बाद बुमराह ने लगातार दो मैच खेले हैं। उन्होंने सीरीज में कुल 14 विकेट लिए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के बाद कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि बुमराह अगर पांचवें टेस्ट में खेलते हैं तो ये हमारे लिए अच्छा होगा पर इसके लिए उनकी फिटनेस देखनी होगी।

ओवल में 54 रन बनाते ही रुट बनाएंगे रिकार्ड

लंदन (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इसमें इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। रूट इस मैच में 54 रन बनाते ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीसी) में 6000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। रूट अभी डब्लूयटीसी में में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक खेले गए 68 मैचों में 5946 रन बनाए हैं। डब्लूयटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में अभी रुट के 68 मैच में 5946 रन हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के 55 मैच में 4278 व मार्नस लाबुशेन के 53 मैच में 4225 रन हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स के 57 मैच में 3616 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के 52 मैचों में 3300 रन हैं। रूट के अलावा आज तक किसी भी खिलाड़ी ने डब्लूयटीसी में 5000 रन नहीं बनाये हैं। रूट और दूसरे स्थान पर मौजूद बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के बीच 1668 रनों का अंतर है। रूट के पास इस मैच में इंग्लैंड में भारत के खिलाफ 2000 टेस्ट रन बनाने का भी अवसर है। रूट ने अभी तक इंग्लैंड में भारत के खिलाफ खेले गए 19 टेस्ट में 1977 रन बनाए हैं। उन्हें अपनी धरती पर 2000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 23 रन और बनाने हैं।

जब विराट को हटाकर पार्थिव को कप्तान बनाने जा रही थी आरसीबी : मोइन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोइन अली ने कहा है कि आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) साल 2019 में कप्तानी में बदलाव करने जा रही थी। मोइन के अनुसार तब आरसीबी विराट कोहली को कप्तानी से हटाकर उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को ये जिम्मेदारी सौंपना चाहती थी। मोइन ने इसमें सफल न होने का भी कारण बताया है। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार आरसीबी 2019 के सत्र में 14 मैचों में से केवल पांच मैच ही जीत पाई थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। पार्थिव ने हालांकि 26.64 की औसत और 139.18 के स्ट्राइक-रेट से कुल 373 रन बनाए थे और वह साल 2020 में भी आरसीबी में शामिल थे पर , आरोन फिंच और देवदत्त पडिक्कल के पारी शुरु करने से उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। एबी डिविलियर्स को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दे दी। इसके बाद पार्थिव ने उसी साल दिसंबर में संन्यास ले लिया और फिर कभी आईपीएल नहीं खेला। मोइन ने कहा, हां, मुझे लगता है कि वो कप्तानी की कतार में थे। आखिरी साल में, जब गैरी कर्स्टन थे, मुझे लगता है पहले साल के बाद पार्थिव कप्तान बनने की कतार में थे। उनके पास एक जबरदस्त क्रिकेटिंग दिमाग था। उस समय यही चर्चा थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ या बात क्यों नहीं बनी, पर मुझे भरोसा है कि इस भूमिका के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया गया था।

आईटी सेक्टर में बड़ा बदलाव! एक तरफ टीसीएस में छंटनी का संकट, दूसरी ओर इंफोसिस करेगा 20,000 फ्रेशर्स की भर्ती

देश की दो दिग्गज आईटी कंपनियां—इंफोसिस (इंफोसिस) और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस)—वर्तमान समय में बिल्कुल अलग दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जहां इंफोसिस इस वित्त वर्ष के दौरान 20,000 फ्रेशर्स की भर्ती करने की तैयारी में है, वहीं टीसीएस 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की प्रक्रिया को जुलाई-सितंबर तिमाही में पूरा करने जा रही है।

नौकरियों की बहार, एआई और रीस्किलिंग पर विशेष ध्यान

इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने द टाइम्स ऑफ इण्डिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि कंपनी ने पहली तिमाही में ही 17,000 से ज्यादा लोगों की भर्ती की है और पूरे साल में करीब 20,000 ग्रेजुएट्स को जोड़ने की योजना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रीस्किलिंग में किए गए रणनीतिक निवेश से कंपनी को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिली है। अब तक इंफोसिस ने विभिन्न स्तरों पर 2.75 लाख से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया है।

एआई के प्रभाव पर बात करते हुए पारेख ने कहा, "एआई से गहरी ऑटोमेशन और इनसाइट्स मिलती हैं, लेकिन यह उच्च स्तर की स्किल और ज्यादा मेहनत भी मांगता है।" उन्होंने बताया कि कंपनी एआई-सक्षम काम करने वालों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। इंफोसिस के मुताबिक, कोडिंग जैसे क्षेत्रों में एआई के चलते 5% से 15% तक की उत्पादकता बढ़ी है, जबकि ग्राहक सेवा और नॉलेज-आधारित कामों में इससे और भी अधिक सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए, कंपनी का बैंकिंग प्लेटफॉर्म 'इंफोसिस फिनैकल' ऑटोमेशन और मानव निगरानी के मेल से करीब 20% प्रोडक्टिविटी बढ़ा रहा है।

वेतन वृद्धि पर पारेख ने कहा कि बीते वित्त वर्ष की चौथी और इस वर्ष की पहली तिमाही के लिए सैलरी इनक्रिमेंट पूरा किया जा चुका है और अगली समीक्षा तय समय पर की जाएगी।

टीसीएस में छंटनी का दौर, सीनियर कर्मचारियों पर सबसे ज्यादा असर

दूसरी ओर, टीसीएस ने अपने कुल कर्मचारियों का 2%, यानी 12,000 से अधिक लोगों को हटाने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, यह छंटनी मुख्य रूप से जुलाई-सितंबर तिमाही में पूरी कर ली जाएगी। जिन कर्मचारियों को फिलहाल "बेंच" पर रखा गया है यानी जिनकी कोई मौजूदा भूमिका नहीं है, उन्हें री-स्किल किया जा रहा है। हालांकि, यदि अगले छह महीनों में प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ, तो उन्हें भी बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

इस छंटनी का सबसे ज्यादा असर मिड से सीनियर लेवल के उन कर्मचारियों पर पड़ रहा है, जिनका अनुभव 15-20 वर्षों के बीच है। ये कर्मचारी सालाना 35 लाख से 80 लाख तक का पैकेज ले रहे थे। कंपनी इन्हें तीन से पांच महीने की सैलरी के बराबर सेवरेंस पैकेज दे रही है।

आईटी सेक्टर में सामने आईं दो विपरीत तस्वीरें

इंफोसिस और टीसीएस की ये रणनीतियां दिखाती हैं कि भारतीय आईटी सेक्टर किस तरह बदलते दौर से गुजर रहा है। एक ओर जहां एआई और ऑटोमेशन को अपनाकर कंपनियां नए टैलेंट को मौका दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन और वर्कफोर्स रीडिजाइनिंग के चलते सीनियर प्रोफेशनल्स पर दबाव बढ़ रहा है।

सेबी ने दी मंजूरी...भारत में भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए

मुंबई (ईएमएस)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत में आंशिक (फ्रैक्शनल) शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए एक स्टार्टअप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। यह निर्णय भारतीय इक्विटी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि निवेशक अब पूरे शेयर खरीदने के बजाय उसके एक या कुछ हिस्से का व्यापार कर सकते है।

दरअसल आंशिक शेयर ट्रेडिंग वह व्यवस्था है जहाँ निवेशक एक पूरे शेयर की खरीद-फरोख्त के बजाय उसके एक छोटे हिस्से का व्यापार कर सकते हैं। यह प्रणाली अमेरिका जैसे देश में काफी लोकप्रिय रही है। यह उन निवेशकों के लिए फायदेमंद है जो अधिक महंगे शेयरों में निवेश करना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरे शेयर खरीदने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं होती। इसके लिए सेबी ने एक बड़ा कदम उठाकर भारत में आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है। यह निर्णय सेबी के 2021 के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है, जब सेबी ने इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जनवरी 2021 में, ज़ीरोधा और स्टॉक हिस्सा डॉट कॉम ने आंशिक शेयर ट्रेडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनके आवेदन को नियामक ने खारिज कर दिया था। उस समय, उनका मॉडल एक होल्डिंग इकाई पर निर्भर था जो पूरे शेयर खरीदती और फिर उसका हिस्सा बेचती, जिससे नियामकीय और संरचनात्मक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती थीं।

लेकिन इस महीने की शुरुआत में, बेंगलूरु की जॉल्ट्स भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग का परीक्षण करने के लिए सेबी के इनोवेशन सैंडबॉक्स में शामिल हुई थी। जॉल्ट्स के सह-संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में कंपनी सेबी और बाजार के अन्य भागीदारों के समक्ष विभिन्न उपयोग-मामलों का प्रदर्शन करेगी। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि उनके सफल आवेदन का मूल आधार संरक्षण का ढांचा था, जिसमें आंशिक शेयर ब्रोकर के पास रहने की बजाय डिपॉजिटरी में रखे जाएंगे। उन्होंने बताया, हम डिपॉजिटरी के साथ मिलकर काम करने वाले हैं और इस डिपॉजिटरी स्तर पर रखने वाले हैं। मगर स्वामित्व उपयोगकर्ता के खाते में या सीधे उपयोगकर्ता के पास होगा। डिपॉजिटरी के जरिये ब्रोकर आंशिक शेयर खरीद-बिक्री के लिए पेश कर सकते है।

जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा अंबानी परिवार

मुंबई (ईएमएस)। देश का दिग्गज कारोबारी परिवार अंबानी जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है। घटनाक्रम के जुड़े शख्स ने बताया कि कंपनी का प्रवर्तक अंबानी परिवार जियो वित्तीय सेवा में अपनी हिस्सेदारी 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है। इससे कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी मौजूदा 47 से बढ़कर 51 फीसदी से अधिक होगी। नए शेयर का भाव 320 से 325 रुपये के बीच रह सकता है। हालांकि यह कंपनी बोर्ड और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर जियो वित्तीय का शेयर बुधवार को 321 रुपये पर बंद हुआ जिससे इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा।

अंबानी परिवार अपनी वित्तीय सेवा इकाई में ताजा पूंजी डालने वाला अकेला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में अदार पूनावाला के स्वामित्व वाली कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने 1,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी नेटवर्थ बढ़कर 9,700 करोड़ रुपये हो गई और खुदरा ऋण कारोबार में कंपनी की विस्तार की रणनीति को भी बल मिला।

टाटा संस की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी टाटा कैपिटल इस साल सितंबर से पहले 2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना तैयार कर रही है। आईपीओ से मिलने वाले पैसों का उपयोग कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए करेगी। जियो वित्तीय जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग कंपनी बनी थी। यह तेजी से ऋण, बीमा और परिसंपत्ति प्रबंधन में अपना विस्तार कर रही है और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जियो वित्तीय को नई पूंजी की आवश्यकता है। बैंकरों ने कहा कि बीमा सहित व्यापक बाजार में प्रवेश से पहले ताजा पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होने की उम्मीद है। 19 जुलाई को जियो वित्तीय सर्विसेज ने म्यूनिख के आलियांज समूह के साथ इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आलियांज यूरोप बी.वी. के माध्यम से पुनर्बीमा क्षेत्र में 50-50 फीसदी हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम बनाने का समझौता किया है। कंपनी ने जीवन और सामान्य बीमा कारोबार में समान हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम के लिए भी आलियांज समूह के साथ गैर-बाध्यकारी करार किया है।

जियो वित्तीय के डिजिटल-प्रथम मॉडल का उद्देश्य भारतीयों को सहजता से कर्ज लेने, लेन-देन करने, बचत करने और निवेश करने में सक्षम बनाना है। जियो वित्तीय ने भारत में परिसंपत्ति प्रबंधन, धन प्रबंधन और ब्रोकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए निवेश समाधान प्रदान करने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी ब्लैकरॉक के साथ भी एक संयुक्त उपक्रम बनाया है। जियो ब्लैकरॉक के पूंजी जुटाने की पहली पेशकश को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और इस महीने की शुरुआत में उसने भारतीय निवेशकों से 17,500 करोड़ रुपये जुटाए।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 10.7 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई आंकड़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश में इस साल मार्च तक डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आरबीआई के सूचकांक से इसकी जानकारी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक जनवरी, 2021 से डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) प्रकाशित कर रहा है। इसमें देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को दिखाने के लिए मार्च, 2018 को आधार वर्ष माना गया है। आरबीआई ने कहा कि मार्च, 2025 के लिए सूचकांक 493.22 है, जबकि सितंबर, 2024 में यह 465.33 और मार्च, 2024 में 445.5 था। छमाही आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई-डिजिटल भुगतान सूचकांक बढ़ने का कारण देशभर में भुगतान बुनियादी ढांचा... आपूर्ति-पक्ष कारक और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि है।'' आरबीआई-डिजिटल भुगतान मंच में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो विभिन्न समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने को सक्षम बनाते हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धिदर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। दोनों ही आंकड़ों में थोड़ा संशोधन किया गया है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में ज्यादा अनुकूल बाहरी वातावरण को दर्शाता है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।
एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंक (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में वैश्विक विकास दर 3.0 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य से ऊपर की ओर संशोधन है। यह टैरिफ से पहले अग्रिम भुगतान, कम प्रभावी टैरिफ दरों, बेहतर वित्तीय स्थितियों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में राजकोषीय विस्तार को दर्शाता है। रिपोर्ट में आगे कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है। संभावित रूप से उच्च टैरिफ, बढ़ी हुई अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से नकारात्मक जोखिम बना हुआ है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, 2025 में विकास दर 4.1 फीसदी और 2026 में 4.0 फीसदी रहने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति 2025 में 4.2 फीसदी और 2026 में 3.6 फीसदी गिरने की उम्मीद है, जो अप्रैल में अनुमानित दर के समान है। आईएमएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूईओ के लिए जोखिम नकारात्मक दिशा में बने हुए हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में था। प्रभावी टैरिफ दरों में उछाल से विकास दर कमजोर हो सकती है। बढ़ी हुई अनिश्चितता गतिविधियों पर भारी पड़ सकती है, साथ ही अतिरिक्त टैरिफ की समय सीमा भी समाप्त हो रही है, जबकि ठोस, स्थायी समझौतों पर प्रगति नहीं हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक विखंडन की चिंताओं के साथ वित्तीय बाजारों में अस्थिरता फिर से पैदा हो सकती है। सकारात्मक पक्ष यह है कि अगर व्यापार वार्ता एक पूर्वानुमानित फ्रेमवर्क पर पहुंचती है और शुल्कों में कमी आती है, तो वैश्विक विकास को बढ़ावा मिल सकता है।

साल 2025 अप्रैल-जून तिमाही में जीएसटी संग्रह 10.7 फीसदी बढ़ीः वित्त राज्यमंत्री

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में औसत मासिक शुद्ध जीएसटी संग्रह 10.7 फीसदी बढ़कर 1,80,774 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में औसत मासिक शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,63,319 करोड़ रुपए था। मंगलवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में चौधरी ने कहा कि जीएसटी परिषद की सिफारिशों पर सरकार ने स्मॉल बिजनेस सेक्टर के लाभ के लिए कई उपाय किए हैं। अगर छोटे और मध्यम उद्यम राज्य के अंदर कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में शामिल हैं साथ ही उनका कारोबार एक वित्त वर्ष में 40 लाख रुपए से अधिक नहीं है तो उन्हें जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने की जरुरत से छूट दी जाती है। इसी तरह अगर किसी वित्त वर्ष में राज्य के अंदर या अंतर-राज्यीय कर योग्य सेवाओं की आपूर्ति में शामिल व्यक्तियों का कुल कारोबार 20 लाख रुपए से अधिक नहीं है तो उन्हें जीएसटी पंजीकरण की जरुरत नहीं है।

दैनिक पंचांग

31 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

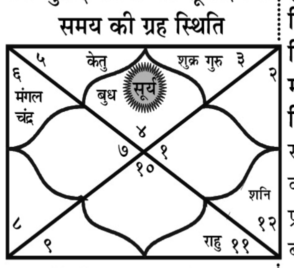

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.47 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	08.59 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.10 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.24 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.40 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.45 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.35 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	00.15 बजे से
		मिथुन	02.13 बजे से
		कर्क	04.27 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 212 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** सप्तमी 04.59 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 00.42 बजे रात्र को समाप्त। **योग** साध्य 04.32 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** गर 15.49 बजे तदनन्तर वणिज 04.59 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872422
जूलियन दिन 2460887.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 05
विशेष तुलसीदास जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7363

बाएँ से दाएँ
1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे
1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -7362 का हल

■	त	ल	ब	■	ट	म	ट	म
प	■	■	द	स्त	क	■	■	हा
र	■	ना	नी	■	ला	श	■	ज
ख	ल	ना	य	क	■	व	त	न
■	ल	■	त	■	ना	■	री	■
म	ना	ही	■	ह	क	ब	का	ना
हा	■	ना	क	■	क	ल	■	यि
व	■	■	स	पा	ट	■	■	का
त	व	वा	र	■	ना	ह	क	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6904

■	25	17	23	■	29	11	18	17	■
14		2		■		4		2	20
20	7		8	■	7		3		23
12		7		■		2		7	19
26	9		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6	■	3		7	14
30	8		8		■		6		18
■	21	15	19	28	■	19	18	22	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6903 का हल

■	25	23	9	■	37	29	17	12	■
18	8	6	4	■	6	8	7	3	24
16	5	6	5	■	4	9	2	7	22
13	5	8	■	7	5	3	8	2	25
29	7	3	4	2	6	7	■	■	■
■	■	■	9	3	7	2	5	7	33
31	2	5	7	8	9	■	2	3	5
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
8	15	12	31	33	■	6	17	21	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 5848

4	7		6		2	
	34	6	38		25	
5	1			6	2	4
	30	1	33		34	
3			4		1	6
	31	4	31	4	34	
2	3		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5847 का हल

7	6	5	4	1	3	2
4	36	2	34	6	26	1
5	1	6	3	7	2	4
6	34	1	33	3	30	5
3	5	7	4	2	1	6
2	27	4	35	4	36	7
1	2	3	6	5	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1971 अमरीकी अपोलो-15 के अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद पर विद्युत कार से छह घंटे से अधिक यात्रा की.
1988 मलेशिया में दुर्घटना में 20 व्यक्ति मारे गए और 370 लोग घायल हुए.
2003 राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अयोध्या के शीर्ष संत परमहंस रामचंद्र दास का 92 वर्ष की आयु में निधन.
2003 सरकार ने बोडो भाषा को संविधान की आठवी अनुसूची में शामिल करने को मंजूरी दी.
2007 वरिष्ठ पत्रकार पालागुमी साईनाथ को 2007 के लिए रैमन मैग्सेसे पुरस्कार के लिए चुना गया.
2007 अभिनेता संजय दत्त को विशेष टाडा अदालत ने अवैध हथियार रखने के जुर्म में छह साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई. इसके अलावा 25 हजार रुपए जुर्माना भरने को कहा.

गणित पहेली - 5208

39		56		2		35	=	58
	■		■		■		■	
33		12		3		14	=	10
	■		■		■		■	
5		5		5		5	=	25
	■		■		■		■	
20		2		2		10	=	10
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10		41		2		16	=	33 / 33

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5207

39	+	50	-	39	÷	2	=	25
-	■	÷	■	+	■	x	■	+
26	÷	2	+	13	+	13	=	39
+	■	-	■	-	■	+	■	-
25	x	3	-	50	x	1	=	25
-	■	+	■	+	■	-	■	-
10	-	5	+	20	-	10	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
28	-	27	+	22	-	17	=	24 / 6

शब्दजाल - 6895

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
ट	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्म	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मां	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल - 6894 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	ज़ा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में विश्व बैंक के भारत स्थित कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर ऑगस्टे तानो कौमे ने झारखंड के आर्थिक विकास तथा गरीबी उन्मूलन उत्थान की प्रमुख योजना (मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना) की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल को राज्य में हो रहे ग्रामीण आर्थिक विकास, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, उत्पादन, कृषि, शिक्षा एवं प्राकृतिक संसाधन में हो रहे कार्य तथा अन्य विकासात्मक गतिविधियों सहित निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। श्री कौमे और उनकी टीम ने भारत में विश्व बैंक द्वारा समर्थित परियोजनाओं के अनुभव साझा किए और राज्य सरकार को विकास योजनाओं, कार्यक्रम डिजाइनिंग तथा क्रियान्वयन तंत्र को मजबूत करने में सहयोग देने की इच्छा जताई, जिससे राज्य के नागरिकों को लाभ मिल सके। मौके पर दोनों पक्षों ने बातचीत को आगे बढ़ाने और रांची में एक संयुक्त चर्चा एवं कार्यशाला आयोजित करने पर सहमति जताई, जिससे सार्थक सहयोग स्थापित हो सके।

जामताड़ा में भारी बारिश के चलते दक्षिण बहाल पुल क्षतिग्रस्त, जिला मुख्यालय से टूटा संपर्क

जामताड़ाः झारखंड के लगभग सभी जिलों में बारिश का दौर जारी है. जामताड़ा में बारिश की वजह से लोगों को भारी बारिश का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के कारण पुल-पुलिया का डायवर्सन टूट चुका है. जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है. साथ ही कई गांवों का संपर्क आपस में टूटा है. दरअसल, जामताड़ा-देवघर को जोड़ने वाला दक्षिण बहाल पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है. नतीजतन यहां कई गांव के लोगों का आवागमन ठप हो गया है और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है. रुक-रुककर हो रही बारिश से भी नदियों के जलस्तर में इजाफा हुआ है. इससे पुल पुलिया और डायवर्सन टूट जाने से गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. जामताड़ा से देवघर चितरा करमाटाड जाने वाले मार्ग में स्थित दक्षिण बहाल पुल क्षतिग्रस्त हुआ है. पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद स्थिति को गंभीरता से देखते हुए जिला प्रशासन ने भारी वाहन समेत दोपहिया वाहन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है. ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना ना हो.

जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती पर रेड क्रॉस भवन में रक्तदान शिविर आयोजित , 52 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुरः भारत रत्न जेआरडी टाटा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है, उन्होने न सिर्फ ऐतिहासिक रूप से टाटा समुह को पांच दशकों तक अपना नेतृत्व दिया, उन्होने राष्ट्रसेवा के भी अनुपमेय कार्य किये, जिसमें भारत में उड्डयन के क्षेत्र में, देश को जनसंख्या विस्फोट के प्रति आगाह करना, चुनौतीपुर्ण कार्यक्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने जैसे अनेकों उदाहरण हैं, जो उनके विशाल व्यक्तित्व को बताते हैं। उक्त विचार आज यहां जेमीपोल के सहयोग से जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर के अवसर पर जेमीपोल के मुख्य वित्तीय पदाधिकारी टी रघु वर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होने स्वयं भी रक्तदान किया।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 38.74 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

देवघरः सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। मंगलवार को नागपंचमी पर तड़के 04:06 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान रहा। सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे थे। कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अबतक कुल 38 लाख 74 हजार 899 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जर्लापण किया है। जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं।

राजभवन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की हुई बैठक

रेड क्रॉस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और जन-कल्याणकारी बनाएं : राज्यपाल

रांचीः झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्टेट मैनेजिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक में राज्यपाल ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन-कल्याणकारी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनांदोलन का रूप देने पर बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन में 15 से 20 बार रक्तदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि रक्त की बर्बादी नहीं होनी चाहिए, यदि रक्त अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाए, तो उसे समीपवर्ती जिलों में भेजा जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिया कि रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए और ऐसे रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाए, जिन्होंने 50 बार या उससे अधिक बार रक्तदान किया है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी सौ से भी अधिक वर्षों से निःस्वार्थ मानव सेवा कर रही है। यह संस्था आपदा, विपदा और स्वास्थ्य संकट के समय लोगों की संवेदनशील, त्वरित और मानवीय सहायता के लिए जानी जाती है। सेवा, करुणा और परोपकार भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य हैं और ऐसी अपेक्षा है कि रेड क्रॉस की झारखण्ड शाखा इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण आगे भी प्रस्तुत करती रहेगी।

राज्यपाल ने कहा कि यदि किसी की मृत्यु समय पर रक्त न मिलने के कारण होती है, तो यह न केवल संबंधित अस्पताल प्रबंधन, बल्कि रेड क्रॉस से जुड़े सभी व्यक्तियों की भी असफलता और निष्क्रियता मानी जाएगी। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि कुछ स्थानों पर रक्त की बिक्री की शिकायतें प्राप्त होती हैं। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि रेड क्रॉस सुनिश्चित करे कि कोई भी मरीज या परिजन विवश होकर रक्त न खरीदे। संस्था को एक समर्पित और भरोसेमंद रक्तदाता मंच के रूप में समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करनी चाहिए।

राज्यपाल ने भारत रत्न नानाजी देशमुख के जरिए किए गए देहदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मानवीय उदाहरण रेड क्रॉस के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने रेड क्रॉस की जिला इकाइयों को अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार करने तथा संस्था के सभी कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संकट से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रेड क्रॉस के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में सक्षम और तत्पर रहें। उन्होंने संस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए सतत सदस्यता अभियान चलाने की बात कही। यदि संस्था अच्छा कार्य करेगी, तो कई संस्थाएं अनुदान और सहयोग के लिए स्वयं आगे आएंगी।

बैठक में सभी जिला इकाइयों को वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के निदेश भी दिए गए। इस अवसर पर यह भी कहा गया कि रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाइयां लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी कर सकती हैं, जो एक संवेदनशील सामाजिक दायित्व है।

राज्यपाल ने कहा कि एक राज्यपाल के रूप में वे रेड क्रॉस की सेवा भावना से जुड़े हर प्रयास में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि "सेवा ही हमारा संकल्प हो", यही रेड क्रॉस की पहचान बने, ऐसी उनकी कामना है। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने राज्यपाल का आभार प्रकट किया। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव-सह-सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन कुलकर्णी, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, निदेशक (खेल) शेखर जमुआर, सोसाइटी की झारखंड राज्य शाखा से जुड़े पदाधिकारी, जिला इकाइयों के प्रतिनिधि एवं सदस्य उपस्थित थे।

झारखंड उच्च न्यायालय ने महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर, सभी जिलों के एसपी और डीसी से मांगी रिपोर्ट

रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य में महिलाओं और स्कूली बच्चों सहित नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर रोक के लिए दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते पुलिस अधीक्षकों (एसपी) और उपायुक्तों (डीसी) को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह की खंडपीठ में बुधवार को जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य के सभी जिले के पुलिस उपाधीक्षकों और उपायुक्तों को नए सिरे से शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने सभी जिलों के जिला जजों (जिला

न्यायाधीशों) को यह निर्देश दिया है कि वे किशोर गृह (जुवनाईल होम) का निरीक्षण कर अदालत के समक्ष अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

रांची उच्च न्यायालय की अधिवक्ता भारती कौशल ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार ने इस मामले में पक्ष रखा।

झारखंड में एक अगस्त से आएगी बारिश में कमी

रांचीः झारखंड के विभिन्न जिलों में एक अगस्त से बारिश में कमी आएगी और मौसम भी साफ होगा। इसके साथ ही तापमान में भी दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की जाएगी। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि एक जून से 29 जुलाई तक राजभर में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। दो जिलों गोड्डा और पाकुड़ को छोड़कर शेष 22 जिलों में अच्छी बारिश हुई है।

इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के टुंडी में 174 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। रांची में अधिकतम तापमान 27.6 जमशेदपुर में 30.4 डाल्टनगंज में 30.2, बोकारो में 30.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

हेमंत सरकार की बड़ी पहल

आदिवासी छात्रों को मुफ्त नीट-जेईई कोचिंग देगी सरकार

रांचीः झारखंड सरकार राज्य के होनहार आदिवासी छात्र-छात्राओं को डॉक्टर और इंजीनियर बनाने की दिशा में बड़ी पहल करने जा रही है. सरकार की नई योजना के तहत हर साल 300 मेधावी आदिवासी छात्रों को नीट और जेईई की मुफ्त आवासीय कोचिंग दी जाएगी. इस योजना के लिए 13 अगस्त तक एजेंसी चयन की प्रक्रिया पूरी की जानी है. कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया कि योजना के तहत छात्रों को दो समूहों में कोचिंग दी जाएगी. 11वीं में पढ़ने वाले छात्रों को दो वर्षों की कोचिंग दी जाएगी. इसमें 75 छात्र जेईई और 75 छात्र नीट की तैयारी करेंगे. 12वीं में अध्ययनरत छात्रों को एक वर्ष की कोचिंग मिलेगी, जिसमें फिर से 75 छात्र जेईई और 75 छात्र नीट की कोचिंग प्राप्त करेंगे.

रांची में बनेगा स्थायी भवन, तब तक हिंदपीढ़ी में होगी अस्थायी व्यवस्था

इस योजना के लिए रांची में स्थायी कोचिंग भवन का निर्माण प्रस्तावित है. जब तक भवन निर्माण नहीं होता, तब तक हिंदपीढ़ी स्थित कल्याण विभाग के भवनों में कोचिंग दी जाएगी. यहीं छात्रों के लिए खाने और रहने की पूरी आवासीय व्यवस्था भी की जाएगी.

चयन प्रक्रिया होगी मेरिट आधारित, जल्द जारी होंगी गाइडलाइंस

छात्रों का चयन मेरिट आधारित परीक्षा के माध्यम से होगा. हालांकि, चयन प्रक्रिया को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश अभी तय किए जाने हैं. एजेंसी चयन के बाद विस्तृत प्रक्रिया सार्वजनिक की जाएगी.

'आकांक्षा योजना' को विस्तार देने की तैयारी

गौरतलब है कि झारखंड सरकार द्वारा 2016-17 में शुरू की गई आकांक्षा योजना के अंतर्गत अब तक सैकड़ों गरीब और मेधावी छात्रों को मेडिकल और इंजीनियरिंग कोचिंग दी जा चुकी है. वर्तमान में इस योजना के तहतः मेडिकल के लिए 75 छात्र, इंजीनियरिंग के लिए 100 छात्र का चयन कर उन्हें मुफ्त आवासीय कोचिंग दी जाती है.

यह प्रवेश परीक्षा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (JAC) द्वारा कराई जाती है और योजना का क्रियान्वयन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा किया जाता है. अब कल्याण विभाग इस योजना को अधिक व्यापक रूप देने जा रहा है, ताकि और अधिक आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल सके.

छत्तीसगढ़ में चार राज्यों के वन अधिकारियों की बैठक

हाथी और मानव के बीच द्वंद रोकने पर बनी नीति

गढ़वाः छत्तीसगढ़ के सरगुजा और झारखंड के गढ़वा जिले में, बीते एक साल में हाथी और मानव के बीच द्वंद को लेकर बड़ी बैठक हुई है. बैठक को अंतरराज्यीय फॉरेस्ट समन्वय समिति नाम दिया गया है. मीटिंग में चार राज्यों के वन अधिकारी शामिल हुए, जिसमें झारखंड के गढ़वा, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पीसीसीएफ, डीएफओ समेत अन्य लोग शामिल हुए.

2024-25 में हाथी मानव द्वंद में 18 लोगों की मौतः हाथी मानव द्वंद समेत कई मुद्दों को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें गढ़वा के दो डीएफओ ने भाग लिया. गौरतलब है कि साल 2024-25 में गढ़वा जिले में हाथी-मानव द्वंद के कारण, 18 लोगों की मौत हुई थी. जबकि मार्च 2025 से लेकर अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं.

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में 2024-25 के बीच हाथी मानव द्वंद में 7 लोगों की मौतः छत्तीसगढ़ के सरगुजा इलाके में भी साल 2024-25 के बीच हाथी-मानव द्वंद में अब तक 7 लोगों की मौत चुकी है. जबकि मार्च 2025 से लेकर अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है. हालांकि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कोई हाथी-मानव द्वंद नहीं हुआ है लेकिन नुकसान जरूर हुआ है.

आपसी समन्वय और सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमतिः बैठक में निर्णय लिया गया है कि वन विभागों के बीच आपसी समन्वय और सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत किया जाएगा. ताकि जंगलों में होने वाली घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई की जा सके. वन्य जीव और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर आपसी साझा रणनीति पर भी सहमति बनी है.

डीएफओ एबीन बेनी अब्राहम ने कहा- यह एक अहम बैठक थी, जिसमें चार राज्यों के सीमावर्ती जिलों के वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए. बैठक में हाथी-मानव द्वंद को रोकने, उनकी सुरक्षा, लकड़ी की तस्करी को रोकने और जंगलों की कटाई पर कार्रवाई करने, जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई है. जिसमें सबसे प्रमुख मुद्दा हाथी-मानव द्वंद को लेकर था, इसके लिए चार राज्यों के अधिकारियों में आपसी सहमति बनी है कि एक दूसरे से सूचना आदान प्रदान करेंगे, इसके लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाने की प्रक्रिया चल रही है और बहुत जल्द इसका असर देखने को मिलेगा।

गुमला में पुत्र ने टांगी से काटकर पिता को मार डाला, गांव में सनसनी

गुमलाः गुमला जिला अंतर्गत जारी थाना क्षेत्र के रुद्रपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है, जहां एक पुत्र ने टांगी से वार करके अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी. मृतक की पहचान 60 वर्षीय गुरुवा मुंडा के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पुत्र का नाम सुमन मुंडा (28) बताया गया है. घटना मंगलवार रात की है.

पेशाब करने निकले गुरुवा मुंडा पर बेटे ने किया हमलाः मृतक की पत्नी सिल्मइत मुंडाई ने बताया कि गुरुवा मुंडा रात में पेशाब करने के लिए घर से बाहर निकले थे. इसी दौरान उनका पुत्र सुमन मुंडा टांगी लेकर आया और अचानक उन पर हमला कर दिया. पति की चीख-पुकार सुनकर पत्नी दौड़ी और बचाने की कोशिश की, लेकिन उस पर भी वार किया गया. वह किसी तरह जान बचाकर चिल्लाते हुए भागी.

गुरुवा को जशपुर के अस्पताल ले जाया गयाः सिल्मइत मुंडाई की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे. तब तक आरोपी फरार हो चुका था. ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायल गुरुवा मुंडा को जशपुर (छत्तीसगढ़) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

घटना की सूचना मिलते ही जारी थाना प्रभारी आदित्य कुमार एवं एसआई रमेश महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक कागजी कार्रवाई के बाद सुमन मुंडा को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया. इस घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है. लोग हैरान हैं कि एक पुत्र अपने ही पिता की इतनी क्रूरता से कैसे हत्या कर सकता है.

झारखंड में शिक्षा सुधार की नई पहल

विश्वविद्यालयों की नियुक्तियों के लिए बनेगा आयोग

रांचीः झारखंड की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक अहम बदलाव की तैयारी है. राज्य सरकार अब विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध कॉलेजों में शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन का गठन करने जा रही है. इसका उद्देश्य नियुक्तियों में पारदर्शिता लाना, लंबित पदों को भरना और संस्थानों की कार्यकुशलता बढ़ाना है.

यह निर्णय पिछले दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया था. बैठक में झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक-2025 को स्वीकृति दी गई है. जिसे आनेवाले विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा.

अब नियुक्ति प्रक्रिया होगी केंद्रीकृत और समान

नए विधेयक के तहत राज्य के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों जैसे कि रांची विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों में कुलपति, प्रति कुलपति, प्राचार्य, प्राध्यापक, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक और शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति अब आयोग के माध्यम से की जाएगी.

फिलहाल इन पदों पर नियुक्ति राज्यपाल सह कुलाधिपति या झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) के जरिए होती रही है, लेकिन नए विधेयक के अमल में आने के बाद यह जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन को सौंपी जाएगी. राज्य सरकार का कहना है कि इससे विभिन्न अधिनियमों के तहत चल रहे विश्वविद्यालयों में एकरूपता लाई जा सकेगी और प्रशासनिक जटिलताएं दूर होंगी.

पाकुड़ः शौचालय के कमोड में घुसकर बैठा था 5.5 फीट लंबा कोबरा, घर में मचा हड़कंप

पाकुड़ः जिले के महेशपुर प्रखंड मुख्यालय में एक मकान के शौचालय में जहरीला कोबरा सांप निकलने से परिजनों में हड़कंप मच गया. मकान मालिक ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर घने जंगल में छोड़ दिया.

शौचालय में छिपा था कोबराः महेशपुर निवासी विनोद भगत ने वन विभाग को सूचना दी कि उनके घर के बाथरूम में एक विशाल कोबरा घुस गया है. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. वन कर्मी मोहम्मद असराफुल शेख ने बताया कि सांप बाथरूम के कमोड में छिपा हुआ था. उन्होंने बताया कि कोबरा संभवतः तीन-चार दिन पहले किसी तरह मकान में घुस गया था और शौचालय की टंकी में फंस गया था.

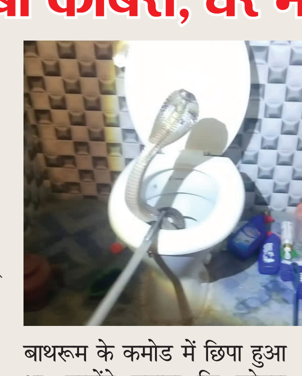

रेस्क्यू में लगे कई दिनः वन कर्मियों ने सांप को सुरक्षित निकालने के लिए कई दिनों तक इंतजार किया, क्योंकि वह टंकी के अंदर गहराई में था. सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद कोबरा को बाहर निकाला गया. मोहम्मद असराफुल ने बताया कि कोबरा की लंबाई लगभग 5.5 फीट थी और इसकी अनुमानित उम्र 30-35 वर्ष के बीच थी. उन्होंने कहा, "यह कोबरा अत्यधिक जहरीला है. यदि यह किसी को काट ले और समय पर इलाज न हो, तो मृत्यु तक हो सकती है."

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।